{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 10 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 48
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

आईएसआईएस से जुड़े 3 आतंकी पकड़ाए

अहमदाबाद । गुजरात एटीएस को एक बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से रडार पर चल रहे आईएसआईएस से जुड़े तीन आतंकियों को एक संयुक्त ऑपरेशन में गिरफ्तार कर लिया गया। ये तीनों एक साल से ज्यादा समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में थे और आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। ये तीनों आतंकी आईएसआईएस से जुड़े दो अलग-अलग मॉड्यूल का हिस्सा बताए जा रहे हैं। गुजरात एटीएस पिछले एक साल से ज्यादा समय से इनपर नजर बनाए हुए थी और इन्हें ट्रैक कर रही थी। ये तीनों आरोपी हथियार बदलने के लिए गुजरात पहुंचे थे। एजेंसियों को इनकी मूवमेंट और प्लान की सूचनाएं पहले से मिली थीं। जैसे ही वे राज्य के अंदर पहुंचे, एटीएस की टीम ने दबिश देकर सभी को गिरफ्तार कर लिया।

तेज प्रताप को मिली वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा

पटना। बिहार चुनावी सरगर्मी के बीच राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव को गृह मंत्रालय की ओर से वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। इस श्रेणी में अब वे आरपीएफ जवानों की सुरक्षा घेरे में रहेंगे। तेज प्रताप यादव, जो हाल ही में पार्टी से निष्कासित किए गए थे, को यह सुरक्षा प्रोटेक्शन लिस्ट के तहत प्रदान की गई है। हालांकि राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह कदम तेज प्रताप के भाजपा के प्रति झुकाव से जुड़ा हो सकता है। गृह मंत्रालय की ओर से आधिकारिक रूप से सुरक्षा दिए जाने की पुष्टि हुई है, लेकिन राजनीतिक अटकलों पर किसी भी पक्ष से अब तक बयान नहीं आया है।दरअसल, एक दिन पहले ही तेज प्रताप ने भाजपा के सांसद रवि किशन का समर्थन किया था और उन्होंने यहां तक कह दिया कि जो रोजगार देगा, मैं उसके साथ रहूंगा। तेज प्रताप पटना एयरपोर्ट पर भाजपा सांसद रवि किशन के साथ तेज प्रताप यादव नजर आए थे।

दुष्कर्म का आरोपी विधायक भागा ऑस्ट्रेलिया

पटियाला। दुष्कर्म मामले में आरोपी पंजाब के पटियाला जिले के सनौर हलके के आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा विदेश भाग चुका है। पठानमाजरा देश छोड़कर ऑस्ट्रेलिया पहुंच गया है। पठानमाजरा को पंजाब पुलिस दो महीने से ढूंढ रही थी। ऑस्ट्रेलिया में पठानमाजरा ने एक निजी चैनल को इंटरव्यू दिया है। पठानमाजरा के इंटरव्यू को सोशल मीडिया पर सात नवंबर को अपलोड किया गया है।

कुछ ना कहना

दिल्ली में एयर पॉल्यूशन का विरोध करने वाले अरेस्ट, लोग बोले-

पब्लिक मर रही, कोई पॉलिसी नहीं; सरकार डेटा छिपा रही है

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते एयर पॉल्यूशन के खिलाफ रविवार को इंडिया गेट पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। शाम होते-होते पुलिस ने लोगों को इंडिया गेट से हटाया। इस दौरान कई लोगों को डिटेन किया गया।

विरोध करने वालों में मौजूद पर्यावरण कार्यकर्ता भवरीन कंधारी ने कहा कि बच्चों की सेहत तेजी से बिगड़ रही है। हर तीसरे बच्चे के फेफड़े प्रदूषण से प्रभावित हैं। एक और प्रदर्शनकारी अभिषेक ने कहा कि सरकारें एक-दूसरे पर आरोप लगाने में लगी हैं, जबकि लोगों को स्वच्छ हवा का बुनियादी अधिकार भी नहीं मिल रहा।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार के पास प्रदूषण से निपटने के लिए न कोई प्लानिंग और न ही पॉलिसी है। सरकार प्रदूषण का डेटा भी छिपा रही है।

इंडिया गेट पर कई महिलाएं अपने बच्चों के साथ पहुंची थीं। लोगों ने केंद्र और राज्य सरकार से साफ हवा की मांग की। वहीं, पुलिस ने कहा कि विरोध करने वाले बिना परमिशन के इंडिया गेट पर जमा हुए। डीसीपी देवेश कुमार महला ने कहा कि यह एक्शन एहतियातन लिया गया। विरोध के लिए केवल जंतर-मंतर ही तय जगह है।

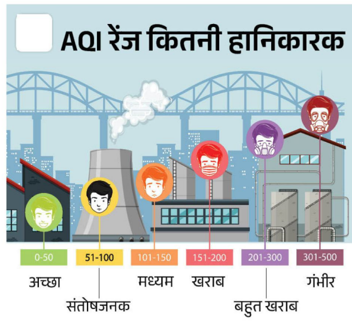

आप का आरोप-एक्यू मॉनिटरों के पास पानी छिड़का जा रहा

आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार एक्यू मॉनिटरों के पास पानी छिड़कवाकर हवा की गुणवत्ता के आंकड़ों को कम दिखाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा जवाबदेही से भाग रही है और ठोस नीतियां नहीं बना रही। जब दिल्ली में,क्क की सरकार थी तब प्रदूषण नियंत्रण पर लगातार काम हुआ।

दिल्ली में सरकारी-एमसीडी दफ्तरों का समय बदला गया

दिल्ली में सरकारी दफ्तर और म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन डिपार्टमेंट के दफ्तरों की टाइमिंग बदली गई है। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने ये फैसला एयर पॉल्यूशन और ट्रैफिक में कमी लाने के लिए किया।

नई टाइमिंग 15 नवंबर से लागू होंगी, जो 15 फरवरी 2026 तक लागू रहेगीं। अब दिल्ली सरकार के दफ्तर सुबह 10 बजे से शाम 6.30 बजे तक खुलेंगे। वहीं, एमसीडी दफ्तर सुबह 8.30 से शाम 5 बजे तक खुलेंगे।

अभी दोनों दफ्तरों का समय सिर्फ 30 मिनट के अंतर से चलता है। इसके कारण सुबह-शाम ट्रैफिक बढ़ जाता है और प्रदूषण में भी इजाफा होता है। नई टाइमिंग से पीक ऑवर ट्रैफिक कम करने की कोशिश की गई है।

पंजाब में प्रदूषण से रोज हो रही 130 लोगों की मौत

पंजाब में वायु प्रदूषण अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बनता जा रहा है। प्रदेश में हर रोज 130 लोगों की मौत प्रदूषण की वजह से हो रही है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) 2023 के आंकडों के विश्लेषण के आधार पर तैयार रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। पंजाब के 9 शहर पहले ही प्रदूषण के हॉटस्पॉट शहरों की सूची में शामिल हैं। पंजाब विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग की प्रोफेसर सुमन मोर व उनकी रिसर्च टीम ने रिपोर्ट के आधार पर बताया कि वायु प्रदूषण पंजाब के लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी सबसे बड़ा जोखिम कारक बनता जा रहा है।

दिल्ली में एक्यू 400 पहुंचा, यह सबसे खराब स्तर

रविवार सुबह दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स इस सीजन के अपने सबसे खराब स्तर पर पहुंच गया। जो कई इलाकों में 400 पार रहा, ये सबसे खराब लेवल माना जाता है। धूप खुलने के बाद इसमें मामूली सुधार हुआ था,एक्यू 391 रिकॉर्ड किया गया।

दिल्ली में धुंध की चादर छा गई। वहीं, तापमान भी सामान्य से 11.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार रविवार शाम 4 बजे एक्यू 370 पर था, जिससे शहर रेड जोन में आ गया।

सीपीसीबी के मुताबिक दिल्ली पंजाबी बाग में सबसे अधिक 425, बवाना में 410, जहांगीरपुरी में 401 और नेहरू नगर और वजीरपुर में 400 एक्यू रिकॉर्ड किया गया। वहीं, एनसीआर के इलाकों में नोएडा में सबसे ज्यादा 354 एक्यू दर्ज किया गया। गाजियाबाद में 345 और ग्रेटर नोएडा में 340 एक्यू रहा।

बता दें कि 0 से 50 के बीच एक्यू को अच्छा, 51-100 को संतोषजनक, 101-200 को मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बहुत खराब और 401-500 को गंभीर माना जाता है।

रैलियों-वादों का चुनाव...मतदाता किसके साथ ?

बिहार विधानसभा चुनाव : दूसरे चरण के प्रचार का शोर थमा, 20 जिलों की 122 सीटों पर मतदान 1302 उम्मीदवार, नेपाल बॉर्डर 11 नवंबर तक सील

पटना/नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज की 122 सीटों पर रविवार शाम 5 बजते ही चुनाव प्रचार खत्म हुआ। इन सीटों पर वोटिंग 11 नंवबर को होनी है। 14 नवंबर को रिजल्ट आएगा। धूल और उम्मीदों से भरा बिहार का चुनावी माहौल इस बार केवल नारों से नहीं, बल्कि रैलियों की संख्या और नेताओं की मेहनत से गूंजता रहा। एक तरफ, एनडीए के अनुभवी नेता अपनी रैलियों की संख्या को विकास का प्रमाण बताते रहे। वहीं, महागठबंधन ने कम समय में दोहरी गति से जनसभाएं कर एनडीए को चुनौती दी है। ये आंकड़े बताते हैं कि इस बार सत्ता की लड़ाई सिर्फ मंच पर नहीं, बल्कि सीधे जनता तक पहुंचने की रफ्तार से तय होगी। एनडीए की तरफ से पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह और नीतीश कुमार ने मुख्य रूप से विकास, सुरक्षा और परिवारवाद पर बड़ी रैलियां की। वहीं महागठबंधन की ओर से तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी ने बेरोजगारी, सामाजिक न्याय और वोट चोरी पर रैलियां-रोड शो कर जनसमर्थन बढ़ाया है। अब देखना है कि 11 नवंबर को मतदाता किसको वोट देते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कुल 1165 पुरुष उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा। इनके साथ 136 महिला उम्मीदवार भी मैदान में हैं, जबकि एक थर्ड जेंडर उम्मीदवार

भी चुनावी मुकाबले में अपनी किस्मत आजमा रहा है। 122 सीटों पर होने वाले इस चरण के मतदान में सभी उम्मीदवारों के राजनीतिक भविष्य का फैसला 11 नवंबर को वोटिंग के जरिए होगा। दूसरे चरण के मतदान से पहले भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई है। बॉर्डर को 11 नवंबर की रात तक सील की गई। इस दौरान सीमा पर लोगों के आने-जाने पर रोक है। प्रचार के अंतिम दिन रविवार को कई नेताओं ने सभाएं की। अमित शाह, राहुल गांधी और योगी आदित्यनाथ समेत नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव सहित दिग्गज नेताओं ने कई जिलों में रैलियां को संबोधित किया।

एनडीए ने 120, महागठबंधन ने की 150 सभाएं

एनडीए प्रत्याशियों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित प्रमुख नेताओं ने लगभग 120 बड़ी रैलियां और रोड शो किए हैं। ये रैलियां मुख्य रूप से उन 60 सीटों पर हुईं, जहां पिछली बार मुकाबला कड़ा था। मुख्य विषय रहे, विकास, सुरक्षा और परिवारवाद पर हमला। वहीं तेजस्वी प्रसाद यादव और उनके सहयोगियों ने 150 से अधिक रैलियां की हैं। तेजस्वी ने एक दिन में 15-18 सभाओं का रिकॉर्ड भी बनाया। उनकी रैलियां खासकर बेरोजगारी और पलायन वाले क्षेत्रों में हुईं, और मुख्य संदेश रहा 10 लाख सरकारी नौकरियाँ, महंगाई और सामाजिक न्याय।यह साफ दिखाता है कि एनडीए अपनी स्थापित ताकत पर भरोसा कर रहा है, जबकि महागठबंधन सीधे जनता तक पहुंचने की रणनीति पर जोर दे रहा है।

3.70 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट

इस चरण में कुल 1302 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें 1165 पुरुष, 136 महिला और 1 थर्ड जेंडर के उम्मीदवार शामिल हैं। इन प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला कुल 3,70,13,556 मतदाता करेंगे। मतदाताओं में 1,95,44,041 पुरुष, 1,74,68,572 महिला एवं 943 थर्ड जेंडर के मतदाता शामिल हैं। इस चरण में हरेक बूथ पर औसतन 815 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। खास बात यह है कि इस चरण के सभी 122 विधानसभा क्षेत्रों में दो लाख से अधिक मतदाता हैं। मतदाताओं की संख्या के अनुसार, सबसे छोटा विधानसभा क्षेत्र मखदुमपुर है, जहां 2,47,574 मतदाता वोट डालेंगे, जबकि सबसे बड़ा विधानसभा क्षेत्र हिसुआ है, जहां सर्वाधिक 3,67,667 मतदाता मतदान करेंगे। दूसरे चरण में प्रत्याशियों की संख्या को लेकर कुछ सीटों पर विशेष प्रतिस्पर्धा दिख रही है। सर्वाधिक 22-22 उम्मीदवारों वाले तीन विधानसभा क्षेत्र हैं- कैमूर में चैनपुर, रोहतास का सासाराम और गया जी का गया शहर। वहीं, सबसे कम उम्मीदवार (5-5) वाले छह विधानसभा क्षेत्र भी हैं। इन छह क्षेत्रों में पश्चिमी चंपारण का लौरिया और चनपटिया; पूर्वी चंपारण के रक्सौल और सुगौली; सुपौल का त्रिवेणीगंज; एवं पूर्णिया का बनमनखी विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं।

आरएसएस पर उठे सवालों का मोहन भागवत ने दिया जवाब

आरएसएस मान्यता प्राप्त संस्था हैं, पंजीकरण की जरूरत नहीं

बंगलूरू । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कांग्रेस नेताओं के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि संघ को व्यक्तियों के समूह के रूप में मान्यता प्राप्त है और इसका पंजीकरण कराना जरूरी नहीं है। भागवत ने एक सवाल-जवाब सत्र में कहा आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई थी। क्या आप उम्मीद करते हैं कि हम ब्रिटिश सरकार के साथ पंजीकृत होते? उन्होंने आगे बताया कि आजादी के बाद भारत सरकार ने ऐसे संगठनों के लिए पंजीकरण को अनिवार्य नहीं बनाया है। भागवत ने कहा हम 'बॉडी ऑफ इंडिविजुअल्स' के रूप में वर्गीकृत हैं और एक मान्यता प्राप्त संगठन हैं। संघ प्रमुख ने बताया कि आयकर विभाग और अदालतों ने भी आरएसएस को बॉडी ऑफ इंडिविजुअल्स के रूप में मान्यता दी है,

जिसके कारण संगठन को आयकर से छूट मिली हुई है। भागवत ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा हम पर तीन बार प्रतिबंध लगाया गया। अगर हम होते ही नहीं, तो सरकार ने किस पर प्रतिबंध लगाया था? उन्होंने आगे कहा कि कई चीजें हैं जो पंजीकृत नहीं होतीं। उन्होंने अपने बयान में जोड़ा कि यहां तक कि हिन्दू धर्म भी पंजीकृत नहीं है।

संघ जाति या धर्म नहीं पूछा जाता

जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से पूछा गया कि क्या मुसलमानों को संघ में शामिल होने की अनुमति है, तो उन्होंने कहा संघ में किसी ब्राह्मण, किसी दूसरी जाति, किसी मुस्लिम या ईसाई को अलग से नहीं लिया जाता। संघ में केवल हिंदू समाज के सदस्य आते हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि संघ में आने वाले व्यक्ति अपनी अलग पहचान घर पर छोड़कर आते हैं। भागवत ने कहा मुस्लिम हों, ईसाई हों या किसी भी पंथ के लोग सबका स्वागत है। लेकिन शाखा में आने के बाद सब भारत माता के बेटे माने जाते हैं। भागवत ने बताया कि शाखा में आने वाले लोगों से उनकी जाति या धर्म नहीं पूछा जाता। उन्होंने जोड़ा हम यह नहीं गिनते कि कौन किस जाति या धर्म से है। हमारे लिए सब भारत माता के सपूत हैं। यही संघ की कार्यप्रणाली है।

भगवा और तिरंगा दोनों का सम्मान करते हैं

मोहन भागवत ने कहा कि संघ हमेशा से राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का सम्मान, श्रद्धांजलि और रक्षा करता आया है। उन्होंने बताया कि 1933 में राष्ट्रीय ध्वज तय करने वाली समिति ने भगवा रंग की सिफारिश भी की थी, लेकिन महात्मा गांधी ने तीन रंगों वाला तिरंगा चुना।

सुकमा-दंतेवाड़ा सीमा पर आईईडी ब्लास्ट

सुकमा । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर सुरक्षाबलों को निशाना बनाया है। रविवार दोपहर लगभग 1़45 बजे गोगुंडा के जंगल पहाड़ी इलाके में नक्सलियों के लगाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) की चपेट में आने से सीआरपीएफ की 74वीं बटालियन का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना फूलबगड़ी थाना क्षेत्र की है। घटना उस वक्त हुई, जब सुरक्षा बल इलाके में एरिया डॉमिनेशन ड्यूटी पर निकले थे। बताया जा रहा है कि जवान फिरोज खान जैसे ही पगडंडी से आगे बढ़ा, अचानक जमीन के नीचे दबे प्रेशर आईईडी पर पैर पड़ गया, जिससे जोरदार धमाका हुआ। घटना के बाद घायल जवान को तत्काल साथी जवानों ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और पास के अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद घायल जवान को तत्काल हेलिकॉप्टर से एयर लिफ्ट कर रायपुर भेजा गया। आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त बल तैनात कर सर्चिंग अभियान को और तेज कर दिया गया है।

पहाड़ी बोली, पहाड़ी टोपी, पीएम का हर अंदाज पहाड़ी

देहरादून । सिर पर पहाड़ी टोपी और भाषण में जगह-जगह गढ़वाली कुमाऊनी बोली। उत्तराखंड के रजत जयंती के मुख्य कार्यक्रम में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर अंदाज पहाड़ीपन से घुला-मिला दिखा। उन्होंने गढ़वाली कुमाऊनी के कई-कई वाक्य बोले। वो भी कई बार। अक्सर प्रधानमंत्री उत्तराखंड के कार्यक्रमों में पहाड़ी बोली-भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं, मगर आज के भाषण में उन्होंने जितनी गढ़वाली कुमाऊनी बोली, उतनी कभी नहीं बोली थी। ये ही वजह रही, कि उत्तराखंड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस बार और भी गहरा कनेक्ट महसूस किया। प्रधानमंत्री ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भाषण की शुरूआत की और कहा-देवभूमि उत्तराखंड का मेरा भै बंधु, दीदी, भुलियों, दाना सयानो, आप सबू तई म्यारू नमस्कार। पैलाग, सैंवा सौंली।

अपने भाषण के बीच में प्रधानमंत्री ने जब फिर से गढ़वाली में बोलना शुरू किया, तो इसने लोगों को और रोमांचित कर दिया। प्रधानमंत्री बोले-पैली पहाड़ू कू चढ़ाई, विकास की बाट कैल रोक दी छै। अब वखि बटि नई बाट खुलण लग ली। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण मे पहाड़ के लोक पर्वों, लोक परंपराओं और महत्वपूर्ण आयोजनों को भी शामिल किया। इस क्रम में उन्होंने हरेला, फुलदेई, भिटोली, नंदादेवी, जौलजीबी, देवीधुरा मेले से लेकर दयारा बुग्याल के बटर फेस्टिवल तक का जिक्र किया।

मोदी-शाह-ज्ञानेश ने हिंदुस्तान में वोट चोरी की - राहुल गांधी

किशनगंज। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे पर प्रहार तेज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हिंदुस्तान में वोट चोरी की है, चोर आखिर में पकड़ा जाता है और एक दिन ये भी जरूर पकड़े जाएंगे। बिहार विधानसभा के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन किशनगंज में आयोजित विशाल जनसभा में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी कर देश की जनता को ठगा जा रहा है और यह संविधान पर आक्रमण है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करना और वोट चोरी रोकना सबकी जिम्मेदारी है। बिहार की जनता से

पोलिंग बूथ पर सावधान रहने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि अगर वोट चोरी रोक दी गई तो शत प्रतिशत महागठबंधन की सरकार बन रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से हरियाणा विधानसभा चुनाव में 25 लाख फर्जी वोट बनाए गए, यह साफ हो गया है कि भाजपा वोट चोरी करके चुनाव जीतती है।

बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार और प्रधानमंत्री मोदी ने देश में रोजगार खत्म करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में विश्वविद्यालय, कॉलेज बेचे जा रहे हैं या बंद हो रहे हैं। बिहार के युवाओं को रोजगार की तलाश में दूसरे प्रदेशों में जाकर मजदूरी करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि बिहार में अनानास, आम, मक्का और मखाना जैसी कई चीजें उगाई जाती हैं, लेकिन नीतीश सरकार ने पिछले 20 सालों में एक भी फूड प्रोसेसिंग प्लांट चालू नहीं किया। अमेरिका में मखाना हजारों रुपये में बिकता है, मगर उसे उगाने में मेहनत करने वाले बिहार के लोगों को उसकी बिक्री से कोई फायदा नहीं मिलता। उसका लाभ बिचौलियों को या फिर बड़ी-बड़ी कंपनियों को मिलता है।

एनडीए सरकार पर चंद उद्योगपतियों के लिए काम करने का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर भी एक बार फिर हमला किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि बिहार में उद्योग लगाने के लिए जमीन नहीं है।

सरकारी उदासीनता और अनदेखी का जवाब

श्रमदान से पुलिया बनायी

ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनाई पुलिया, पिछले 3 वर्षों से टूटी पुलिया पर नही दिया जा रहा था ध्यान

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

जब चहु ओर विकास करने का दावा करने वाली सरकार और उनके जनप्रतिनिधि ही विकाश कार्यो पर ध्यान नही दे, वहीं प्रशासन भी ग्रामीण क्षेत्रों में निहित समस्याओं को सुलझाने में रुचि नही दिखाए ,तो उसका खामियाजा स्थानीय लोगों को कई वर्षों तक भुगतना पड़ता है। जिससे परेशान ग्रामीण कई बार ऐसे निर्णय ले लेते हैं कि जो समस्या का समाधान शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधि भी नहीं कर पाए, उन समस्याओं का समाधान स्थानीय ग्रामीण ही अपने स्तर से कर लेते हैं।ऐसा ही एक मामला परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से सामने आया है जहां पिछले 3 वर्षो से टूटी पुलिया पर शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने ध्यान नहीं दिया और आवेदन निवेदन करने पर भी समस्या की अनदेखी कर दी तो ग्रामीण किसानों स्वयं श्रमदान कर स्थाई पुलिया का निर्माण कर लिया।जिससे अब ग्रामीणों को आवागमन करने में आने वाली आने वाली परेशानियों से निजात मिल गई है, तो वहीं उन्हें 5 किलोमीटर दूर घूम कर अपने गांव नहीं आना पड़ रहा है।मामला परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम अतरी का है। जहां के स्थानीय ग्रामीणों ने श्रमदान कर 3 वर्षो से टूटी पड़ी पुलिया अस्थाई निर्माण कर उसे आवागमन करने योग्य बनाया है। ग्रामीणों के इस कार्य की आसपास के ग्रामो में भी तारीफ की जा रही है।

वर्ष 2006-07 में 49 लाख रु की लागत से बनाई गई थी पुलिया

बताया गया कि शासन प्रशासन एवं जन प्रतिनिधियों के अनदेखी करने पर ग्राम अतरी के ग्रामीणों ने श्रमदान कर 3 वर्षो से क्षतिग्रस्त महकारी नदी के पुलिया में मिट्टी मुरुम डालकर आवागमन करने योग्य बनाया।जानकारी के अनुसार वर्ष 2006-07 में अतरी से राष्ट्रीय राज्य मार्ग को जोड़ने हेतु बॉक्स कलवर्ड योजना अंतर्गत 49,00000 लाख रूपये कि लागत से आर ई एस विभाग द्वारा पुलिया निर्माण किया गया था, जो कि वर्ष 2022-23 में अधिक बाढ़ आने के कारण एक तरफ का हिस्सा बाढ़ के बहाव में बह गया था, तब से लेकर आज तक इस पुलिया की मरम्मत या सुधार कार्य नहीं किया गया था, जिससे कई गांवों के ग्रामीणों को आवागमन करने के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

आवेदन निवेदन का भी नहीं हुआ असर

स्थानिक ग्रामीणों ने बताया की पुलिया टूट जाने के बाद कई बार सरकारी कार्यालय और जनप्रतिनिधियों के चक्कर काटे गए, आवेदन निवेदन किया गया लेकिन हमारी इस फरियाद का उन पर कोई असर नहीं पड़ा।जब से पुलिया टूटी थी उसके बाद से ही अतरी ग्राम पंचायत कि जनता विधायक, सांसद एवं प्रशासन से बारम्बार पुल का जीर्णोधार करने आवेदन निवेदन कर रही थी, परन्तु अतरी ग्राम कि जनता कि मांग पर किसी भी जनप्रतिनिधी एवं प्रशासनिक अधिकारी ने ध्यान नही दिया। कई बार आवेदन निवेदन करने के बाद भी जब कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई और ग्रामीणों की मांग हर जगह अनसुनी कर दी गई तो ग्रामीण ने स्वयं ही इस पुलिया का अस्थाई निर्माण कर पुलिया को आवागमन योग्य बनाने की ठान ली और सरपंच सचिव के सहयोग से ,श्रमदान करके अस्थाई पुलिया का निर्माण कर लिया।

पहले मोड़ी,नदी की धारा, फिर मुरम डालकर किया अस्थाई पुलिया के निर्माण

बताया गया कि ग्राम पंचायत अतरी के सरपंच सचिव के पहल से ग्रामीणों ने श्रमदान करके सबसे पहले बहते पानी में बोरी बँधान कर पानी कि धारा को मोड़ दिया।फिर क्षतिग्रस्त पुलिया में मिट्टी मुरुम भरकर आने जाने के लिए वैकल्पिक सडक बनाकर अवगमन करने लायक मार्ग बना दिया।अब सड़क बनने से दो पहिया, चार पहिया वाहन एवं स्कूली बच्चों को स्कूल आने जाने में सुगम रास्ता मिल गया, नहीं तो स्कूली बच्चों को 5 किलोमीटर घूमकर स्कूल जाना पड़ता था। वही स्थल ग्रामीणों को भी आवागमन करने में काफी सहूलियत मिल रही है।

8 से 9 गांवो के लोगो को होती थी भारी परेशानी- सरपंच

ग्राम पंचायत अतरी सरपंच जयचंद बिसेन ने बताया कि यह पुल टूटने से लगभग 8 से 9 गांव के लोगो को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था एवं सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल कालेज जाने वाले छात्र छात्राओं को होती थी, इस कारण ग्रामीणों के मदद और श्रमदान मेहनत मजदूरी कर क्षतिग्रस्त पुलिया को आने जाने लायक बना दिया गया है।

उपकेंन्द्र लखनवाड़ा में लगा नया ट्रांसफार्मर

पद्मेश न्यूज। कटंगी। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड कटंगी के उपकेंद्र लखनवाड़ा में ट्रांसफार्मर की क्षमता में विस्तार करते हुए नया ट्रांसफार्मर लगाया गया है। जिसका बेहतर लाभ उपकेन्द्र के अधीन आने वाले करीब 15 से अधिक गांवों के किसानों और बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगा। ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ने से सिरपुर, सेलवा, सावंगी, जाम, अगासी, आगरी, लखनवाड़ा, अतरी,

कलगांव, बहाकल, नंदलेसरा, बढ़गांव, खजरी, चिकमारा, बोपली, उमरी, कोसमी, वरुड जैसे गांव के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इन गांवों में जो लो-वोल्टेज की समस्या से बनी रहती थी. नया ट्रांसफार्मर लगने से उससे निजात मिलेगा। रविवार को उपकेंद्र लखनवाड़ा में पहुंचे किसानों और उपभोक्ताओं ने इस बात का दावा किया है। उन्होंने नए ट्रांसफार्मर लगने पर हर्ष व्यक्त किया। असल में गत वर्ष रबी के सीजन में अचानक से बिजली की डिमांड बढ़ गई और बिजली विभाग किसानों को पर्याप्त मात्रा में बिजली नहीं मुहैया नहीं करवा पाया जिस कारण रबी के सीजन में सिंचाई कार्य प्रभावित हुआ था जिसका असर फसल उत्पादन पर पड़ा था। किसानों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए बिजली विभाग ने उपकेंद्र में नया ट्रांसफार्मर लगाने की योजना बनाई और अब इसे मूर्त रुप भी दे दिया है। पहले लखनवाड़ा में 3.15 मेगावॉट का ट्रांसफार्मर लगा हुआ था अब इसके स्थान पर 5 मेगावाट का ट्रांसफार्मर लगा दिया गया है।

ग्रामीणों की माने तो पूर्व में लो-वोल्टेज की समस्या के कारण घरों में बिजली से जुड़े उपकरण खराब हो रहे थे। गर्मी के दिनों में पंखे इतने धीरे चलते थे कि हवा तक नहीं आती थी कूलर तो बंद ही रखने पड़ते थे। बिजली से जुड़े उपकरण तेजी से गर्म होकर खराब हो जाते थे। इन घरेलू समस्याओं के अलावा किसानों के साथ बहुत परेशानी होती थी। खेतों में सिंचाई का काम ना सिर्फ प्रभावित होता था बल्कि मोटर पंप भी खराब होते थे जिससे किसानों को दोहरी क्षति होती थी। खैर, अब नया ट्रांसफार्मर लगने से इन समस्याओं से निजात मिलने की उम्मीद जागी है।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत ''मैराथन'' एवं ''प्रदर्शनी'' का आयोजन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 09 नवम्बर 2025 विधिक सेवा दिवस के अवसर पर दिनांक 09 से 14 नवंबर 2025 तक ''न्यायोत्सव'' विधिक सेवा सप्ताह मनाया जाना है। जिसका आगाज आज दिनांक 09 नवम्बर 2025 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की गरिमामयी उपस्थिति में ''मैराथन'' को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

उक्त ''मैराथन'' रानी दुर्गावती चौक पुलिस लाईन से प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट रोड से अम्बेडकर चौक, काली पुतली चौक होते हुए जिला न्यायालय परिसर बालाघाट में समाप्त हुई। ''मैराथन'' विधिक सेवा प्राधिकरण के ध्येय वाक्य ''न्याय सबके लिए'' के उद्देश्य को सार्थक करते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक न्याय की पहुंच को सुनिश्चित करना है।

इस मैराथन में प्रधान न्यायाधीश कुटूम्ब न्यायालय बालाघाट श्री पदमेश शाह, विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी रघुबीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला न्यायाधीश डी.एन.सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती तारा मार्को, अविनाश छारी, श्रीमती शिखा शर्मा, श्रीमती शीनी जैन, श्री शुभम जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष आनन्द बिसेन व अन्य अधिवक्तागण, जिला खेल संघ के पदाधिकारीगण एवं छात्र-छात्राएं, न्यायिक कर्मचारीगण, पैरालीगल वालेन्टियर्स तथा आमजन द्वारा उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया।

तत्पश्चात जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट में विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं गतिविधियों से आमजन को अवगत कराने प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा फीता काटकर किया। प्रदर्शनी कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं एवं गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा ''पाक्सो एक्ट'' विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बालकों के विरूद्ध होने वाले अपराधों एवं उनसे बचाव के उपाय बताये गये। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेष कुमार प्राण द्वारा सभी को विधिक सेवा दिवस की शुभकामनाएं दी।

फरवरी 2026 बसंत पंचमी परं आयोजित होगा सामूहिक विवाह

समस्त राजस्थानी ब्राह्मण समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन 21 दिसंबर को, गोंदिया के रानी सती मंदिर प्रांगण में आयोजित होगा कार्यक्रमख बालाघाट में बैठक का आयोजन का कार्यक्रम की बनाई गई रूपरेखा

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। सर्व राजस्थानी समाज बालाघाट एवं परशुराम सेवा समिति गोंदिया के संयुक्त तत्वाधान में समस्त राजस्थानी ब्राह्मण समाज के सभी वर्गों के युवक युवती के लिए, आगामी माह भव्य परिचय सम्मेलन का आयोजन गोंदिया स्थित रानी सती मंदिर प्रांगण में किया गया है। 21 दिसंबर को आयोजित इस युवक युवती परिचय सम्मेलन में न केवल बालाघाट व गोंदिया जिला अपितु संपूर्ण मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के युवक युवती सामूहिक रूप से परिचय सम्मेलन में भाग लेकर अपना जीवन साथी चुनेंगे। जहां परिचय सम्मेलन के उपरांत आगामी वर्ष 2026 फरवरी माह में आने वाली बसंत पंचमी पर सामूहिक विवाह का आयोजन भी किया जाएगा। जिसकी तमाम जानकारी देने के लिए रविवार की दोपहर नगर के गुजारी बाजार परिसर स्थित सर्व राजिस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती ज्योति जुगल शर्मा के नेतृत्व में उनके निजी निवास पर समाज संगठन की एक सामाजिक बैठक का आयोजन किया गया। जहां सर्व राजस्थानी ब्राह्मण समाज के साथ-साथ उनकी कार्यकारिणी प्रमुख रूप से उपस्थित रही।परशुराम सेवा समिति गोंदिया अध्यक्ष आनंद पुरोहित, राजस्थानी ब्राह्मण समाज अध्यक्ष राजकुमार तिवारी व प्रमुख पदाधिकारी विक्रम शर्मा की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में राजस्थानी ब्राह्मण समाज के सभी वर्गों के युवक युवतियों के लिए भव्य रूप से परिचय सम्मेलन आयोजन के बाद फरवरी माह में आने वाली बसंत पंचमी पर सामूहिक विवाह का आयोजन किए जाने की रूपरेखा बनाई गई।आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए पदाधिकारियो ने सभी को मिलजुल कर साथ रहने, एक दूसरे की मदद कर, समाज संगठन को आगे बढ़ाने और समाज के आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमो में बढ-चढकर हिस्सा लेकर समाज का उत्थान किए जाने की बात कही गई।

सामाजिक लोगो को प्रदान किया जाएगा नया प्लेटफार्म

आयोजित बैठक की शुरुवात भगवान परशुराम के छायाचित्र समीप दीप प्रज्वलित कर की गई ,जहां उपस्थित पदाधिकारियो ने बारी -बारी से भगवान परशुराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर अपना स्थान ग्रहण किया। इसके उपरांत सर्व राजस्थानी समाज प्रमुख पदाधिकारी जुगल शर्मा द्वारा मंच संचालक की भूमिका निभाते हुए, संबंधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत कर सामाजिक एकता का संदेश दिया।जिसके उपरांत मंचासीन पदाधिकारियो ने बारी- बारी से सामूहिक युवक युवती परिचय सम्मेलन ,सामूहिक विवाह ,समाज संगठन में के समक्ष आने वाली विभिन्न समस्याओं का बखान करते हुए समाज संगठन को मजबूत बनाने ,सभी को साथ लेकर चलने और सशक्त समाज का निर्माण किए जाने पर जोर दिया। इस दौरान गोंदिया से पधारे पदाधिकारी विजय शर्मा, संजय शर्मा, आकाश पुरोहित, दिलीप व्यास व संतोष शर्मा ने भी सामाजिक बन्धुओ का मार्गदर्शन कर 21 दिसंबर को गोंदिया में भव्य रूप से आयोजित होने वाले इस नव युवक- युवती परिचय सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की।

विभिन्न राज्यो के सामाजिक बन्धु कार्यक्रम में होंगे शामिल-आनंद पुरोहित

आयोजित बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान परशुराम सेवा समिति गोंदिया अध्यक्ष आनंद पुरोहित ने बताया कि समाज मे नवयुवक युवतियों के विवाह को लेकर लगातार बढ़ती जा रही परेशानियों को देखते हुए गोंदिया में 21 दिसंबर को समस्त राजस्थानी ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन होने जा रहा है।यह आयोजन समाज के अंतर्गत आने वाले सभी वर्गों के लिए रानी सती मंदिर प्रांगण किया जाएगा।इस युवक युवती परिचय सम्मेलन के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को नया प्लेटफार्म दिया जा रहा है ,पहले समाज के विभिन्न वर्ग व संगठन अलग-अलग कार्यक्रमों के आयोजन करते थे, जिन्हें एक मंच प्रदान करते हुए इस आयोजन को भव्य बनाया गया है।इस सम्मेलन मध्य प्रदेश, संपूर्ण महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों से भी सामाजिक बंधु आएंगे, उनके बायोडाटा हमें लगातार प्राप्त हो रहे हैं।इसके बाद आगामी वर्ष फरवरी माह में बसंत पंचमी के अवसर पर सामूहिक विवाह का भी आयोजन किया जाएगा। इस दौरान बालाघाट से जुगल शर्मा ,अनिल शर्मा, मनोज शर्मा, केके शर्मा, परमानंद शर्मा, विजय पुरोहित,अनिल कुमार पंचारिया , तुमसर से विक्रम शर्मा, महेश तिवारी, विट्ठल पंचोली, भरत पुरोहित, किशोर शर्मा, वारासिवनी से पं. जुगल शर्मा, प्रोफेसर डॉ. एचपी शर्मा, सुशील पालीवाल, उमेश शर्मा, सुरेश शर्मा, विजय पुरोहित, हीरालाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, हेमराज शर्मा, घीसालाल शर्मा, महेश शर्मा ,कैलाश शर्मा और किरनापुर से गोपाल शर्मा सहित जिले व पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से समाज संगठन के अन्य पदाधिकारी, मातृशक्ति व अन्य सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आस्था, परंपरा और एकता का प्रतीक रेंगाटोला का आदर्श मेला आज

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। मुख्यालय से लगा ग्राम पंचायत रेंगाटोला एवं आदर्श मेला आयोजक समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्ष परंपरागत रूप से आयोजित होने वाला ऐतिहासिक आदर्श मेला इस वर्ष अपने गौरवशाली 107वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। ग्राम की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक पहचान बन चुका यह मेला इस वर्ष भी पूरे उत्साह, उल्लास और श्रद्धा के साथ 10 नवम्बर, सोमवार को आयोजित किया जाएगा। आदर्श मेला उत्सव समिति, ग्राम रेंगाटोला द्वारा आयोजित इस भव्य आयोजन की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। ग्रामवासी इस पारंपरिक आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरे जोश और निष्ठा के साथ जुटे हुए हैं। समिति ने बताया कि मेले में इस वर्ष भी विविध सांस्कृतिक एवं पारंपरिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें ग्रामीण संस्कृति और लोकपरंपरा की झलक दिखाई देगी। मेले का मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध दो डंडारो का शानदार मुकाबला रहेगा, जिसका इंतजार ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेसब्री से है। इसके अतिरिक्त मेले में लोकनृत्य, खेलकूद प्रतियोगिताएं, पारंपरिक झूले एवं व्यापारिक स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जिनसे ग्रामीणों को मनोरंजन के साथ स्थानीय परंपराओं का अनुभव मिलेगा। मेला समिति ने बताया कि आदर्श मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि यह ग्राम की एकता, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। आयोजन स्थल पर सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर विशेष प्रबंध किए गए हैं। यह भव्य आयोजन बैल बाजार चौक, ग्राम रेंगाटोला, में किया जाएगा। समिति ने ग्रामवासियों सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। मेले के सफल संचालन हेतु समिति के अध्यक्ष मेघराज पारधी, सचिव सुभाष भरणे एवं बंटी भोयर, उपाध्यक्ष योगेश टेम्भरे, सह सचिव स्वामीनाथ मसराम, महेन्द्र बिसेन, धनपाल बिसेन, गिरधारी मसराम, कोषाध्यक्ष रुपलाल ओघरे एवं अरुणगिरी गोस्वामी, तथा संयोजक निलेश्वर बिसेन (स्थाई पटेल), शंकरलाल बिसेन, सोहन बिसेन, रुपलाल बिसेन एवं पारस बिसेन के नेतृत्व में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

जैशवी नखाते

आपको जन्मदिवस पर शुभाशीर्वाद

-शुभचिंतक-
श्रीमती कांता-मोहनलाल नखाते दादी-दादा
श्रीमती डिलेश्वरी-कैलाश नखाते (सरपंच) मम्मी-पापा
श्रीमती योगेश्वरी-प्रकाश नखाते चाची-चाचा
कु. सेजल नखाते (दीदी), पूर्वी, कुशांक
एवं समस्त नखाते परिवार खारी (लालबर्रा)।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

शहर की सड़कों पर अतिक्रमण का बढ़ता संजाल

नगर पालिका की अनदेखी से बढ़े अतिक्रमणकारियों के हौसले, नगरवासियों को हो रही परेशानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। गोंदिया रोड, कालीपुतली चौक से राजघाट चौक, चक्र चौराहा, महावीर चौक से लेकर हनुमान चौक तक सड़क किनारे दुकानदारों और ठेलेवालों ने धीरे-धीरे सड़कों पर कब्जा जमा लिया है। इससे यातायात व्यवस्था चरमराने लगी है और राहगीरों को रोजाना जाम और अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। गोंदिया रोड की स्थिति तो सबसे अधिक गंभीर बताई जाती है। यहां दोनों ओर दुकानदारों ने अपनी सीमाएं बढ़ाकर सड़क तक का हिस्सा घेर लिया है। इसके चलते मुख्य मार्गों पर वाहनों की आवाजाही में लगातार बाधा उत्पन्न हो रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका और संबंधित विभागों को इस ओर कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई। नगरपालिका की लापरवाही और अनदेखी के कारण अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं, जो खुलेआम सड़कों पर कब्जा जमाए बैठे हैं। जनता ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही सड़कों से अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्यवाही की जाए, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके और नागरिकों को राहत मिल सके।

नगर पालिका क्षेत्र के प्रमुख मार्गों की यदि बात की जाए तो यहां अतिक्रमण की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। स्थिति यह है कि नगर पालिका प्रशासन स्वयं इस गंभीर मुद्दे पर कोई ठोस कदम उठाने की दिशा में सक्रिय दिखाई नहीं दे रहा। विडंबना तो यह है कि नगर पालिका कार्यालय के सामने तक अतिक्रमणकारियों ने अपने कब्जे जमा रखे हैं। कुछ ने तो सीधे नगर पालिका के गेट के सामने ही अतिक्रमण कर लिया है। नगर पालिका में अतिक्रमण की निगरानी और कार्रवाई के लिए अलग से एक विभाग भी बनाया गया है, किंतु यह विभाग कई महीनों से पूरी तरह निष्क्रिय बना हुआ है। नगर के प्रमुख चौक-चौराहों जैसे रानी अवंती बाई चौक, बैहर रोड, कालीपुतली चौक, चक्र चौराहा, संविधान चौक, हनुमान चौक, गोंदिया रोड, अंबेडकर चौक और जयस्तंभ चौक पर अस्थायी दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों ने सड़कों तक अपने ठेले, स्टॉल और बैनर-पोस्टर फैला दिए हैं। इन सब स्थितियों पर नगर पालिका अधिकारियों और कर्मचारियों को नियमित मॉनिटरिंग करनी चाहिए, किंतु वे शायद ही कभी इन स्थानों पर दिखाई देते हैं। केवल तब कार्रवाई होती है जब वरिष्ठ अधिकारियों की फटकार लगती है, लेकिन कुछ दिनों बाद पुनः वही ढर्रा शुरू हो जाता है और अतिक्रमण फिर से बढ़ने लगता है। गुजरी बाजार पहुंच मार्ग की स्थिति तो सबसे ज्यादा चिंताजनक है। यहां अतिक्रमण इस कदर बढ़ गया है कि किसी आकस्मिक घटना के दौरान फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाएं भी यहां से निकल नहीं पाएंगी। नगर पालिका द्वारा कई बार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई और नोटिस भी जारी किए गए, परंतु आज भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। नगरवासियों का कहना है कि यदि नगर पालिका ने समय पर सख्त कदम नहीं उठाए, तो अतिक्रमण की यह समस्या आने वाले दिनों में और भी विकराल रूप ले सकती है।

गोंदिया रोड की स्थिति सबसे गंभीर

गोंदिया रोड की हालत तो सबसे अधिक चिंताजनक बताई जा रही है। यहां दोनों ओर दुकानदारों ने अपनी सीमाएं बढ़ाकर सड़क का कुछ हिस्सा घेर लिया है। कुछ जगहों पर दुकानों के आगे ठेले, गुमटी और सामान का अंबार लगा हुआ है। सड़क का कुछ हिस्सा कब्जे में चले जाने से वाहनों की आवाजाही में लगातार बाधा उत्पन्न हो रही है। सुबह और शाम के समय यहाँ की स्थिति बहुत ही खराब रहती है। गोंदिया रोड जैसे व्यस्त मार्गों पर तो कई बार बड़ी दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिनमें आम नागरिकों की जान तक जा चुकी है। बावजूद इसके नगर पालिका प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

राहगीरों को हो रही भारी परेशानी

अतिक्रमण के कारण सबसे ज्यादा परेशानी आम नागरिकों को उठानी पड़ रही है। सड़कें संकरी हो गई हैं, जिससे दो वाहन एक साथ निकलना मुश्किल हो गया है। महिलाओं, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को पैदल चलने तक में कठिनाई हो रही है। कई बार ट्रैफिक जाम के कारण एम्बुलेंस और जरूरी सेवाएं भी फंस जाती हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी।

नगर पालिका नही दे रही ध्यान

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका और संबंधित विभागों को इस ओर कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई। नगर पालिका द्वारा कभी-कभी अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की औपचारिकता पूरी की जाती है, लेकिन कुछ ही दिनों में कब्जाधारी फिर से अपनी जगह जमा लेते हैं। अधिकारियों की लापरवाही और अनदेखी के कारण अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं, जो खुलेआम सड़कों पर कब्जा जमाए बैठे हैं।

ट्रैफिक व्यवस्था पर भी पड़ रहा असर

शहर की प्रमुख सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण का असर सीधे ट्रैफिक व्यवस्था पर देखने को मिल रहा है। मुख्य चौराहों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। कई बार पुलिस कर्मियों को भी जाम खोलने में घंटों लग जाते हैं। ट्रैफिक पुलिस की उपस्थिति न के बराबर होने से स्थिति और बिगड़ जाती है। नागरिकों का कहना है कि पुलिस और नगर पालिका अगर संयुक्त रूप से कार्रवाई करें, तो अतिक्रमण की समस्या पर अंकुश लगाया जा सकता है। नगर पालिका और पुलिस विभाग अगर मिलकर नियमित रूप से अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाएं, तो शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सकता है।

अतिक्रमण हटाने के बाद नहीं होती मॉनिटरिंग

नगर पालिका द्वारा पूर्व में भी शहर के विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी, किंतु कार्रवाई के बाद उचित मॉनिटरिंग और सतत निगरानी के अभाव में अतिक्रमण दोबारा पनपने लगा है। बीते दिनों नगर पालिका ने ट्रामा सेंटर के सामने से अतिक्रमण हटाया था, इसके बाद अंबेडकर चौक क्षेत्र में भी कार्रवाई की गई थी। नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाने के बाद संबंधित अतिक्रमणकारियों को न तो समझाइश दी गई और न ही नियमित निगरानी की व्यवस्था की गई। नतीजा यह रहा कि कुछ ही दिनों में इन स्थानों पर अतिक्रमणकारियों ने फिर से सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा जमा लिया है।

कोतवाली थाने में पुलिस कर्मियों ने किया श्रमदान

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कोतवाली थाने में रविवार को एक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान थाने के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने एकजुट होकर श्रमदान किया और थाने परिसर की साफ-सफाई की। पुलिस कर्मियों ने झाड़ू लगाकर थाने के आंगन, कार्यालय कक्ष, परिसर और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाया। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि कोतवाली थाने में नियमित रूप से स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यहां के अधिकारी और कर्मचारी न केवल अपने दैनिक कार्यों में अनुशासन और तत्परता दिखाते हैं, बल्कि स्वच्छता को भी अपनी जिम्मेदारी मानते हैं। थाने में प्रत्येक माह और वर्ष में एक बार सभी अधिकारी एवं कर्मचारी स्वयं श्रमदान करते हुए थाने की साफ-सफाई करते हैं, ताकि कार्यस्थल का वातावरण स्वच्छ और प्रेरणादायक बना रहे। इसी क्रम में 9 अक्टूबर को भी थाने में सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण से न केवल कार्यक्षमता बढ़ती है, बल्कि इससे आने वाले नागरिकों और आमजन के बीच भी एक सकारात्मक संदेश जाता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान का उद्देश्य सिर्फ सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है, जिसमें हर व्यक्ति को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

बालाघाट की पहली रॉकबॉल खिलाड़ी बनी रूबी

लुधियाना में खेलेगी महिला रॉक बॉल का सीनियर मैच, एमएलबी से पढ़ाई करने वाली रूबी शिक्षा विभाग के गर्रा हाईस्कूल में है पीटीआई शिक्षिका

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, शायद यही वजह है कि समय-समय पर जिले के युवा अपनी प्रतिभाओं का परिचय करते रहते हैं ।जो अपने उत्कृष्ट खेल, व अपने भीतर छुपी प्रतिभाओं से न केवल अपने माता-पिता व समाज का नाम रोशन करते हैं, बल्कि संभाग, प्रदेश यहां तक की पूरे देश में बालाघाट जिले का नाम गौरवान्वित करते रहते हैं ।इसमें अब एक नया नाम रूबी अली का भी जुड़ गया है ।जहां बालाघाट निवासी रूबी अली का चयन पंजाब के लुधियाना में आयोजित महिला रॉकबाल सीनियर मैच के लिए किया गया है ।बताया गया कि रूबी अली वर्तमान में गर्रा हाईस्कूल में पीटीआई है, जो वर्तमान में प्रदेश की पहली महिला रॉकबॉल टीम के साथ लुधियाना पहुंची है ।जो 10 नवंबर को खेलो के नियमों को जानेगी, वहीं 11 नवंबर से सीनियर रॉकबॉल नेशनल टूर्नामेंट में प्रदेश की टीम से खेलेगी ।जानकारी के अनुसार प्रेक्टिस सेशन के बाद, देश के अन्य राज्यों से पहुंची टीमों के साथ, उनकी टीम का मैच होगा ।बालाघाट के खिलाड़ियो ने रूबी अली के रॉकबॉल की पहली प्रदेश महिला टीम, में शामिल होने और जिले का मान बढ़ाने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने रूबी अली को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

खेल के जरिए रूबी को मिली नई पहचान

खिलाड़ियो की धरती बालाघाट से बेटी रूबी ने जिले की पहली रॉकबॉल खिलाड़ी होने का गौरव हासिल कर किया है। वह लुधियाना में आयोजित प्रदेश की पहली महिला रॉकबॉल टीम में रूबी जिले से सीनियर रॉकबॉल खिलाड़ी शामिल होगी ।खेलो में वर्ल्डकप के बाद बेटियो ने खेल में जिस तरह से अपना नाम आगे बढ़ाया है, उसमें रूबी भी शामिल हो गई है।

माता पिता सहित अन्य ने किया भरपूर सहयोग- रूबी

खिलाड़ी रूबी अली बताती है कि पिता मुबारक अली और मां असगरी अली के साथ परिवार में बड़ी बहन है, परिवार में मुझे खेलने के लिए आगे बढ़ाया और स्कूल से लेकर सीनियर व्हालीवॉल तक 11 नेशनल गेम्स खेले है। 2022 में उड़ीसा पुरी में नेशनल गेम्स में खेल के आधार पर चयन किया गया था। जिसमें ट्रायल के बाद सिलेक्शन नेशनल टीम में किया गया। यह उनका पहला सीनियर है और मुझे खुशी है कि मैं बालाघाट की पहली महिला हुँ, जो इस खेल तक नेशनल मुकाम तक पहुंची है। कल सेमीनार के बाद फिक्सर साफ हो जाएगा ।उन्होंने बताया कि इस टीम में, इस जैसे ही खेल के खिलाड़ियों को प्रदेश से चयनित किया गया है। जिसमें सिवनी, जबलपुर, सागर और बालाघाट से खिलाड़ियों का चयन किया गया है। वह बताती है कि व्हालीवॉल में 6 खिलाड़ी होते है, जबकि रॉकबाल में पांच खिलाड़ी खेलते है, इसमें मैदान के पीछे एक बेरिकेट होता है, जिससे खिलाड़ियो को सर्विस करनी होती है। उन्होंने बताया कि पहली बार प्रदेश में रॉकबॉल की टीम बनी है। यह मेरा रॉकबाल का पहला सीनियर है। जिसका आयोजन लुधियाना में रॉकबॉल एमेच्योर फेडरेशन ऑफ इंडिया ने किया है।

डाक सेवक संघ का 13वां द्विवार्षिक अधिवेशन का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। ग्रामीण डाक सेवकों की समस्याओं और उनके अधिकारों की मांग को लेकर अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ, मध्यप्रदेश परिमंडल भोपाल एवं बालाघाट संभाग का 13वां द्विवार्षिक अधिवेशन 8 नवम्बर को स्थानीय कमला नेहरू महिला मंडल सभागार में गरिमामय ढंग से आयोजित कर 9 नवम्बर को समापन किया गया। अधिवेशन में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में ग्रामीण डाक सेवक उपस्थित हुए और संगठन की मजबूती के साथ-साथ अपनी समस्याओं, सुविधाओं और भविष्य की दिशा पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महासचिव एस.एस. महादैवेया शामिल हुए। मंच पर उनके साथ सर्कल सेक्रेटरी म.प्र. परिमंडल गुना रामसिंह धाकड़, सर्कल अध्यक्ष खंडवा धनसिंह तोमर, पूर्व जीडीएस सेक्रेटरी रीवा महेन्द्र प्रताप सिंह, कल्याण सिंह तोमर, पूर्व जीडीएस सेक्रेटरी जबलपुर आर.पी. गर्ग, मलखान सिंह गौतम, शहडोल-जबलपुर रिजन सेक्रेटरी दशरथ गौतम, पूर्व क्लास-3 संभागीय सचिव एम.आर. पटले, बालाघाट संभागीय सचिव रोहित पटले, तथा कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में संगठन के अध्यक्ष चंद्रभान पटेल उपस्थित रहे। अधिवेशन के दौरान ग्रामीण डाक सेवकों को पेंशन सुविधा प्रदान करने, कार्य अवधि 8 घंटे निर्धारित करने, चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, एवं अन्य लंबित मांगों पर गहन चर्चा की गई। इसी अवसर पर संगठन की नई डिवीजन कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। राष्ट्रीय महासचिव एस.एस. महादैवेया ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार उन सांसदों और विधायकों को पेंशन देती है, जो मात्र पांच वर्ष के लिए चुने जाते हैं, जबकि ग्रामीण डाक सेवक 25 से 30 वर्ष तक अपनी सेवाएं समर्पित करते हुए भी पेंशन से वंचित हैं। यह एक गंभीर अन्याय है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण डाक सेवक संघ वर्षों से अपनी न्यायसंगत मांगों को लेकर संघर्ष कर रहा है, परंतु सरकार द्वारा आज तक इन पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक सरकार ग्रामीण डाक सेवकों के हक और अधिकारों को नहीं देती, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम के अंत में संगठन के पदाधिकारियों ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि आने वाले समय में जीडीएस कर्मचारियों के अधिकारों की लड़ाई को और अधिक सशक्त रूप से लड़ा जाएगा, ताकि हर डाक सेवक को उसका उचित सम्मान और हक मिल सके।

क्षत्रिय मराठा कलार समाज ने हर्षोल्लास से मनाई भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। क्षत्रिय मराठा कलार समाज, जिला बालाघाट द्वारा भगवान श्री कार्तवीर्य राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जयंती एवं दीपावली मिलन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाज के जिलाध्यक्ष संजीव धुवारे के नेतृत्व में बूढ़ी बालाघाट स्थित समाज कार्यालय में किया गया। समारोह की शुरुआत समाजजनों द्वारा पूजन, अर्चन, हवन एवं आरती के साथ हुई। इसके पश्चात प्रसाद वितरण एवं स्वल्पाहार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीपावली मिलन का माहौल उल्लासपूर्ण रहा और समाजजनों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान समाज को एक नई सौगात भी मिली। जिलाध्यक्ष श्री धुवारे ने समाज के सहयोग से चिकित्सा उपकरण जैसे पलंग, व्हीलचेयर, कबोर्ड, वॉकर एवं बैसाखी समाज को भेंट किए। इन उपकरणों को समाज जरूरतमंदों को न्यूनतम दर पर उपलब्ध कराएगा। इन उपकरणों की व्यवस्था में मुकेश डहाके, श्रीमती ममता (नीलू) पिपलेवार, भैयालाल चौरावार और युवराज धुवारे ने विशेष सहयोग प्रदान किया। समाजजनों ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए सभी सहयोगियों का स्वागत और सम्मान किया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में अनिल धुवारे (संरक्षक), पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष , चंद्रकांत पिपलेवार, संरक्षक , लखनलाल पालेवार, हुकुमचंद धुवारे, , छगनलाल बिजेवार, अशोक डहाके, एवं महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती दीपमाला (मीना) धुवारे सहित समाज के वरिष्ठजन, समिति सदस्य, महिला समिति और बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं प्रेरणादायक रहा। समापन पर सभी उपस्थित जनों ने भगवान सहस्त्रबाहु जी की जयघोष के साथ समाज की एकता, सेवा और निरंतर सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बालाघाट-सिवनी नेशनल हाईवे की मरम्मत में केवल खानापूर्ति, जानलेवा गड्ढे बने !!

राहगीर एवं ग्रामीणों ने गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से होकर गुजरी बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग का खस्ताहाल होने के कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और आये दिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही थी एवं बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। उक्त समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में विगत दिवस हाईवे मार्ग में बने अनगिनत जानलेवा गड्ढे, दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण नामक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद सड़क विभाग के अधिकारी हरकत में आये और बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य प्रारंभ किया गया है। लेकिन सड़क के मरम्मत कार्य में अनियमितता बरतते हुए गुणवत्ताहीन कार्य करने के साथ ही कई जानलेवा गड्ढों कर मरम्मत कार्य नही किया गया है, अधुरा छोड़ दिया गया है। इस तरह से सड़क विभाग के द्वारा सड़क का मरम्मत के नाम पर थूक पालिस करते हुए खानापूर्ति की जा रही है। जबकि बालाघाट से सिवनी तक जाने वाला मुख्य हाईवे मार्ग जो जिले के लिए न केवल व्यापार बल्कि दैनिक यातायात की रीढ़ की हड्डी माना जाता है। आज भी बदहाल स्थिति में है। विभाग द्वारा हाल ही में सड़क मरम्मत का दावा तो जरूर किया गया था, लेकिन मौके स्थल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। कहने को तो सड़क की मरम्मत हो चुकी है परंतु सड़क पर बने गहरे (जानलेवा) गड्ढे अब भी राहगीरों को झकझोरने के साथ दुर्घटनाओं को खुला न्योता दे रहे हैं। विभाग के द्वारा मरम्मत के नाम पर हाईवे मार्ग में कुछ ही स्थानों पर मरम्मत किया गया है उसके बाद अधुरा छोड़ दिया है। जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

मरम्मत के नाम पर दिखावा, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दें कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग एक व्यस्तम मार्ग है और इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों ओवरलोड वाहन, बस, चौपहिया, दुपहिया एवं साईकिल से लोग आना-जाना करते है परन्तु हाईवे मार्ग का खस्ताहाल होने के कारण आवागमन करने वाले राहगीर व ग्रामीणों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार भी प्रकाशित किया गया था जिसके बाद सड़क का मरम्मत कार्य प्रारंभ किया गया है परन्तु इस मरम्मत कार्य से मार्ग से आवागमन करने वाले लोग संतुष्ट नही है। वहीं सड़क विभाग पर मरम्मत कार्य में लापरवाही एवं अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि गुणवत्ताहीन सड़क एवं गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाया गया है जो सिर्फ दिखावा नजर आ रहा है। कई स्थानों पर तो हालात ऐसे हैं कि दो पहिया वाहनों का निकलना भी मुश्किल होता है। लालबर्रा से कंजई और गर्रा के बीच में जगह-जगह सड़क के बीच में जानलेवा गड्ढे वर्तमान समय में भी बने उन्हे नजर आ रहे है। वहीं सड़क की चौड़ाई भी इतनी कम है कि जब भारी वाहन आमने-सामने आते हैं तो चालकों को किनारे उतरना पड़ता है। इस दौरान वाहन अनियंत्रित होने से दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। साथ ही यह भी कहा कि यह हाईवे मार्ग है और यह मार्ग बालाघाट से सिवनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, नागपुर, भोपाल, गोंदिया सहित अन्य बड़े शहरों की ओर जाती है। साथ ही इस मार्ग से ओवरलोड़ वाहन, बस, दुपहिया वाहन गुजरने के साथ ही लोग बस, चौपहिया वाहन, कार से आवागमन करते है और बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग के निर्माण के लिए राशि स्वीकृत हो चुकी है तो नवीन सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ करवाना चाहिए प्रशासन को ताकि सड़क की समस्या से हो रही परेशानियों से सभी को निजात मिल सके।

2 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति, फिर भी निर्माण कार्य नही हुआ प्रारंभ

राज्य शासन ने बालाघाट से सिवनी फोरलेन सड़क के निर्माण के लिए 2 हजार करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की है। यह राशि पिछले वित्तीय वर्ष में स्वीकृत की गई है और इस परियोजना के तहत 85 किमी लंबी सड़क का निर्माण किया जाना है। लेकिन अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। ऐसे में जनता यह समझ नहीं पा रही कि आखिर इतनी राशि स्वीकृत होने के बावजूद कार्य में देरी क्यों हो रही है और सड़क की दुर्दशा हर दिन खस्ताहाल होते जा रही है। जबकि यह सड़क बालाघाट जिले के कई ग्रामीण इलाकों को सिवनी, जबलपुर और नागपुर जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ती है। वहीं सड़क खराब होने से ट्रांसपोर्ट खर्च भी बढ़ गया है, जिससे किसानों और व्यापारियों दोनों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही सड़क के खस्ताहाल से आमजनों में आक्रोश व्याप्त है और सोशल मीडिया पर लोग इसकी फोटो और वीडियों पोस्ट कर विभाग एवं शासन से सड़क की दुर्दशा के बारे में सवाल पूछ रहे हैं। क्षेत्रीयजनों ने शासन-प्रशासन से बालाघाट से सिवनी फोरलेन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत हो चुकी है तो जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने की मांग की है।

गड्ढे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण - संतोष

राहगीर संतोष बघेल ने बताया कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग में अनगिनत गड्ढे बन गये है और कहा जा रहा है कि सड़क का मरम्मत कार्य किया गया है, मुझे नही लग रहा है कि काम हुआ है क्योंकि जमीन स्तर पर काम की गुणवत्ता शून्य है, कुछ ही स्थानों पर मरम्मत कार्य किया है लेकिन अधिकांश स्थानों पर गड्ढे एवं सड़क कर मरम्मत कार्य नही किया गया है। जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और मरम्मत के नाम पर सिर्फ थूक पॉलिस कर सड़क विभाग ने खानापूर्ति की है। श्री बघेल ने बताया कि यह हाईवे मार्ग एक व्यस्तम मार्ग है और इस मार्ग के फोरलेन निर्माण के लिए शासन से राशि भी स्वीकृत हो चुकी है लेकिन अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नही हुआ है और मरम्मत कार्य भी सही तरीके से नही किया गया है। जिसके कारण सभी को परेशानी हो रही है, प्रशासन से मांग है कि नवीन सड़क का जल्द निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

अखिल विश्व गायत्री परिवार का गोष्ठी कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ में शनिवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार की गोष्ठी कार्यक्रम संपन्न हुई। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ गायत्री माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित गोष्ठी कार्यक्रम में गायत्री परिवार, विचार क्रांति अभियान के सूत्र संस्थापक वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी द्वारा प्रज्वलित अखण्ड दीप 'योति के 2026 में 100 वर्ष होने जा रहा है। जिसके शताब्दी वर्ष के अवसर पर दिव्य 'योति कलश यात्रा लालबर्रा विकासखण्ड में पहुंचने वाली है। जिसकी तैयारी सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। चर्चा में अखिल विश्व गायत्री परिवार के पदाधिकारी विरेन्द्र बिसेन ने बताया कि आयोजित बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई और वर्ष 1926 में गायत्री परिवार, विचार क्रांति अभियान के सूत्र संस्थापक वेद मूर्ति तपोनिष्ट पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी द्वारा प्रज्वलित अखण्ड दीप ज्योति के 2026 में 100 वर्ष होने जा रहा है। जिसके शताब्दी वर्ष पर जनमानस के दर्शनार्थ दिव्य 'योति कलश यात्रा 11 दिसंबर से 13 दिसंबर 2025 तक लालबर्रा तहसील में भ्रमण करेगी। जिसमें गायत्री परिवार के उद्देश्य एवं युग परिवर्तन में गायत्री परिवार की महती भूमिका से जन मानस को अवगत करवाया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि गायत्री परिवार के द्वारा 21 नवंबर को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया है। जिसके सफल क्रियान्वयन भी विचार-विमर्श किया गया है। वहीं गोष्ठी (बैठक) संपन्न होने के बाद गायत्री परिवार के जिला संरक्षक सदस्य, गायत्री परिवार ट्रस्ट कंजई के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी ढालसिंह बिसेन का 69 वां जन्मदिन भी मनाया गया। इस अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के पदाधिकारी एवं सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय श्री सत्य सांई विश्व अखण्ड भजन कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित लॉन में श्री सत्य सांई सेवा संगठन लालबर्रा के तत्वाधान में 24 घंटे का जिला स्तरीय श्री सत्य सांई विश्व अखण्ड भजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह भजन कार्यक्रम शनिवार की शाम 6 बजे प्रारंभ हुआ जो दुसरे दिन रविवार की शाम 6 बजे आरती कर समापन किया गया। इस 24 घंटे के श्री सत्य सांई विश्व अखण्ड भजन में जिलेभर की श्री सत्य सांई सेवा संगठन के सदस्यगणों ने पहुंचकर सामूहिक संगीतमय श्री सत्य सांई भजन का गायन किये। इस तरह से श्री सत्य सांई संगठन के द्वारा लोगों की भलाई की भावना से विश्व अखण्ड भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिलेभर के श्री सत्य सांई सेवा संगठन के सदस्यों ने भाग लिया और सभी ने संगीतमय भजन का सामूहिक रूप से गायन किये और रविवार की शाम 6 बजे आरती कर 24 घंटे का श्री सत्य सांई विश्व अखण्ड भजन का समापन किया गया। वहीं संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि श्री सत्य सांई विश्व अखण्ड भजन कार्यक्रम का उद्देश्य लोक कल्याण व विश्व बंधुत्व की भावना को बढ़ाना है इसलिए सभी श्री सत्य सांई बाबा के बताये मार्ग पर चलकर लोगों की सेवा करें। श्री सत्य सांई सेवा संगठन जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि श्री सत्य सांई विश्व अखण्ड भजन भजन पिछले 50 वर्षों से अधिक समय से प्रतिवर्ष नवंबर माह में पूरे विश्व में एक साथ होता है और इस बार यह आयोजन इसलिए विशेष है क्योंकि यह भगवान श्री सत्य सांई बाबा जन्म शताब्दी वर्ष है, जिसे हम और भी विशाल रूप में मना रहे हैं। श्री तिवारी ने बताया कि 8 नवंबर की शाम 6 बजे से श्री सत्य सांई विश्व अखण्ड भजन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ है जो दुसरे दिन 9 नवंबर की शाम 6 बजे संपन्न हुआ है। इस अवसर पर जिलेभर के श्री सत्य सांई सेवा संगठन के सदस्यों ने शामिल होकर भजन का सामूहिक रूप से गायन किया है। यह केवल व्यक्तिगत प्रार्थना नहीं, बल्कि सामूहिक प्रार्थना है। जिसका असर विश्व पर पड़ता है। साथ ही भगवान बाबा के संदेश को दोहराते हुए बताया कि कलयुग एक नाम अधारा-यानि कलयुग में भगवान का नाम स्मरण ही सबसे बड़ी साधना है। जिससे हम भवसागर को आसानी से पार कर सकते हैं और यह कार्यक्रम पूरे विश्व में एक साथ 24 घंटे का श्री सत्य सांई विश्व अखण्ड भजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ है। इस अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

धारावासी में निकाली गई रैली, नशा के दुष्परिणामों के बारे में किया गया जागरूक

ग्राम को नशा मुक्त बनाने का लिया संकल्प, अवैध शराब विक्रय करने वालों पर कार्यवाही करने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी दूर ग्राम पंचायत धारावासी सहित उसके अंतर्गत आने वाले ग्रामों में कुछ लोग अवैध रूप से शराब का विक्रय करते है। जिसके कारण ग्रामीण व युवा वर्ग शराब पीने के आदि हो रहे है और ग्राम का माहौल खराब हो रहा है। जिससे परेशान ग्रामीणजनों ने ग्राम को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। रविवार को ग्राम की महिला एवं पुरूषों ने जागरूकता रैली निकालकर ग्राम के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए नशा के दुष्परिणामों से ग्रामीणों को जागरूक किया। साथ ही यह भी कहा कि अगर ग्राम में कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से शराब का विक्रय करता है एवं लोग शराब पीकर वाद-विवाद करते है उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी। चर्चा में सरपंच प्रतिनिधि मनीष बडघरे ने बताया कि ग्राम में कुछ लोग अवैध रूप से शराब का विक्रय करते है और दुसरे ग्राम के व कुछ ग्रामीणजन शराब पीकर लड़ाई झगड़े करते है। जिससे ग्राम का वातावरण खराब हो रहा है और जिसके परिवार के लोग शराब पी रहे है उनके द्वारा उन्हे शराब पीने के लिए मना किया जाता है तो उनके द्वारा परिवार के लोगों के साथ गाली-गलौच व मारपीट करते है।

जिससे परिवार की महिलाएं खासा परेशान है एवं बच्चों पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए ग्राम की सभी महिला एवं ग्रामीणों ने ग्राम को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिये है। श्री बडघरे ने बताया कि रविवार को ग्राम की महिला एवं पुरूषों के द्वारा जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणजनों को नशा के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया है और उनसे शराब एवं अन्य नशेली वस्तु का सेवन न करने की अपील की है। साथ ही अगर कोई भी अवैध रूप से शराब का विक्रय करते पाया जाता है उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी क्योंकि सभी ने ग्राम को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। श्री बडघरे ने बताया कि ग्राम में अवैध रूप से शराब का विक्रय होने से लोग शराब पीने के आदि होने लगे है जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति भी खराब हो रही है एवं नशा कर दुपहिया व अन्य वाहनों से आवागमन करते समय दुर्घटनाएं भी घटित होती है। इसलिए लोगों से अपील है कि शराब एवं नशेली वस्तुओं का सेवन न करें। इस अवसर पर ग्राम की महिला सहित ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बिरसोला में दिन-रात का मेला आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत बिरसोला में जय गोसाई देव बाबा मेला समिति के तत्वाधान में 10 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार

इस वर्ष भी बिरसोला में 10 नवंबर को दिन-रात के मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। जिसमें लालपुर (बरघाट) की दीपिका तुरकर एवं दीनी वारासिवनी की रूखमणी लिल्हारे अपने साथी कलाकारों के साथ शायरी की प्रस्तुती देगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील जय गोसाई देव बाबा मेला समिति बिरसोला के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

सिकंद्रा-कोस्ते नाला : गंभीर हादसों की पुलिया

पुलियां की रेलिंग गायब राहगीर परेशान दुर्घटना की लगी है संभावना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा एवं कोस्ते को जोड़ने वाले नाले पर बने पुलियां की रेलिंग पूरी तरह टूट चुकी है। वहीं पुलिया के पास में टर्निंग है जिससे बड़े हादसे घटित होने की संभावना बनी हुई है। जिस पर जिम्मेदारों के द्वारा किसी प्रकार से ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसका खामियाजा आम जनता को सड़क दुर्घटना में चोटिल होकर भुगतना पड़ रहा है। वर्तमान में किसी प्रकार का गंभीर हादसा घटित नहीं हुआ है परंतु पूर्व में उक्त पुलिया पर गंभीर हादसे घटित हो चुके हैं। वहीं वर्तमान में भी राहगीरों के साथ दुर्घटना घटित होने की प्रबल संभावनाएं बनी हुई है। यह पुलियां वारासिवनी से गोंदिया को जोड़ने वाले मार्ग पर मुख्यालय से महज कुछ दूरी पर बना हुआ है। जिसमें आम इंसान की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जरूरी कार्य करवाने की मांग राहगीरों के द्वारा की जा रही है जिससे कि हर व्यक्ति भय मुक्त होकर आवागमन कर सके।

अंधा टर्निंग के पास में बना है पुलिया

सिकंद्रा और कोस्ते के मध्य बहाने वाले नाले पर बना पुलियां की रेलिंग एक तरफ से गायब हो गई है। इस पुलियां के आगे कोस्ते की ओर अंधा टर्निंग बनी हुई है तो वहीं पुलियां के पहले बड़ा ढलान है। ऐसे में कोई भी वहां ढलान में आते ही दोगुनी स्पीड में हो जाता है और आगे अंधा टर्निंग पड़ती है। कई बार मोटरसाइकिल के सामने अचानक ट्रक या चार पहियां वाहन आने से वह बाल बाल बचते हैं। तो वहीं मोटर साइकिल चालक दुर्घटना का शिकार भी हो जाते हैं। इस परिस्थिति में पुलियां पर से आवागमन करना सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा है। क्योंकि बड़े वाहन आने पर पुलियां किनारे सुरक्षित खड़े रहने के लिए कोई साधन उपलब्ध नहीं है। जहां पर यदि व्यक्ति अपना बैलेंस होता है तो वाहन के सामने गिरेगा या पुल के नीचे नाले में दोनों स्थिति में दुर्घटना निश्चित है। क्योंकि सामने से कोई भी वहां आने पर गाड़ी को किनारे कर रोकना पड़ता है। यह पुलियां वर्षों पुराना है जिसकी रेलिंग क्षतिग्रस्त हुए कुछ वर्ष बीत चुके हैं परंतु उसका सुधार कार्य नहीं करवाया गया है। इसी कारण से कुछ वर्ष पहले एक चार पहिया वाहन अनियंत्रित होकर नाले में गिर गया था। जिसमें पास की मिल में कार्यरत मजदूरों के द्वारा वाहन सवार लोगों की जान बचाई गई थी इसी प्रकार कई बार मोटरसाइकिल और अन्य वाहन भी नाले में उतर चुके हैं। यदि रेलिंग का निर्माण कर दिया जाएगा तो अनियंत्रित वाहन नाले में उतरने से बच जायेंगे। इस मार्ग पर साकड़ी पुल व बटरमारा पुल बनने से यातायात का दबाव बड़ा है। पहले वारासिवनी से डोंगरमाली, बेनी ,साकडी तक जाता था परंतु साकड़ी एवं पुनी की नदी पर उच्च स्तरीय पुल बन जाने के कारण यह मार्ग से सीधे गोंदिया और दूसरे मार्ग से सीधे रजेगांव मार्ग पर निकलते हैं। इस कारण लोगों को कम दूरी भी तय करना होता है और करीब का रास्ता पड़ता है, ऐसे में पूरा यातायात बालाघाट से डायवर्ड होकर इस मार्ग पर आ गया है। जहां से ट्रक ट्रैक्टर डंपर पिकअप यात्री वाहन मोटरसाइकिल सहित बड़े छोटे हजारों वाहन रोजाना आना जाना करते हैं जिस पर यातायात का दबाव काफी बना हुआ है। वहीं इस मार्ग पर दर्जनों ग्राम स्थित है जहाँ के ग्रामीण रोजाना वारासिवनी मुख्यालय के लिए इस मार्ग का उपयोग करते है। ऐसी स्थिति में कई बार हादसे घटित हो जाते हैं।

पीडब्लूडी के अधिकारी को इस पर ध्यान देना चाहिये-फत्तूलाल

राहगीर फत्तूलाल बिसेन ने बताया कि वह कोस्ते रहते हैं यह मार्ग उनके रोजाना वारासिवनी आवागमन का प्रमुख मार्ग है। जिसके माध्यम से वह अपने कार्यों के लिए रोज आना जाना करते हैं जिस पर यह कोस्ते और सिकंद्रा ग्राम के बीच में नाला पड़ता है। जहां पर पानी भरा रहता है इसके ऊपर दोनों तरफ रेलिंग क्षतिग्रस्त हो गई है। जहां पर आवागमन कर रहे लोगों के लिए खतरा बना हुआ है हम जैसे लोग रात्रि में भी आना जाना करते हैं साइकिल मोटरसाइकिल से तो इस पुलियां पर हमें समस्या बनी रहती है। यह डोंगरमाली मार्ग है जिस पर आवागमन बढ़ गया है ऐसे में विभाग को रेलिंग बनानी चाहिए। क्योंकि दो ट्रक आने पर या एक ट्रक आने पर मोटरसाइकिल चालक व्यक्ति कभी भी अनियंत्रित हो सकता है। जिससे वह दुर्घटना का शिकार होने की संभावना है। यहां जो रेलिंग लगाई जाए वह पुलियां के अलावा पुलियां के आगे और पहले थोड़ी लंबी लगा दी जाये।

पुलियां की रैलिंग नही होने से हो रही प्रतिदिन दुर्घटनायें-नरेन्द्र

रहागीर नरेन्द्र टेकाम ने बताया कि यह पुलिया ठीक है परंतु इसकी रेलिंग जो जनता की सुरक्षा के लिए पुलियां के दोनों तरफ लोहे के पाइप के माध्यम से लगाई गई थी। वह बहुत ज्यादा क्षतिग्रस्त हो गई है एक तरफ की रेलिंग चोरी भी हो गई है यह असामाजिक तत्वों का काम है। जिनके द्वारा रैलिंग के पाइप चोरी कर लिए गए हैं और लोहे के एंगल भी उखाड़ लिए गए हैं। प्रतिदिन इस मार्ग से ग्रामीण अपने काम के लिए आना जाना करते हैं। इस दौरान वह टर्निंग से इस पुलियां को बहुत कम गति में वाहन चलाकर क्रॉस करते हैं क्योंकि यह मार्ग सीधे महाराष्ट्र से जुड़ गया है। जिस कारण से भारी वाहनों की लगातार आवाजाही बढ़ गई है कोई भी बड़ा वाहन आता है तो सामने टर्निंग के समय दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और हाथ पकड़ने के लिए भी पुलियां पर कुछ नहीं है। जबकि विभाग को ऐसे स्थान पर पर्याप्त व्यवस्था करनी चाहिए। इस मार्ग पर पहले भी बड़ी दुर्घटनाएं हो गई है और आगे भी होने की संभावना है विभाग को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

शीतल ठाकुर डिप्टी कलेक्टर और सुरभि सुलाखे का नायाब तहसीलदार पद पर चयन

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के परीक्षा परिणाम घोषित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रतिभाये सीमाओं ने नहीं बंधती शिक्षा कभी व्यर्थ नहीं जाती यह नगर एवं गांव की दो बेटीयों ने अपनी लगन से मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर साबित कर दिया है। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के द्वारा फाईनल परीक्षा परिणाम घोषित किए है। जिसमें वारासिवनी ग्राम वारा की शीतल ठाकुर का डिप्टी कलेक्टर के पद पर तो वहीं खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम भेंडारा की सुरभि सुलाखे का नायब तहसीलदार के पद पर चयनित होकर सफलता प्राप्त की है। शीतल ने अपनी कड़ी मेहनत और परिवार के समर्थन से यह मुकाम हासिल किया है। वहीं शीतल पिता प्रकाश ठाकुर अभी घंसौर में सीईओ के पद पर पदस्थ है वहीं उनके पिता प्रकाश ठाकुर वारासिवनी उपजेल में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। ऐसे ही किसान की बेटी सुरभि सुलाखे ने परीक्षा में अपना बेहतर प्रदर्शन कर मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षा परिणाम में नायाब तहसीलदार के लिए चयनित होकर अपने परिवार गांव और नगर सहित जिले का नाम रोशन किया है। उनके पिता श्यामलाल सुलाखे किसान है जो खेती करके अपने परिवार का पालन पोषण करते है। परीक्षा परिणाम की जानकारी मिलने बाद वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में हर्ष की लहर व्याप्त हैं। इसमें विधायक विवेक पटेल अपने समर्थकों के साथ शीतल ठाकुर के निज निवास पहुंचे और शीतल और उनके माता पिता का शाल श्रीफल से सम्मान कर उन्हें बधाई प्रेषित की गयी। इस दौरान जेल अधीक्षक अभय वर्मा, अनिल पिपरेवार ,विवेक झुझार, हरि क्षिरसागर ,सोमू शुक्ला ,अनीश बेग ,भारतसिंह वरकडे ,अश्वनी कुमार ,लक्ष्मी राय ,राहुल कोकोटे, संदीप वट्टी ,विक्रम मर्शकोले मौजूद रहें। विधायक विवेक पटेल ने कहा की हर विधायर्थी को अपने लक्ष्य निर्धारण कर उसे प्राप्त करने का संपूर्ण प्रयास करना चाहिए। हमारे शहर की बेटी जो इस समय घंसौर में सीईए के पद पर पदस्थ है उनका डिप्टी कलेक्टर के पद चयन हुआ है। खुशी की बात है कि उन्होंने अपने पहले ही मुकाम पर सफलता हासिल की है। वहीं ग्राम भेंडारा निवासी श्यामलाल सुलाखे की बेटी सुरभि सिलाखे का नायब तहसीलदार के पद पर चयन हुआ है इससे हमारे नए बच्चों को प्रेरणा मिलेगी। जब से मैं विधायक बना हूं दसवीं वीं और बारहवीं वीं के विद्यार्थियों का सम्मान करता हूं ताकि उनका हौसला बड़े और अपने जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़े वारासिवनी खैरलाँजी क्षेत्र में एक शासकीय लाइब्रेरी खोला जाएगा । जिसका प्रयास जारी है ताकि हमारे क्षेत्र के बच्चों को अध्ययन करने में सफलता हासिल हो।

लावारिस पशुओं से बढ़ रही दुर्घटनाऐं

नगरपालिका से आवारा मवेशियों पर प्रभावी कार्यवाही की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगरीय क्षेत्र में आवारा मवेशियों की धमा चौकड़ी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। जिस पर नगर पालिका के द्वारा लगातार कार्यवाहियां भी की जाती है। परंतु मवेशी मालिकों की आदतों के कारण लगातार नगर की विभिन्न सड़कों पर आवारा मवेशी पहरेदार के रूप में बैठे हुए रहते हैं या विचरण करते हुए आसानी से देखे जाते हैं। इससे आम जनमानस को तरह तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है तो कई बार समय काल के गाल में भी सामना पड़ता है वहीं दुर्घटनाओं में भी कई लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। जबकि गौ माता का नाम सुनते ही हर किसी का मान भावुक हो जाता है। लेकिन जब यही गौ माता अपने झुंड के साथ दिन रात सड़कों पर बैठी रहे तो इन बेजुबानों को देखकर मानवता भी शर्मसार हो जाती है। सड़क के इन नए पहरेदारों कि वजह से नगर में दुर्घटना होने कि आशंका बढ़ रही है। कभी ये स्वयं हादसों का शिकार हो जाते है तो कभी बड़ी जनहानि का सबब भी बन जाते है। लेकिन अपने निहित स्वार्थ के लिए इन मवेशियों को पालने वाले लापरवाह मालिकों को इनसे कुछ लेना देना है। कभी जब यह पशु हादसों का शिकार हो जाते है तो इन्हें आवारा घूमने के लिए छोड़ देने वाले इनके मालिक विवाद करने से भी नहीं डरते और अगर यह पशु सड़क या कही मर जाते है तो पूरा ठीकरा प्रशासन पर फोड़ा जाता है। नगर में अवैध निर्माण बढ़ते अतिक्रमण को लेकर चर्चा में रहने वाले पालिका प्रशासन ने आवारा मवेशियों कि धर पकड़ के लिए बकायदा हाका गैंग बनाई है जो समय समय पर आवारा मवेशियों को सड़कों से खदेड़ने का कार्य करती है। बावजूद इसके इस बड़ी समस्या का कोई स्थाई हल नहीं हो पा रहा है। नगर की सड़कों सार्वजनिक स्थानों में इन आवारा मवेशियों कि संख्या दिन ब दिन बढ़ती ही जा रही है। सड़को के साथ साथ यें आवारा मवेशी दुकानों मकानों के सामने गंदगी भी फैला देते है। नगर के सभी इलाकों में इन आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। गौरतलब है कि अपनी सशक्त कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले जिले के एस पी आदित्य मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस के द्वारा दोपहियां वाहन चालकों को वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने के लिए प्रोत्साहित करने कि मुहिम शुरू कि गई। बढ़ते सड़को हादसों के बीच पुलिस कि इस मुहिम का बड़ा असर देखा जा रहा है। लेकिन वारासिवनी में सड़को पर घूमते आवारा मवेशी सड़क दुर्घटनाओं कि रोकथाम कि मुहिम व सुचारु यातायात दोनों को ही प्रभावित कर रहे है।

आवारा मवेशियों पर प्रभावी कार्यवाही कि दरकार

नगर में आवारा मवेशियों कि समस्या कोई नई नहीं है। धीरे धीरे यह समस्या और भी अधिक जटिल होती जा रही है। ऐसा नहीं है कि नगर पालिका प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। हाका गैंग के माध्यम से इन पर कार्यवाही जरूर कि जाती है लेकिन कांजी हाउस में पर्याप्त सुविधा के अभाव व महज कुछ जुर्माने कि कार्यवाही के कुछ दिनों बाद स्थिति ज्यों कि त्यों रह जाती है। नगर पालिका प्रशासन को इस बड़ी समस्या का स्थाई हल करने के लिए अब सख्त और प्रभावी कार्यवाही करने कि दरकार है। इन आवारा मवेशियों को पकड़कर स्व: सहायता समूहों के माध्यम से संचालित गौशाला भेजा जाना चाहिए। जिससे गौशाला को आर्थिक बल मिल सके वहीं अपने पालतू पशुओं को आवारा छोड़ने वाले लापरवाह पशु मालिक भी अपने पशुओं को आवारा छोड़ने से बचेंगे। हाल ही में प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश ऊके को सीएम हेल्प लाईन में उत्कृष्ट कार्य के लिए कलेक्टर मृणाल मीणा ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है। वहीं स्वच्छता सर्वेक्षण में भी वारासिवनी नगर पालिका लंबे समय से आगे ही रही है। ऐसे में नगर पालिका प्रशासन को जानलेवा साबित हो रहे इन आवारा मवेशियों पर स्थाई लगाम लगाना बेहद जरूरी हो गया है।

इनका कहना है

नगर पालिका के द्वारा नगर में घुम रहे आवारा मवेशी मालिको के उपर जल्द ही कार्यवाही कि जाएगी।

सूर्यप्रकाश उके
प्रभारी सीएमओ वारासिवनी

रामपायली मेले में दुययम डंढार का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर रामपायली के श्रीराम बालाजी मेले में दुय्यम डंढार का आयोजन किया गया। जिसमें शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने मध्यप्रदेश के दूसरे सबसे बड़े मेले की महत्ता को रेखांकित किया। साथ ही मेले का भ्रमण कर व्यवसायीयों, भक्तो आदि से मुलाकात कर मेले की सुविधाओं के विषय में चर्चा की। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने सबसे पहले इस प्रसिद्ध क्षेत्र का नाम श्रीराम वन पथ गमन सूची में शामिल होने की सभी को बधाई प्रेषित की। साथ ही कहा की पूर्व में ही हमने इस क्षेत्र के विकास को लेकर विधानसभा के पटल पर प्रश्नों की झड़ी जैसे प्रयासों किये थे जिसके प्रतिफल हमे अब मिलने लगे है। अब रामपायली क्षेत्र में विकास कार्यो की बाढसी आ गयी है। जिससे इस क्षेत्र में एक नयी चमक देखी जा रही है। उन्होने यह भी कहा की हमने पूर्व में संस्कृति विभाग म.प्र से प्रसिद्ध गायिका अनुराधा पौडवाल के आगमन से लेकर मंदिर प्रवेश द्वार,नागथाना रोड, बिठली पुल निर्माण कराकर एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में तेज व मजबूत कदम बढा दिये है। अब हमारा रामपायली राष्ट्रीय पटल पर भी देखा जाने लगा है। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, किशोर अमूले, दिक्षा जैन, जसंवत पटले, रतन ठाकरे, अनिश मिश्रा, संतोष आडे, सचिन बिसेन, मुन्नु दुबे, मंजय सोनेकर, संदीप बाघमारे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चाकू से घायल का गोंदिया में उपचार जारी

रेत घाट मारपीट मामले में नामजद एवं अन्य पर अपराध कायम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम रेंगाटोला चौक पर रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के चलते बीती रात रेत घाट कंपनी के कर्मचारियों की गाड़ी को रोक कर हाथबुक्के और चाकू से मार कर घायल कर दिया था। इसमें चाकू के वार से घायल कर्मचारी नरेंद्र सिंह पिता ४० वर्ष बिरसा निवासी का उपचार गोंदिया में जारी हैं। मामले में पुलिस ने नरेन्द्र राजपूत ,ऋषि वाघाडे ,शिवप्रसाद यादव की शिकायत पर नामजद शुभम बिसेन ,शुभम टेंभरे ,कुलदीप शरणागत ,शरद बिसेन सहित ८ अन्य लोगो पर विभिन्न धाराओं में अपराध कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले की रेत घाटों का ठेका किसी कंपनी के द्वारा लिया गया है और उनके ही द्वारा रेत का उत्खनन करवा कर रेत बिक्री की जा रही है। किंतु इनके अलावा भी अन्य लोंगो के द्वारा रेत घाटो से अवैध रूप से उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा हैं। जिन्हें रोकने और पकड़ने के लिए इस कंपनी के कर्मचारी समय समय पर रात्रि में रेत घाटों का दौरा करते हैं। ऐसे ही ७ नवंबर की रात्रि नरेंद्रसिह राजपूत कंपनी की बुलेरो में अपने चालक शिव प्रसाद यादव ,ऋषि वाघाडे के साथ रेत घाटों का गश्त करने निकले थे। जो वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रेंगाटोला के पास चार पांच लोगों ने हमला करते हुए बोलेरो को रोके और नरेंद्रसिह राजपूत और उसके चालक शिव प्रसाद यादव को बुलोरो से खींचकर बाहर निकाले और हाथ बुक्के से मारपीट कर दिये। चाकू के वार से नरेंद्र राजपूत और उनके वाहन चालक शिव प्रसाद यादव को घायल कर नरेंद्र राजपूत के हाथ में पहनी सोने की अंगूठी और गले की सोने की चैन छीनने के बाद सभी लोग फरार हो गए। हमलावर के भागने के बाद डायल ११२ मौके पर नहीं पहुंची जिसके बाद नरेंद्रसिह राजपूत अपने वाहन चालक शिव प्रसाद के साथ अपने वाहन बुलोरो से जिला अस्पताल पहुंचे। जहाँ नरेंद्रसिह राजपूत को जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रिफर कर दिया गया है जिसे गोंदिया के निजी अस्पताल में उपचार जारी हैं। वहीं घटना की अस्पताल तहरीर पर वारासिवनी पुलिस के द्वारा प्रार्थी नरेन्द्र राजपूत ,ऋषि वाघडे ,शिवप्रसाद यादव की रिपोर्ट पर शुभम बिसेन ,शुभम टेंभरे ,कुलदीप शरणागत, शरद बिसेन के आलावा ८ अन्य लोगो पर भारतीय न्याय संहिता की धारा ११५ (२),११८(१), २९६(बी), १९०,१९१ (२), १९१(३), १३५,३२४ (६) ३५१(३) के तहत अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया हैं।

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

संपादकीय

भागीदारी का लोकतंत्र

बिहार में विधानसभा के लिए हो रहे चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को जिस पैमाने पर लोगों ने बढ़-चढ़ कर मतदान किया, उससे साफ है कि राज्य में लोकतंत्र को लेकर एक जरूरी सजगता है और मतदान के लिए लगी लंबी कतारों में उसी की अभिव्यक्ति दिखी। इस बार आंकड़ों के मुताबिक 64.66 फीसद मतदान हुआ, जिसे राज्य में हुए चुनावों में एक कीर्तिमान माना जा रहा है। इससे साबित होता है कि बिहार भले ही कई मानकों पर विकास की दौड़ में पिछड़ गया है, लेकिन वहां आज भी लोगों के भीतर अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर अतिरिक्त जागरूकता है और आखिर यही हक राज्य को विकास की राह पर आगे बढ़ने का सबसे अहम कारक बनेगा। गौरतलब है कि पहले चरण के लिए राज्य के अठारह जिलों के एक सौ इक्कीस विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ। बाकी सीटों पर दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा। नतीजे 14 नवंबर को घोषित होंगे। लेकिन इसकी संभावना जताई जा रही है कि अगले चरण में भी मतदान का यही रुख बना रहेगा।

> आम चुनाव हो या राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव, यह स्थिति एक समस्या के रूप में देखी गई है कि बहुत सारे मतदाता ऐसे भी होते हैं, जो मतदान के लिए ज्यादा रुचि नहीं दिखाते हैं। ऐसे लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने को लेकर निर्वाचन आयोग को अलग से जागरूकता अभियान चलाना पड़ता है।

अब स्वाभाविक ही ऐसे आकलन सामने आने लगे हैं कि क्या लोगों का इतनी भारी संख्या में मतदान के लिए निकलना सत्ता विरोधी रुझान का संकेत हो सकता है। वहीं सत्ताधारी पक्ष का अपना अनुमान है कि मतदाताओं का समर्थन फिर से उन्हें ही मिलेगा। नतीजा चाहे जो हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कई अहम कारकों ने ज्यादा मतदान के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाईं। मसलन, बिहार में चुनाव से पहले जिस तरह मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया चली और बड़ी संख्या में लोगों के नाम बाहर हुए, उसमें मतदाताओं के भीतर अपने आपको सूची में बनाए रखने के लिए अतिरिक्त चिंता पैदा हुई। इसे उन्होंने मतदान में हिस्सा लेकर जाहिर किया। वहीं, राज्य में छठ पर्व की वजह से दूसरे राज्यों से भी लोग भारी तादाद में अपने गांव पहुंचे होंगे और मतदान की तारीख उनकी शहर वापसी से ज्यादा दूर नहीं थी। इसके साथ अलग-अलग दलों की ओर से किए गए वादों और दी गई सुविधाओं का सवाल भी कसौटी पर है। एक ओर, सत्ताधारी राजग की ओर से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत दस हजार रुपए महिलाओं के खाते में दिए गए, वहीं इंडिया गठबंधन ने महिलाओं के लिए माई-बहन योजना और हर परिवार को सरकारी नौकरी के अलावा अन्य वादे किए हैं।

आम चुनाव हो या राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव, यह स्थिति एक समस्या के रूप में देखी गई है कि बहुत सारे मतदाता ऐसे भी होते हैं, जो मतदान के लिए ज्यादा रुचि नहीं दिखाते हैं। ऐसे लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने को लेकर निर्वाचन आयोग को अलग से जागरूकता अभियान चलाना पड़ता है। जबकि किसी भी नागरिक को चुनाव में मतदान को अपनी एक जवाबदेही के रूप में देखना चाहिए। हालांकि यह भी एक पक्ष हो सकता है कि किसी अनिवार्य वजह से कोई व्यक्ति मतदान न कर सके, लेकिन यह एक आम प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए। बिहार में लोगों के सामने सत्ता और विपक्ष के वादों की कसौटी जरूर है, लेकिन पहले चरण में भारी मतदान एक तरह से चुनावों में लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए जरूरी सजगता और भागीदारी का एक अहम उदाहरण है।

गांव जंक्शन

सटीक तकनीक से मुनाफे वाली खेती

प्रीसिजन फार्मिंग (सटीक खेती) में उपग्रह चित्रों, सेंसर, जीपीएस, ड्रोन और डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों का प्रयोग किया जाता है। इससे किसान खेती की लागत घटाकर, कम संसाधनों में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

34 तकनीक का मेल बन गई है। बदलते आज खेती सिर्फ मेहनत नहीं, समझदारी और बदलते मौसम, घटते पानी और बढ़ती लागत के बीच अब किसान सोचते हैं कि कम खर्च में ज्यादा उपज कैसे मिले। ऐसे समय में प्रीसिजन फार्मिंग यानी सटीक खेती किसानों के लिए नई उम्मीद बनकर आई है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के वैज्ञानिक डॉ. विनोद प्रकाश ने बताया कि यह तकनीक मिट्टी की जांच, सिंचाई, खाद और फसल की देखभाल हर काम में सटीक जानकारी देती है। इससे किसान पानी, खाद और मेहनत की बचत करते हुए बेहतर उत्पादन पा सकते हैं। आधुनिक युग की यह तकनीक किसानों को आत्मनिर्भर बनाती है। प्रीसिजन फार्मिंग की यहां कुछ प्रमुख तकनीकों के बारे में बता रहे हैं।

लेजर लैंड लेवलर

यह तकनीक खेत को पूरी तरह समतल बनाती है, जिससे पानी पूरे खेत में समान रूप से फैलता है। ट्रैक्टर से जुड़ी यह मशीन लेजर बीम के जरिए ऊंच-नीच की सटीक माप लेकर मिट्टी को समतल करती है। इस तकनीक से सिंचाई की दक्षता बढ़ती है और 20-25त्न तक पानी की बचत होती है। जलभराव और सूखे की समस्या कम होती है। इससे उत्पादन में 10-15त्न तक की वृद्धि संभव।

सरकार दे रही बढ़ावा

मिट्टी की जांच, सेंसर और ड्रोन तकनीक

हर खेत की मिट्टी अलग होती है, इसलिए उसकी जांच बेहद जरूरी है। मिट्टी परीक्षण से किसान फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की जानकारी पाते हैं और उर्वरकों का संतुलित उपयोग कर सकते हैं। सेंसर और ड्रोन तकनीक से मिट्टी की नमी, तापमान और फसलों की स्थिति की निगरानी कर सकते हैं। इससे रोग या कीट के शुरुआती लक्षणों की पहचान कर समय पर रोकथाम की जा सकती है।

कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विश्वविद्यालय और नाबार्ड जैसे संस्थान किसानों को प्रीसिजन फार्मिंग तकनीक का प्रशिक्षण और डेमो फील्ड्स के माध्यम से जानकारी दे रहे हैं। भारत सरकार भी डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, स्मार्ट विलेज प्रोग्राम और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी योजनाओं के जरिए सटीक खेती को बढ़ावा दे रही है।

लड़ाईयां ऐसे भी जीती जा सकती हैं

हैदराबाद स्थित बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी कानूनी लड़ाई के परिणामस्वरूप एफएसएसएआई ने अंततः यह ऐतिहासिक निर्देश दिया कि उन ऊर्जा पेय और अन्य पेय पदार्थों पर 'ओआरएस' शब्द का उपयोग प्रतिबंधित होगा, जो डब्ल्यूएचओ के मानकों को पूरा नहीं करते हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 'ओआरएस' शब्द का उपयोग केवल उन उत्पादों तक सीमित कर दिया है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुमोदित फॉर्मूलेशन का पालन करते हैं।

हैदराबाद स्थित बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी कानूनी लड़ाई के परिणामस्वरूप एफएसएसएआई ने अंततः यह ऐतिहासिक निर्देश दिया है। इसमें ऊर्जा पेय और अन्य पेय पदार्थों पर %ओआरएस% शब्द के उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है, जो डब्ल्यूएचओस् के मानकों को पूरा नहीं करते हैं। डॉ. शिवरंजनी संतोष का अथक अभियान लगभग एक दशक पहले शुरू हुआ था। उन्होंने 2022 में तेलंगाना उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर खतरनाक रूप से उच्च शर्करा स्तर और अनुचित इलेक्ट्रोलाइट संतुलन के बावजूद, ओआरएस के रूप में बेचे जा रहे पेय पदार्थों की बिक्री को चुनौती दी थी। डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों के अनुसार, एक उचित ओआरएस घोल में प्रति लीटर 2.6 ग्राम सोडियम क्लोराइड, 1.5 ग्राम पोटेशियम क्लोराइड, 2.9 ग्राम सोडियम साइट्रेट और 13.5 ग्राम डेक्सट्रोज होना चाहिए। ओआरएस के रूप में बेचे जाने वाले कई उत्पादों में प्रति लीटर 120 ग्राम से अधिक चीनी होती थी और इलेक्ट्रोलाइट्स का स्तर खतरनाक रूप से कम था।

-विनय सैलावत (पूर्व असिस्टेंट सालीसीटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

खाद्य पदार्थों की गलत ब्रांडिंग और लेबलिंग जैसे मुद्दे तेजी से बढ़ रहे हैं, जिससे उपभोक्ता सुरक्षा, पारदर्शिता और खाद्य उत्पादों में विश्वास को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। गलत ब्रॉडिंग और लेबलिंग, दोनों ही न केवल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए, बल्कि व्यवसायों की प्रतिष्ठा और खाद्य उद्योग की अखंडत्ता के लिए भी गंभीर जोखिम पैदा करते हैं। खाद्य पदार्थों की गलत ब्रांडिंग तब होती है, जब किसी खाद्य उत्पाद के लेबल या पैकेजिंग पर गलत या भ्रामक जानकारी दी जाती है, जिससे उपभोक्ता धोखा खा सकते हैं। एफएसएसएआई और दुनिया भर की इसी तरह की नियामक संस्थाओं के अनुसार, खाद्य उत्पादों पर सच्ची और स्पष्ट लेबलिंग होनी चाहिए, जिसमें सामग्री, पोषण संबंधी जानकारी, एलर्जी कारक, समाप्ति तिथि और निर्माता का विवरण शामिल हो।

खाद्य पदार्थों पर गलत लेबलिंग के सामान्य उदाहरण कुछ इस प्रकार हैं-किसी खाद्य पदार्थ में सभी सामग्री की सूची न होना या उन्हें गलत तरीके से सूचीबद्ध करना, जैसे कि मूंगफली या ग्लूटेन जैसे सामान्य एलर्जेन को छोड़ देना। उत्पाद अपनी समाप्ति या उपयोग तिथि के बाद बेचे जा रहे हों, या गलत शेल्फ-लाइफ जानकारी के साथ बेचे जा रहे हों तथा गलत वजन या मात्रा दिखाई जाती है, जिसके कारण उपभोक्ताओं को भुगतान की गई राशि से कम सामान मिलता है। खाद्य पदार्थों की गलत ब्रांडिंग और लेबलिंग से जुड़ी सबसे बड़ी चिंता स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की आशंका को लेकर है। उदाहरण के लिए, एलर्जी से ग्रस्त उपभोक्ता अनजाने में ऐसी चीजें खा सकते हैं, जिससे गंभीर प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं, जैसे मूंगफली या डेयरी उत्पाद। भ्रामक पोषण संबंधी दावों के कारण उपभोक्ता अस्वास्थ्यकर विकल्प चुन सकते हैं, जिससे मोटापा, हृदय रोग और मधुमेह जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

भारत में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनिमय, खाद्य पदार्थों की गलत ब्रांडिंग और लेबलिंग को रोकने के लिए कड़े नियम निर्धारित करते हैं। एफएसएसएआई इन विनियमों के प्रवर्तन की निगरानी करता है और यह सुनिश्चित करता है कि खाद्य लेबल सुरक्षा, सटीकता और पारदर्शिता के विशिष्ट मानकों को पूरा करते हैं। खाद्य लेबल पर सामग्री, पोषण संबंधी तथ्य, एलर्जी कारक, निर्माता का विवरण और समाप्ति तिथि स्पष्ट रूप से लिखी होनी चाहिए।

खाद्य उत्पाद के बारे में झूठे या भ्रामक दावे, जैसे कि निराधार स्वास्थ्य लाभ, सख्त वर्जित हैं। खाद्य उत्पादों पर सामान्य एलर्जेन के लिए चेतावनियां प्रदर्शित होनी चाहिए। गलत ब्रांडिंग या लेबलिंग का दोषी पाए जाने वाली कंपनियों पर जुर्माना, उत्पाद वापस मंगाना या कानूनी कार्रवाई हो सकती है। एफएसएसएआई को इन दंडों को लागू करने का अधिकार है।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 52 विशेष रूप से गलत ब्रांड वाले खाद्य पदार्थों के विरुद्ध दंड का प्रावधान करती है, जिसमें कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति मानव उपभोग के लिए किसी भी गलत ब्रांड वाले खाद्य पदार्थ का निर्माण, भंडारण, विक्रय, वितरण या आयात करता है, तो उसे तीन लाख रुपये तक का जुर्माना देना होगा।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने मई माह में एक आधिकारिक परामर्श जारी कर स्पष्ट रूप से कहा है कि %100 प्रतिशत% के दावे खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 या खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 के तहत परिभाषित या मान्यता प्राप्त नहीं हैं। नतीजतन, ऐसी शब्दावली का उपयोग 2018 के प्रावधान के नियम 4 के तहत भ्रामक दावे के बराबर हो सकता है, जो स्पष्ट रूप से उपभोक्ता को खाद्य उत्पाद की प्रकृति, गुणवत्ता या पदार्थ के बारे में गुमराह करने वाले ऐसे किसी बयान को प्रतिबंधित करता है।

उपभोक्ताओं को लेबल पढ़ना चाहिए। सुरक्षा प्राधिकरण के प्रमाणन की जांच करनी चाहिए और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संदिग्ध उत्पादों की सूचना देनी चाहिए। उपभोक्ताओं को हमेशा सामग्री, समाप्ति तिथि, एलर्जेन चेतावनियों और पोषण संबंधी जानकारियों की जांच करनी चाहिए। यदि कोई उत्पाद %चीनी-मुक्त% या %कम वसा% होने का दावा करता है, तो उसकी पुष्टि करने के लिए सामग्री सूची देखें। यदि उपभोक्ताओं को कोई संदिग्ध या भ्रामक खाद्य लेबल दिखाई देता है, तो उन्हें स्थानीय अधिकारियों या भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को इसकी सूचना देनी चाहिए। इससे भ्रामक प्रथाओं के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

नियमों के सख्त प्रवर्तन, उचित उपभोक्ता शिक्षा और जिम्मेदार कॉरपोरेट व्यवहार के माध्यम से हम इन अनुचित प्रथाओं को कम कर सकते हैं और एक सुरक्षित, अधिक पारदर्शी खाद्य बाजार का निर्माण कर सकते हैं। उपभोक्ताओं को अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सतर्क और जागरूक रहना चाहिए कि हम जो खरीद रहे हैं, वह हमें मिल रहा है या नहीं।

दस्तावेज : अमूर्त से मूर्त का सफर

भारतीय दर्शन के तमाम रहस्यवादी भाष्यों की तरह ही संविधान के साथ भी कई ऐसे आख्यान जुड़े आख्यान जुड़े हुए हैं, जिनका पुनर्पाठ बहुत ही दिलचस्प होगा। आज वे तमाम लोग इसकी कसमें खा रहे है, जो वर्ष 1949 में न सिर्फ इसके उद्देश्यों और कामयाबी को लेकर सशंकित थे, बल्कि जिन्होंने प्राणप्रण से इसे लागू करने का विरोध भी किया था। बहरहाल, बाबा साहब आंबेडकर के अनुयायियों, खासतौर से अनुसूचित जातियों से जुड़ा विशाल समुदाय यह मानता है कि संविधान सभा द्वारा पारित विधान के मुख्य निर्माता डाक्टर आंबेडकर थे। यह एक सामान्य जानकारी है कि वे संविधान की मसविदा समिति के अध्यक्ष थे और इसमें उनके अतिरिक्त अन्य सदस्य भी थे।

जब संविधान बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई, तो तत्कालीन कांग्रेस के बड़े नेता पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल मसविदा समिति के अध्यक्ष पद के लिए एक जर्मन संविधान विशेषज्ञ का नाम लेकर महात्मा गांधी के पास वर्धा गए थे। आपसी बातचीत के दौरान महात्मा गांधी ने उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए डाक्टर आंबेडकर का नाम सुझाया और लंबे विमर्श के बाद यह नाम अंतिम रूप से तय हुआ। बाद में एक भाषण में आंबेडकर ने स्वीकार किया कि जब मसविदा समिति की अध्यक्षता का प्रस्ताव उनके सामने आया, तो उन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ। यह अलग बात है कि समिति के कई सदस्य अपने स्वास्थ्य या राजधानी में उपस्थित न होने की वजह से संविधान सभा की कार्यवाहियों में कोई महत्त्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा पाए। अपनी मेधा एवं अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान होने पर आंबेडकर ही सदन की सारी कार्यवाहियों में छाए रहे और शायद इसी वजह से यह धारणा बनी कि संविधान उन्होंने बनाया है। तब कांग्रेस के बहुमत वाली संविधान सभा पूरी तरह से निर्णायक भूमिका में थी और वही हर प्रावधान पर लंबी बहसों के बाद अंतिम निर्णय लेती थी।

यह उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत और 26 जनवरी 1950 को देश में लागू संविधान खुद आंबेडकर की भी पहल पसंद नहीं था। उन्होंने %यूनाइटेड स्टेट्स आफ इंडिया% के संविधान के नाम से एक मसविदा तैयार किया था और उसे अपने कुछ मित्रों के बीच वितरित भी किया था। इसमें बीमा और बड़े उद्योगों का नियंत्रण राज्य के अंतर्गत रखने की बात की गई थी और हिंदू महिलाओं के उन सब अधिकारों का जिक्र था, जिसे वे चाहते हुए भी हिंदू कोड बिल में शामिल नहीं करा सके थे। कांग्रेस और नेहरू से उनकी दूरी के पीछे यह भी एक बड़ा कारण था।

भारतीय संविधान सभा जब देश के लिए एक नया और सही अर्थों में पहला संविधान बनाने बैठी, तो उसके सामने एक अनूठी चुनौती थी। इस चुनौती की तरफ खुद डाक्टर आंबेडकर ने 25 नवंबर 1949 को संविधान सभा के समक्ष मसविदा समिति के अध्यक्ष की हैसियत से अपनी चिंता का इजहार किया था। जिसमें उनकी बात उस विसंगति की तरफ हमारा ध्यान आकर्षित कर रही थी, जिसमें राजनीतिक समानता की बात करने वाले देश में अभी सामाजिक समानता एक दूर का सपना बना हुआ था। जिस समाज के लिए यह संविधान बनाया जा रहा था, वह वर्ण व्यवस्था से संचालित होने वाला समूह था, जिसमें स्त्रियों समेत समाज के बहुसंख्यक वर्गों को एक सामान्य मनुष्य की तरह से जीने का भी अधिकार नहीं था। खुद आंबेडकर अपने पूरे प्रयास के बावजूद हिंदू महिलाओं को बराबरी के अधिकार दिलाने वाले हिंदू कोड बिल के कई अंश पारित नहीं करा सके। लोकतंत्र का मुख्य आधार बराबरी होता है और आंबेडकर की यह चिंता जायज लगती हैं कि गैर-बराबरी को पवित्र धार्मिक मूल्य की तरह स्वीकृत करने वाले समाज में राजनीतिक लोकतंत्र तो आ गया, पर यह सामाजिक लोकतंत्र को किस तरह ग्रहण करेगा।

अगर हम संविधान सभा की बहसों को ध्यान से पढ़ें, तो हमें आसानी से समझ आ जाएगा कि इसके निर्माण के पीछे मुख्य प्रेरणा वे मूल्य थे, जो आजादी की लड़ाई के दौरान विकसित हुए थे। थे। यह एक चकित करने वाला तथ्य है कि तमाम धर्मों और जातियों में विभाजित भारतीय समाज ने उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष के दौरान उन मूल्यों को विकसित किया, जो उसे एक आधुनिक और समावेशी समाज बना सकते थे। आजादी की लड़ाई में 1857 के पहले संगठित सशस्त्र विद्रोह और 1920, 30 और 42 के बड़े आंदोलन इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि हिंदुओं और मुसलमानों के सम्मिलित प्रयासों ने औपनिवेशिक शासन के माथे पर चिंता की बड़ी लकीरें पैदा कर दी थीं। इसमें कोई शक नहीं कि मध्य युग में धार्मिक कट्टरता की जकड़बंदी एक मजबूत उपस्थिति की तरह समाज में थी, पर यह भी एक उल्लेखनीय तथ्य है कि कोई भी संविधान आने वाली तमाम पीढ़ियों के लिए नहीं बनाया जा सकता। इसीलिए दुनिया के हर संविधान के अंदर ही उसके संशोधन के प्रावधान भी निहित होते हैं। भारतीय संविधान ने भी संशोधन की संस्थाबद्ध व्यवस्था कर रखी थी। पचहत्तर वर्षों के प्रयोग के बाद भिन्न विचारधाराओं द्वारा स्वीकृति ही हमारे संविधान की सबसे बड़ी सफलता है।

सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दी के भक्ति आंदोलन तथा अठारहवीं और उन्नीसवीं सदी में अंग्रेजी माध्यम से आधुनिक विषयों की शिक्षा ने धर्मनिरपेक्षता की एक नई समझ विकसित कर राज्य के कामकाज में धर्म के हस्तक्षेप से पूरी तरह से मुक्ति जैसी नई अवधारणाओं को भी मजबूत बनाया।

कोई भी संविधान आने वाली तमाम पीढ़ियों के लिए नहीं बनाया जा सकता। वजह स्पष्ट है कि उसे बनाने वाले की मेधा और जरूरतों के अलावा उनके समक्ष पेश चुनौतियां भी समय सापेक्ष होती हैं। इसीलिए दुनिया के हर संविधान के अंदर ही उसके संशोधन के प्रावधान भी निहित होते हैं। भारतीय संविधान ने भी संशोधन की संस्थाबद्ध व्यवस्था कर रखी थी। पचहत्तर वर्षों के प्रयोग के बाद भिन्न विचारधाराओं द्वारा स्वीकृति ही हमारे संविधान की सबसे बड़ी सफलता है। अगर हम ध्यान से देखें, तो सदन के नेता जवाहरलाल नेहरू और मसविदा समिति के अध्यक्ष भीम राव आंबेडकर की अगुआई में संविधान सभा ने भारतीय परंपरा को मैग्नाकार्टा से लेकर फ्रांसीसी क्रांति तक के वैश्विक लोकतांत्रिक आंदोलनों से जोड़कर एक अद्भुत और जीवंत दस्तावेज रचा, जिसकी प्रासंगिकता निरंतर बनी हुई है। उस पर काल्पनिक या वास्तविक संकट आते ही देश के असंख्य पीड़ित जन उसकी सुरक्षा के लिए तन कर खड़े हो जाते हैं। हम कह सकते हैं कि भारतीय समाज के लिए समानता जैसी अमूर्त अवधारणा को मूर्त स्वरूप में ढालने का एक अद्भुत प्रयास है यह संविधान।

-विभूति नारायण राय

(लेखक साहित्यकार और उत्तरप्रदेश के पूर्व डीजीपी रहे हैं. वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति भी हैं)

सम्मान की गरिमा

उम्मीद लेकर हमारे पास मुस्कुराते हुए पहुंचे किसी कनिष्ठ कहे-माने जाने वाले व्यक्ति से बातचीत शुरू हो और उसे शुरुआत में ही डांट-फटकार की भाषा या सख्त लहजे में कुछ कहा जाए, तो इसका सामान्य असर क्या पड़ता है? आमतौर पर होगा यही कि उस कनिष्ठ व्यक्ति का उत्साह मंद हो जाएगा और उसके चेहरे से मुस्कुराहट जाती रहेगी। उसके बाद वह बातचीत तो करेगा, लेकिन हमें वरिष्ठ मानते हुए एकतरफा तौर पर वह हमारी बात को ध्यानपूर्वक सुनेगा। इसे एक मामूली-सा उदाहरण कहा जा सकता है, लेकिन व्यवहार में इसका महत्त्व बड़ा होता है। इस तरह के असामान्य व्यवहार से किसी के कोमल मन को गहरा दुख पहुंच सकता है। वह यह सोचने पर मजबूर हो सकता है कि सामने वाला यह बात सामान्य तरीके से भी तो कह सकता था! पता नहीं, किस कारण से उसने ऐसा किया!

छोटा हो या बड़ा, हर किसी की यह दिली ख्वाहिश होती है कि उसके साथ सम्मानजनक तरीके से बातचीत की जाए। ऐसी इच्छा रखने वाले लोग समाज में हर जगह होते हैं। चाहे घर हो या कार्यालय, सफर में हों या रेस्तरां में। एक छोटी-सी इच्छा यही रहती है कि उसे प्यार मिले, सम्मान मिले, लेकिन इसके उलट उसके साथ दुर्व्यवहार करने वाले लोग यह भूल जाते हैं कि अगर उनके साथ भी कोई दूसरा व्यक्ति ऐसा ही करे, तब उन्हें कैसा महसूस होगा। अगर कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्मान और प्यार की भूख रखता है, तो वरिष्ठ माने जाने वाले लोगों की तो यह स्वाभाविक इच्छा होगी?

दरअसल, सम्मान पाने की इच्छा रखने की बात सोचना कोई बुरी बात नहीं होती। अगर कोई व्यक्ति ऐसा सोचता है तो यह एक स्वाभाविक लालसा है। मगर हम सामने वाले को सम्मान नहीं दे पा रहे हैं और चाहते हैं कि हमें सम्मान मिलता रहे तो यह संभव नहीं हो पाता। एकतरफा कुछ भी लंबा नहीं चलता। अगर हम ऊंचे पद पर बैठे हों, तो डरा-धमका कर या किसी की मजबूरी का फायदा उठा कर सामने वाले व्यक्ति से सम्मान पाते हुए दिख भी जाएं, लेकिन यह दिखावे से ज्यादा कुछ नहीं होता। यह स्थायी भी नहीं होता। जिस दिन हमारा यह पद जाएगा, सामने वाला व्यक्ति हमारा सम्मान करना बंद कर देगा। शायद इसलिए कहा जाता है कि हम इज्जत कमा सकते हैं, लेकिन किसी से छीन नहीं सकते हैं। यों भी, इज्जत कमाना कोई आसान काम नहीं होता। इसके लिए अपने अहंकार को दरकिनार करना पड़ता है।

लोग हमेशा समाज, कार्यस्थल, परिवार, कुटुंब या जीवन में कहीं भी ऐसे व्यक्ति को याद करते हैं, जो सद्व्यवहार वाले हों। भले ही उस व्यक्ति से किसी के हित की पूर्ति हो पा रही हो या नहीं। वे उसके गुणों को सराहते हैं। ऐसे व्यक्ति जब संसार से चले जाते हैं या दोनों के बीच स्थान की भी दूरी हो जाती है, तब भी लोग उसे याद करते हैं।

उदार बनाना पड़ता है। संकुचित सोच से दूर होना पड़ता है। अपनी अवधारणाओं पर विचार करना और जरूरी होने पर उसे तोड़ना पड़ता है। ये सब बातें व्यक्ति के भीतर तभी आ पाती हैं, जब उसके माता-पिता ने उसे इस तरह के संस्कार दिए हों या उसने अभ्यास कर खुद को इस तरह का बनाया हो। जो व्यक्ति ऐसा नहीं कर पाता है, उसे सामने वालों से ढेरों शिकायतें रहती हैं। उसे लगता है कि मुझे वह नहीं मिल पा रहा है, जो मुझे मिलना चाहिए। हालांकि इस तरह सोचते समय वह यह ध्यान में नहीं रखता है कि वह खुद भी किसी के साथ उचित व्यवहार नहीं कर रहा है। वह अधिकार की बात तो सोचता है, लेकिन यह भूल जाता है कि उसके कुछ कर्तव्य भी हैं। अगर हम अपने कर्तव्य को पूरा न करें और अधिकार की ही बातें करते रहें, तो यह बेमानी हो जाता है।

कई बार देखा जाता है कि लोग हमेशा समाज, कार्यस्थल, परिवार, कुटुंब या जीवन में कहीं भी ऐसे व्यक्ति को याद करते हैं, जो सद्व्यवहार वाले हों। भले ही उस व्यक्ति से किसी के हितों की पूर्ति हो पा रही हो या नहीं। वे उसके गुणों को सराहते हैं। ऐसे व्यक्ति जब संसार से चले जाते हैं या दोनों के बीच स्थान की भी दूरी हो जाती है, तब भी वे उसे याद करते हैं। सम्मान देने वाले को व्यक्ति अपने सुख और दुख, सब तरह की बात आसानी से बता देते हैं। यहां तक कि मालिक और नौकर के बीच में भी एक दूसरे को बराबर सम्मान देने की स्थिति होती है, तो बेहतर संबंध बन जाता है और कई बार उनका रिश्ता पिता-पुत्र की तरह का हो जाता है। दूसरी ओर, दुर्व्यवहार करने वाले व्यक्ति केवल आलोचना के ही पात्र होते हैं। उन्हें मन से कोई पसंद नहीं करता है।

शिक्षक, माता-पिता, वरिष्ठ जन और समाज के गणमान्य व्यक्ति हमेशा यह कहते पाए जाते हैं कि सम्मान देने से सम्मान मिलता है। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते हो, तो कम से कम सम्मान तो दे ही दिया जाए। इसमें %कुछ लगता नहीं है। सिर्फ दो मीठे बोल काफी होते हैं। और अगर इतना भी नहीं कर सकते हैं, तो कम से कम किसी के साथ दुर्व्यवहार तो नहीं ही करना चाहिए, उसके मन को कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए या उसका अपमान नहीं करना चाहिए। मनुष्य के भीतर एक मन होता है जो बहुत कोमल होता है। उसे सुख-दुख और अच्छाई-बुराई का अनुभव होता है। किसी व्यक्ति को दुख पहुंचाने से किसी को कोई लाभ मिलता हो, ऐसा नहीं है। मगर कुछ लोगों के अहं की कैद इतनी प्रबल होती है कि वर्चस्व के मानस में जीते हुए वे इस सवाल पर सोचते भी नहीं। अगर हम किसी को सम्मान देते हैं, तो बदले में हमें सम्मान मिलता है। ऐसा करना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है।

-चंदन कुमार चौधरी

तेल-तिलहन बाजार में मामूली सुधार, पाम-पामोलीन और बिनौला तेल में गिरावट

नई दिल्ली।एजेंसी। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में कुछ सुधार के संकेत दिखाई दिए, लेकिन वास्तविक स्थिति अभी भी संतोषजनक नहीं है। सरसों, सोयाबीन और मूंगफली तेल-तिलहन में मामूली बढ़त देखने को मिली, जबकि पाम-पामोलीन और बिनौला तेल के दाम गिरावट पर रहे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह सुधार केवल पिछले सप्ताह की तुलना में मामूली वृद्धि को दर्शाता है, और एमएसपी से नीचे बिकवाली अभी भी जारी है। बीते सप्ताह सरसों दाना 150 रुपये के सुधार के साथ 7,100-7,150 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल 275 रुपये के सुधार के साथ 14,875 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 45-45 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,485-2,585 रुपये और 2,485-2,620 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 4,550-4,600 रुपये और 4,250-4,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,000 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 75 रुपये के सुधार के साथ 10,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतें भी सुधार दर्शाती बंद हुईं। मूंगफली तिलहन 50 रुपये के सुधार के साथ 5,900-6,275 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात का थोक दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 14,050 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का थोक दाम पांच रुपये के सुधार के साथ 2,290-2,590 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। इसे सुधार के ?विपरीत समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 325 रुपये की गिरावट के साथ 11,325 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 175 रुपये की गिरावट के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। कारोबारी धारणा प्रभावित रहने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल के दाम भी 50 रुपये की गिरावट के साथ 12,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

केंद्र सरकार ने अगले सीजन में 15 लाख टन चीनी निर्यात को दी मंजूरी

नई दिल्ली।एजेंसी। केंद्र सरकार ने चीनी उद्योग और गन्ना किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। अगले चीनी सीजन 2025-26 में लगभग 15 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही गुड़ की छाछ यानी मोलासेस पर लगने वाला 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क समाप्त कर दिया गया है। इन फैसलों से चीनी मिलों को आर्थिक राहत मिलेगी और किसानों को गन्ने के भुगतान समय पर हो सकेंगे। यह कदम ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक में गन्ना किसानों का आंदोलन जारी है। खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर इन निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार की किसान हितैषी नीतियों से गन्ना भुगतान की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। जनवरी 2025 में जब चीनी के दाम गिर रहे थे, तब केंद्र ने 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। इससे देश में अतिरिक्त स्टॉक घटा और कर्नाटक में चीनी के भाव 3370 रुपए से बढ़कर 3700ङ्क3930 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए थे। अब 15 लाख टन निर्यात की नई मंजूरी से उद्योग को और राहत मिलेगी। खाद्य मंत्रालय ने सैद्धांतिक रूप से इस निर्यात को हरी झंडी दे दी है, जबकि अंतिम मंजूरी हाई-पावर ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स से मिलनी बाकी है। उद्योग जगत 20 लाख टन निर्यात की मांग कर रहा था, ताकि अधिशेष उत्पादन पर नियंत्रण हो सके। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 30 सितंबर 2025 तक कर्नाटक में 2022-23 और 2023-24 सीजन का कोई भुगतान बकाया नहीं है, जबकि 2024-25 सीजन में केवल 50 लाख रुपए बाकी हैं। सरकार को उम्मीद है कि इन नीतिगत कदमों से चीनी उद्योग और गन्ना किसान दोनों को बड़ा लाभ मिलेगा।

बैंकिंग और फाइनेंशियल फंड्स ने सेंसेक्स को पछाड़ा

नई दिल्ली।एजेंसी। पिछले एक साल में जहां सेंसेक्स ने केवल 3.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की, वहीं बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज (बीएफएसआई) सेक्टर के फंड्स ने औसतन 11.5 फीसदी का रिटर्न दिया है। इस तेज़ी के बावजूद विशेषज्ञ निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। एसबीआई बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड के एक फंड अ?धिकारी के अनुसार वर्तमान में बैंकिंग सिस्टम पर देनदारियों का दबाव कम है, और लिक्विडिटी कवरेज रेशियो (एलसीआर), प्रोजेक्ट प्रोविजनिंग और रिस्क वेट्स जैसे प्रस्तावित नियम सेक्टर की विकास यात्रा के पक्ष में हैं। छोटे और मिड-कैप बैंक, पीएसयू बैंक, एनबीएफसी और बड़े प्राइवेट बैंक लेंडिंग सेक्टर की तेजी में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, कम ब्याज दरों से शॉर्ट टर्म में मार्जिन पर दबाव रहा, लेकिन बैंकर्स ने इसका असर संभाल लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर क्रेडिट ग्रोथ में सुधार होता है और एसेट क्वालिटी स्थिर रहती है, तो बैंकिंग शेयरों की वैल्यूएशन मजबूत बनी रह सकती है।

कर्नाटक में गन्ना के लिए 3,300 रुपये प्रति टन मूल्य तय

बेंगलुरु।एजेंसी। बेलगावी में गन्ना किसानों का दस दिन तक चलने वाला आंदोलन समाप्त हो गया। किसान 11.25 प्रतिशत चीनी वाले गन्ने के लिए अधिक मूल्य की मांग कर रहे थे। कर्नाटक सरकार ने किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,300 रुपये प्रति टन तय किया। चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल ने मुदलागी तालुक के गुरलापुर चौराहे पर किसान नेताओं को सरकार के आदेश की प्रति सौंपी। इसके बाद कुछ किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया और जश्न मनाया। हालांकि बगलकोट, मुधोल और अन्य क्षेत्रों के गन्ना किसान अभी भी असंतुष्ट हैं और विरोध जारी रखेंगे। आंदोलन बेलगावी से शुरू होकर उत्तरी कर्नाटक के विजयपुरा, हावेरी और अन्य जिलों में फैल चुका था। सरकार की नई घोषणा से किसानों के बीच असंतोष और समर्थन दोनों दिख रहे हैं।

शेयर बाजार की दिशा मुद्रास्फीति और वैश्विक घटनाओं पर निर्भर करेगी

मुंबई।एजेंसी। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा घरेलू और वैश्विक कारकों पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक विशेष रूप से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्लयूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि ये आंकड़े महंगाई की दिशा और भारतीय रिजर्व बैंक की नीतिगत रणनीति का संकेत देंगे। सप्ताह के दौरान ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। निवेशक और विश्लेषक इन परिणामों की मदद से स्टॉक्स की दिशा और कंपनी प्रदर्शन का आकलन करेंगे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई)की गतिविधियां भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। इसके अलावा रुपया-डॉलर विनिमय दर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रहेगी, जो ऊर्जा क्षेत्र

और निवेश धारणा पर असर डाल सकती हैं। अमेरिका में कुछ विभागों के कामकाज ठप होने (शटडाउन) के कारण महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े नहीं जारी हो पा रहे हैं, जिससे वैश्विक निवेशकों में अनिश्चितता बनी हुई है। इसके अलावा अमेरिका, भारत और चीन के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति या बाधाएं भी बाजार पर असर डाल सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी मुद्रास्फीति आंकड़े, एफपीआई प्रवाह, अमेरिकी शटडाउन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता के परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे।

दवा कंपनियों पर सख्ती, सीडीएससीओ ने सभी राज्यों को दिए जांच शुरू करने के निर्देश

नई दिल्ली।एजेंसी। भारत की दवा निर्माण इकाइयों के लिए मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने सभी राज्य दवा नियंत्रकों को आदेश दिया है कि वे जल्द से जल्द दवा निर्माण इकाइयों की जांच शुरू करें। ये जांच देश के गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) गाइडलाइंस यानी रिवाइज्ड शेड्यूल एम के तहत की जाएगी। यह कदम भारत की दवा निर्माण प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में उठाया गया है। 7 नवंबर को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) एक पत्र जारी कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर्स से कहा गया है कि हर महीने रिपोर्ट भेजें, जिसमें बताया जाए कि कितनी यूनिट्स की जांच की गई, क्या खामियां मिलीं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। रिवाइज्ड शेड्यूल एम दिसंबर 2023 में लागू किया गया था। बड़े फार्मा प्लेयर्स के लिए यह नियम 1 जनवरी 2025 से अनिवार्य हो जाएंगे, जबकि एमएसएमई कंपनियों को 31 दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया था। देश में करीब 10,500 दवा निर्माण इकाइयां हैं, जिनमें से लगभग 8,500 एमएसएमई कैटेगरी में आती हैं। लेकिन कई छोटी यूनिट्स ने न तो एक्सटेंशन मांगा और न ही अपग्रेडेशन प्लान जमा किया। हाल के वर्षों में जहरीली दवाओं से हुई बच्चों की मौतों ने दवा क्वालिटी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मध्य प्रदेश में कफ सिरप से 24 बच्चों की मौत के बाद यह सख्ती बढ़ी है। अब सीडीएससीओ का स्पष्ट संदेश है कि क्वालिटी पर कोई समझौता नहीं होगा। जांचें तेज की जाएंगी और नियमों का उल्लंघन करने वाली यूनिट्स पर सख्त कार्रवाई होगी। इससे उम्मीद है कि भारत की दवा उद्योग में गुणवत्ता और पारदर्शिता का नया मानक स्थापित होगा।

डिजिटल गोल्ड से निवेशक रहें सतर्क सेबी की चेतावनी

नई दिल्ली।एजेंसी। भारतीय बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों को चेतावनी दी है कि वे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स द्वारा प्रचारित डिजिटल गोल्ड या ई-गोल्ड में निवेश करते समय सावधानी बरतें। सेबी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद उसके नियामक ढांचे के तहत नहीं आते इसलिए इनमें निवेश करते समय खतरे की अधिक संभावना है। सेबी ने कहा कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इन उत्पादों को सोने में निवेश का आसान तरीका बताकर प्रचारित कर रहे हैं, लेकिन ये न तो किसी सिक्योरिटी (सुरक्षा निवेश) के रूप में अधिसूचित हैं और न ही कमॉडिटी डेरिवेटिव (वायदा कारोबार) के अंतर्गत आते हैं। इसका मतलब है कि ये उत्पाद सेबी की निगरानी से बाहर हैं और सेबी के निवेशक सुरक्षा प्रावधान इन पर लागू नहीं होते। नियामक ने कहा कि इन उत्पादों में निवेश से काउंटरपार्टी (दूसरे पक्ष) और संचालन संबंधी जोखिम बने रहते हैं। यदि प्लेटफॉर्म या कंपनी में कोई गड़बड़ी होती है, तो निवेशकों को नुकसान हो सकता है। सेबी ने निवेशकों को सलाह दी कि वे सोने में निवेश के लिए सेबी-नियंत्रित विकल्पों का चयन करें, जैसे गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स और कमॉडिटी डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंज पर खरीदा-बेचा जा सकता है। डिजिटल गोल्ड एक ऐसी सुविधा है, जिसमें निवेशक ऑनलाइन सोना खरीदते हैं, जो वॉल्ट्स में सुरक्षित रखा जाता है। इसे बाद में ज्वेलरी या गोल्ड कॉइन के रूप में रिडीम किया जा सकता है। इसे फोनपे, पेटीएम, गूगलपे, एमएमटीसी-पीएएमपी तनिष्क जैसे प्लेटफॉर्म्स से खरीदा जा सकता है। हालांकि, इस पर 3 फीसदी जीएसटी और बेचने पर कैपिटल गेन टैक्स लागू होता है। इसलिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेशक डिजिटल गोल्ड में निवेश से पहले इसके जोखिम और टैक्स प्रभाव को समझकर ही निर्णय लें।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए समस्या लेकर आने वाला है, क्योंकि आपके शत्रु बढ़ सकते हैं, जिन्हें आपकी तरक्की रास नहीं आएगी और वह आपके बॉस से आपकी चुगली लगा सकते हैं। आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। आपने यदि बिजनेस में काम को लेकर कोई बदलाव करने का सोचा है, तो फिलहाल रुक जाए। आप अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे। आप अपने घर के रेनोवेशन का काम शुरू कर सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। संतान की आपसे खूब पटेगी। आज आपके प्रभाव और प्रताप में वृद्धि होगी। आपको अपने आस-पड़ोस में किसी वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा। आपके बॉस यदि आपको जिम्मेदारी देंगे, तो उसमें आपसे कोई गड़बड़ी होने की संभावना है। परिवार में किस सदस्य के विवाह में कोई समस्या खड़ी हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में कुछ नई चीजों को शामिल कर सकते हैं। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से कोई लेनदेन करने से बचें। आपको अपने किसी मित्र से कोई मन मुताबिक सूचना सुनने को मिल सकती है। आपकी लोगों से खूब पटेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में यदि कुछ समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले यदि लंबे समय से विवादित थे, तो वह भी फाइनल हो सकते हैं। आप अपनी संतान को किसी दूसरे कॉलेज में एडमिशन दिलाने के प्लानिंग कर सकते हैं। आपका कोई पुराना लेनदेन आपके लिए समस्या बन सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। बिजनेस कर रहे लोगों को एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आप किसी के साथ पार्टनरशिप में कोई दूसरा काम भी शुरू कर सकते हैं। आपको बिजली के उपकरणों से थोड़ा सावधानी बरतनी होगी। आपके पिताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। आप अपने पारिवारिक मामलों को लेकर थोड़ा परेशान हो सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए धन संबंधित मामलों में कमजोर रहने वाला है। आप किसी से मांगकर वाहन ना चलाएं। यदि आप किसी यात्रा पर जाए, तो वहां अपने कीमती सामानों की सुरक्षा भी अवश्य करें। भाई-बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप अपने किसी काम को लेकर दूसरे पर डिपेंड ना रहें। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए इनकम के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको किसी नई नौकरी की प्राप्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आसानी से आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, लेकिन ससुराल पक्ष के व्यक्ति से आपकी खटपट होने की संभावना है, इसलिए आपको कोई बात बहुत ही तोल मोलकर बोलनी होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप आज हिसाब से खर्च करेंगे, लेकिन आपको कोई भौतिक सुख-सुविधाओं में भी वृद्धि होगी। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ मिलकर आप संतान के करियर को लेकर कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। आपका कोई काम समय से पूरा न होने से मन थोड़ा परेशान रहेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। संतान की सेहत में यदि कोई समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की खुशियां बढ़ेंगी। आप दोस्तों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। यदि आपका कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप जीवनसाथी के लिए कोई सरप्राइज गिफ्ट प्लान कर सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए किसी नये मकान, वाहन आदि की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा। आपकी लिए दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। आप अपनी व्यवसाय की योजनाओं को लेकर प्लानिंग करके चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। शेयर मार्केट में आपको थोड़ा सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करने की आवश्यकता है। आपको अपने किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। राजनीति में कार्यरत लोग अपने काम से परचम लहराएंगे, उन्हें किसी बड़े पद की प्राप्ति भी हो सकती है। संतान पढ़ाई-लिखाई पर पूरा ध्यान देंगी, जिससे वह किसी गवर्नमेंट जॉब के एग्जाम की तैयारी भी कर सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपकी तरक्की के रास्ते खुलेंगे और आपको अपने दोस्त के माध्यम से कोई आय के सोर्स से जुड़ सकते है। आप किसी से भी कोई वादा सोच समझकर न करें। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य में कुछ गिरावट आ सकती हैं। आप बेवजह कामों को लेकर भागदौड़ ना करें। आपको किसी पुरानी गलती से आज पर्दा उठ सकता है।

शब्दजाल - 8075

शब्द जाल में 'आ' से शुरु होने वाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

त	स	आ	त्म	ली	न	षा	गु	बा	प	दे
क	अ	अ	त्म	त	अ	ला	र	न	द	जू
आ	स	आ	क	प्र	न	भि	द	नं	जू	व
जी	अ	चा	आ	र	ति	गु	आ	प	दे	न
व	अ	र्य	त	अ	ला	ष्ठा	न	श	म	क
न	आ	चा	र	वा	न	द	शा	च	व	त
वा	अ	सौ	र	जा	ला	गु	आ	प	दे	आ
ह	आ	मो	व	आ	वा	द	ह	यु	व	ग
क	जा	ह	व	प	गो	द	व	प	र	र
र	दी	ब्ब	फा	प	स	श	ह	वि	बा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	आ	गा	ह	र

आत्मलीन, आत्मप्रतिष्ठा, आचारवान, आगोश, आगाह, आनंद, आजीवन, आचार्य, आजादी, आचमन.

शब्दजाल - 8074 का हल

ची	दु	मे	रि	द्रो	णा	चा	र्य	न	प	क
न	र्यो	शा	प	इं	डो	भी	म	या	ड़	क
अ	ध	जा	स	र	ग	स	द	ह	प	न
जी	न	ल	पा	न	दू	स	न	ह	र्जु	ल
त	या	अ	सौ	न	जा	ला	न्यु	अ	प	दे
आ	यु	इ	मो	व	प	म	क	ह	यु	बां
ग	धि	ल	ह	च	भि	रि	पा	व	प	ग
र	ष्ठि	भा	त्क	अ	प	स	रा	ब्रा	वि	ला
क	र	ठे	तें	व	न	क	र्ण	शा	जू	दे
र	घ	ल	प	व	सिं	ल	रु	अ	प	श
बां	स	ल	भी	ष्म	पि	ता	मा	ह	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.43 ब.से
चंद्र	मिथुन में	धनु	08.59 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.04 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.51 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.24 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.54 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.34 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.32 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.46 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.02 बजे से
7.30 से 9.00		कन्या	02.14 बजे से
बजे तक		तुला	04.25 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 314 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 00.09 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 18.49 बजे को समाप्त।
योग साध्य 12.05 बजे को समाप्त।
करण गर 12.57 बजे तदनन्तर वणिज 00.09 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 09'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872524
जूलियन दिन 2460989.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 18

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पगडंडी

चौड़े रास्ते ने पास चलती पगडंडी से कहा - 'अरी पगडंडी, मेरे रहते मुझे तुम्हारा अस्तित्व अनावश्यक-सा जान पड़ता है। व्यर्थ ही तुम मेरे आगे-पीछे, जाल-सा बिछाए चलती हो!' पगडंडी ने भोलेपन से कहा, 'नहीं जानती, तुम्हारे रहते लोग मुझ पर क्यों चलते हैं। एक के बाद एक दूसरा चला। और फिर, तीसरा, इस तरह मेरा जन्म ही अनायास और अकारण हुआ है!' रास्ते ने दर्प के साथ कहा, 'मुझे तो लोगों ने बड़े यत्न ने बनाया है, मैं अनेक शहरों-गावों को जोड़ता चला जाता हूँ!' पगडंडी आश्चर्य से सुन रही थी। 'सच?' उसने कहा, 'मैं तो बहुत छोटी हूँ!' तभी एक विशाल वाहन, घरघराकर रास्ते पर रुक गया। सामने पड़ी छोटी पुलिया के एक तरफ बोर्ड लगा था, 'बड़े वाहन सावधान! पुलिया कमजोर है।' वाहन, एक भरी हुई यात्री-गाड़ी थी, जो पुलिया पर से नहीं जा सकती थी। पूरी गाड़ी खाली करवाई गई। लोग पगडंडी पर चल पड़े। पगडंडी, पुलिया वाले सूखे नाले से जाकर, फिर उसी रास्ते से मिलती थी। उस पार, फिर यात्रियों को बैठाकर गाड़ी चल दी। रास्ते ने एक गहरा निश्वास छोड़ा! 'री, पगडंडी! आज मैं समझा छोटी से छोटी वस्तु, वक्त आने पर मूल्यवान बन जाती है।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7019

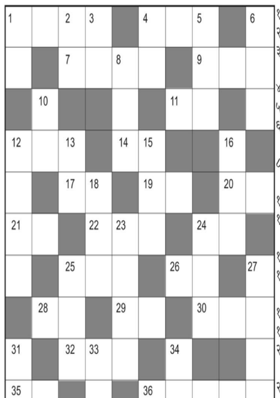

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नहीं' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 7018

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रो	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7328

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7327 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 8543

बाएँ से दाएँ

1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार, पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना, उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव, चयन-5
20. नसीब(अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक, संकटमोचक-3
24. कार्य, काज-2
25. सुंघनी, नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना, तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख, लेख-3
7. रात, रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन, लगाव-3
13. चरित्र, नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी, नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ, बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोंम -2

शब्द पहेली -8542 का हल

झ	न्डा		ते		प		श	क
र		दा	ल		री	ता		ल
ना	खु	दा		पा		रा	इ	मा
	श		अ	ला	बा		न्द्र	
ब	ग	दा	द		स	म	ध	न
	बा		द	ल	ना		नु	
ग	र	म		क्ष		ऋ	ष	भ
र		स्त	र		कृ	षि		ला
ल	ब		क्षा		मि		ता	ई

Jagrutidaur.com, Bangalore

नगर में सालेटेकरी मार्ग का चौड़ीकरण, निर्माण होते ही बने गड्ढे

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर परिषद लांजी के अंतर्गत सालेटेकरी मार्ग पर सुभाष चौक से सरस्वती शिशु मंदिर तक चल रहा सड़क चौड़ीकरण एवं डिवाइडर निर्माण कार्य पिछले तीन वर्षों से लटका हुआ है। इस कार्य में सड़क चौड़ीकरण के बाद अब जाकर डिवाइडर का निर्माण पूरा हो पाया है, लेकिन डिवाइडर पर मिट्टी भरकर पेड़-पौधे लगाने और लाइटिंग का काम अभी भी बाकी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस गति से निर्माण पूरा होने में पूरा पंचवर्षीय कार्यकाल लग जाएगा।

चौंकाने वाली बात यह है कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य पूरा हुए एक साल भी नहीं बीता कि मार्ग में जगह-जगह दरारें पड़ गईं और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। ये गड्ढे कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं, जिससे वाहन चालकों और पैदल यात्रियों की जान को खतरा है। नगरवासियों ने इस मार्ग के निर्माण को लेकर कई बार शिकायतें दर्ज की हैं, लेकिन नगर परिषद और ठेकेदार के बीच किसी अनदेखी सांठगांठ के कारण अब तक केवल नोटिस जारी करने के अलावा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

नगरवासियों की मांग है कि मार्ग निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदार तथा संबंधित उपयंत्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, सड़क के गड्ढों को तुरंत भरवाकर पुन: डामरीकरण का कार्य कराया जाए ताकि जनता को राहत मिल सके।

जनपद पंचायत में वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य गायन कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज ।लांजी। वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद पंचायत लांजी में राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रप्रेम और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित था, जिसमें क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत के सीईओ रामगोपाल यादव ने की, जबकि जनपद सभापति दिनेश लाडे, रेवाजी कराहटकरे तथा जनपद पंचायत के अन्य कर्मचारी और स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी उपस्थितों ने एक स्वर में वंदे मातरम् गीत का गायन कर राष्ट्रभक्ति की भावना को व्यक्त किया। विधायक राजकुमार कर्राहे ने अपने संबोधन में गीत की ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह गीत स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है और

आज भी युवा पीढ़ी को प्रेरित करता है। सीईओ रामगोपाल यादव ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

राकेश रामटेक्कर नगर परिषद लांजी में सांसद प्रतिनिधि नियुक्त

पद्मेश न्यूज ।लांजी। बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी के द्वारा नगर परिषद लांजी में राकेश पिता अरूण रामटेक्कर को बतौर अपना प्रतिनिधि मनोनित किया गया है। नगर के विकास कार्यों को गति देने और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सांसद प्रतिनिधि के रूप में राकेश रामटेक्कर की नियुक्ति की गई है। राकेश रामटेक्कर अब लांजी नगर परिषद क्षेत्र में सांसद प्रतिनिधि के रूप में कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति पर नगर के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है। बतादे कि सांसद प्रतिनिधि के रूप में वे जनता की समस्याओं को सीधे सांसद तक पहुँचाने, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नगर परिषद के विकास कार्यों की निगरानी में अहम भूमिका निभाएंगे। राकेश रामटेक्कर ने अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनता और सांस्र्द श्रीमती भारती पारधी जी के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और सांसद के मार्गदर्शन में नगर के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयासरत रहेंगे।

कन्या छात्रावास से हुई न्यायोत्सव की शुरूआत

न्यायाधीश ने छात्राओं से किया संवाद, छात्रावास का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिलाध्यक्ष विविध सेवा समिति प्राणेश कुमार प्राण और सचिव सतीश शर्मा

के मार्गदर्शन में 09 से 14 नवम्बर 2025 तक जनसामान्य तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से 'न्यायोत्सव' विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जन सामान्य को कानूनी जानकारी प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में व्यवहार न्यायालय कटंगी ने रविवार को जाम के आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास से न्यायोत्सव की शुरूआत की। न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती नेहा ठाकुर ने दोपहर डेढ़ बजे छात्रावास पहुंचकर सबसे पहले छात्रावास का निरीक्षण किया। जिसके बाद मां सरस्वती की प्रतिमा का पूजन कर न्यायोत्सव की शुरूआत की गई। इस मौके पर छात्रावास अधीक्षिका अनिता सोनी भी मौजूद रही।

न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा ठाकुर ने गुड टच और बेड टच की जानकारी देते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति ऐसा करने तो सबसे पहले आवाज उठानी है। अपने माता-पिता को ऐसे व्यक्ति की जानकारी देनी है ऐसा बिल्कुल भी नहीं सोचना है कि माता-पिता को बताने पर आपकी पढ़ाई बंद करा दी जाएगी। ऐसा नहीं होगा बल्कि परिवार के लोग आपकी मदद करेंगें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग बेहद सावधानी से करना चाहिए। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने छात्राओं को पार्क्सो एक्ट, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर सुरक्षा की भी जानकारी दी। वहीं कानून की जानकारी देते हुए बताया कि किस तरह से न्याय के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाया जा सकता है। उन्होंने लॉ की पढ़ाई के बारे में बेहद विस्तार से जानकारी दी। इस आयोजन को सफल बनाने में न्यायालयीन कर्मचारी समीर बिसेन, देवेन्द्र ठाकरे, संतोष पटले, कोर्ट मोहर्रिर छत्रपाल बघेल, सना खान का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

केरेगांव-जीवनारा मार्ग पर मोटरसाइकिल की टक्कर से दो लोग गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज ।लांजी। लांजी क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। लापरवाही और शराब के नशे में वाहन चलाने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। बीते 8 नवंबर को क्षेत्र में 6 से अधिक छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हुईं, जबकि 9 नवंबर को भी एक गंभीर हादसा सामने आया, जिसमें दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत केरेगांव निवासी तिलकचंद पिता लालचंद भगत (उम्र 40 वर्ष) अपने साथी जगदीश हिरालाल नेवारे (उम्र 56 वर्ष) के साथ जीवनारा से पैरा खरीदकर दोपहर करीब 3ः30 बजे अपने गांव लौट रहे थे। केरेगांव-जीवनारा मार्ग पर मोड़ाई के पास एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मोटरसाइकिल सवार मौके से फरार हो गया।

हादसे में दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से घायलों को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया, जहां बीएमओ डॉ. अक्षय उपराड़े ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोंदिया रेफर कर दिया। अस्पताल प्रबंधन ने घटना की तहरीर लांजी पुलिस को भेज दी है। पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है।

क्षेत्रवासियों में हादसों को लेकर दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा और नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

हनुमान मंदिर देवलगांव में प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा आज

शोभायात्रा निकालकर प्रतिमाओं का कराया ग्राम दर्शन

पद्मेश न्यूज ।लांजी। धर्म नगरी लांजी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवलगांव में ग्रामीण जनों के द्वारा 9 एवं 10 नवंबर को खड़ी गली स्थित श्री हनुमान मंदिर में देवी देवताओं की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्राण प्रतिष्ठा के अन्तर्गत शिवलिंग, श्री हनुमान जी, श्री राम दरबार, श्री गणेश, माता अन्नपूर्णा देवी, नंदी महाराज, श्री शेषनाग कि प्रतिमाऐं प्राण प्रतिष्ठित की जा रही है। जिसको लेकर 9 नवंबर शोभा यात्रा निकाल कर प्रतिमा दर्शन ग्राम में कराया गया। इसके पश्चात जलाधिवास, अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास, फलाधिवास, मिष्ठानधिवास गौरी गणेश पूजन, अभिषेक उपरांत आज 10 नवंबर को सभी देवी देवताओं कि प्रतिमाओं की विधि पूर्वक प्राण प्रतिष्ठा की जावेगी। उक्त संपूर्ण प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पंडित रविन्द्र कुमार दुबे एवं पंडित संतोष कुमार दुबे खर्रेगांव के द्वारा संपन्न कराया जायेगा। ग्रामीण जनों के द्वारा प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पश्चात हवन पूजन कर महाप्रसाद का आयेजन किया गया है जिसमें सभी ग्रामीण जनों एवं धर्म प्रेमी गणों से उपस्थिती की अपील की गई है। नीलचंद हरिनखेड़े, देवीलाल चौधरी, छत्रपाल टेंभरे, संजित ठाकरे, प्राणबाबू अगासे, सोमेश्वर हरिनखेड़े, डकचंद पारधी, सहसराम हरिनखेड़े, नेकचंद टेंभरे, कोमल चंद टेंभरे, डालीचंद

टेंभरे, सेवकराम टेंभरे, देवराम बागड़े, गणेश ठाकरे, लालचंद टेंभरे, श्रीराम रहांगडाले, डॉ शैलेष टेंभरे, बब्बू हरिनखेड़े, राजू टेंभरे, मनोज ठाकरे, नितेश टेंभरे, राहुल फुण्डे, योगेश ठाकरे, नितीन हरिनखेड़े, नवीन टेंभरे, कमलकिशोर ठाकरे, किशोर अगासे, संजय टेंभरे, भोजवंता ठाकरे, दिलीप टेंभरे, प्रदीप टेंभरे, रवि देवगिरकर, सुरेन्द्र टेंभरे, भरतलाल टेंभरे,ख्रशांत मेश्राम, दुर्योधन पन्दे, भरत वरकड़े, जितेश ठाकरे, देवा ठाकरे, सोनू बागड़े, सेवकराम सोनवाने, नंदकिशोर फुण्ड़े, राजेश चौधरी, नोहर टेंभरे, सुभाष ठाकरे, चमरूलाल ठाकरे, तिलक ठाकरे, उमेन्द्र निखाड़े, केशोराव टेंभरे, मोतीराम ठाकरे, डूडेश्वर टेंभरे, भुमेश्वर टेंभरे, जितेन्द्र टेंभरे, मुन्नालाल जी सोनवाने, अर्जुन सोनवाने, अनंतराम ठाकरे, राजकुमार चौरे, लक्ष्मीचंद टेंभरे, योगेन्द्र रहांगडाले, राजकुमार बरई, शुभम भालाधारे, राधेश्याम कोहरे, सोहन बागडे, रमेश पन्द्रे, पाण्डुरांग मेश्राम, सालिक मेश्राम, ठानिक बागड़े, मानिक बागड़े, लक्ष्मण बागड़े दीपक मेश्राम, संतोष मेश्राम, सुभाष मेश्राम सहित समस्त ग्रामीण जन प्रमुख रूप से संपूर्ण आयोजन में सहयोगी रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर लामता में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज ।लामता। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के मार्गदर्शन में सरस्वती विद्या मंदिर लामता में सप्तशक्ति कार्यक्रम कार्यक्रम आयोजित किया गया ।कार्यक्रम के दौरान कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध एवं राष्ट्र के विकास में नारी का योगदान विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए गए ।कार्यक्रम में समूह गीत एवं देश की वीरांगनाओं का वेश धारण कर उनके विचार व्यक्त किए गए। साथ ही भारतीय संस्कृति एवं सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विजेताओं को उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों जैसे पर्यावरण संरक्षण, संयुक्त परिवार संचालन व राष्ट्र कार्य के लिए अपनी संतान को प्रेरित करने वाली मातृ शक्तियों को अतिथियों द्वारा शाल, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज सेवी श्रीमती सुमन गुप्ता द्वारा की गई। इस दौरान मुख्य अतिथि श्रीमती रानू वैध

व श्रीमती सुनीता जैन, समाज सेविका सुश्री राजेश्वरी गोस्वामी की उपस्थित रही ।कार्यक्रम का विस्तार कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती प्रतिमा बिसेन और कार्यक्रम आयोजक श्रीमती अनीता साहू के नेतृत्व मे किया गया ।कार्यक्रम के दौरान अनीता साहू ने सभी को परिवार, समाज, राष्ट्र व विश्व कल्याण के लिए संकल्प दिलवाया। इस दौरान सरस्वती शिशु स्कूल के स्टाफ के साथ छात्र छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

किरनापुर मे धूमधाम से मनाया जाएगा संविधान दिवस कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज ।किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर स्थित शाक्य मुनि बुद्ध विहार मे आगामी 26 नवंबर 2025 दिन बुधवार को संविधान दिवस कार्यक्रम धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाए जाने को लेकर एक विशेष बैठक डॉ बाबा साहब अम्बेडकर प्रतिमा स्थापना एवं सुरक्षा समिति अध्यक्ष जे पी रामटेके की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक बिन्दुओं पर विस्तार से विचार विमर्श किए गए एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। संविधान दिवस कार्यक्रम मे 26 नवंबर को सर्वप्रथम प्रात: 8ः30 बजे शाक्य मुनि बुद्ध विहार मे पूजा वंदना की जाएगी। तत्पश्चात् प्रात: 9 बजे डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर मे बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्र ध्वज तिरंगा फहराकर राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा। एवं संविधान की उद्देशिका का वाचन कर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की शपथ ली जाएगी। तथा उपस्थित जनसमुदाय को मिष्ठान एवं फल वितरण किया जाएगा। तथा बाबा साहब अम्बेडकर द्वारा बनाए गए भारतीय संविधान के बारे मे जन जागरूकता फैलाई जाएगी। वही बैठक के दौरान अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के अलावा बुद्ध विहार के पुनर्निर्माण किए जाने पर विचार विमर्श किया गया। इस बैठक के दौरान वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एम आर बागड़े, एस आर पटले, आर के शेंडे, यू एस गेडाम, मिलिंद चौरे, राजेन्द्र वैद्य,अमूल भीमटे, राकेश खांडेकर, दुर्गेश भीमटे, राहुल वैद्य,स्वाकेश भीमटे,राकेश बोरकर, जयप्रकाश रामटेके, अमरदीप रामटेके, उमाशंकर हिरकने, गौतम भीमटे सहित अनेक लोगों की उपस्थिति रही।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एसआईआर पर बोले राहुल गांधी-

वोट चोरी को संस्थागत रूप देने का किया जा रहा प्रयास

-मप्र जिला कांग्रेस अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में हुए शामिल

भोपाल। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह अभियान 卐वोट चोरी卐 पर पर्दा डालने और उसे संस्थागत रूप देने की कोशिश है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में आयोजित मध्यप्रदेश जिला कांग्रेस अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, वोट चोरी एक वास्तविक मुद्दा है। विशेष गहन पुनरीक्षण इसी वोट चोरी पर पर्दा डालने और इसे व्यवस्था का हिस्सा बनाने की प्रक्रिया है। निर्वाचन आयोग ने हाल

ही में नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चार नवंबर से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि, हरियाणा में मैंने खुद देखा कि 25 लाख वोट चोरी हुए, यानी हर 8 में से 1 वोट गायब था। अब वही पैटर्न मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिल रहा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह पूरा तंत्र भाजपा और निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से काम कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा, मेरे पास इस संबंध में और भी सबूत हैं जिन्हें मैं समय-समय पर सार्वजनिक करूंगा। लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है, आंबेडकर के संविधान पर हमला हो रहा है, और यह सब प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश जी की मिलीभगत से किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह स्थिति देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा, इस तरह की कार्रवाई भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। जब मतदाताओं की आवाज छीन ली जाती है, तो लोकतंत्र का असली अर्थ खत्म हो जाता है। राहुल गांधी के इस बयान से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है।

लकड़ी के टालों में लगी आग दौ घंटे से अधिक समय में भी काबू नहीं हो सकी

भोपाल। राजधानी के रेलवे स्टेशन से लगे क्षेत्र पातरा पुल के पास स्थित लकड़ी की टालों में रविवार देर शाम करीब 7.30 बजे आग लग गई देखते ही देखते आग ने आसपास की टालों को भी अपनी चपेट में ले लिया। लपटें और धुएं के गुबार उठने से आसपास के इलाके में अफरा तफरी मच गई। आग काफी दूर से देखी जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग शाम करीब 7.30 बजे भोपाल के मेन रेलवे स्टेशन के पास पातरा पुल से लगे लकड़ी के टालों में लगी, आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई टीमें पहुंची हैं। स्थानीय लोग भी मदद कर रहे हैं। जिस पर करीब 2 घंटे बाद भी काबू नहीं पाया जा सका है। आग लगने के बाद भारत टॉकीज इलाके की बिजली बंद कर दी गई है। खबर लिखे जाने तक दमकल की करीब 20 से 25 गाड़ियां से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की जा रही है। टालों में लकड़ी और फर्नीचर से जुड़ा सामान रखा हुआ था। बड़ी मात्रा में सूखी लकड़ियां होने से आग ज्यादा भड़क गई। घटना स्थल पर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद भी पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा- आरा मशीनों को हटाने के लिए पहले भी बात हो चुकी है। क्यों डिले हो रहा है। इसके बारे में पता करना होगा।

कलेक्टर बोले आग लगने की वजह पता लगा रह

वही कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। नगर निगम की दमकलें लगातार प्रयास कर रही हैं। जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर हैं। कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने की वजह भी पता लगा रहे हैं।

रीवा-भोपाल सुपरफास्ट ट्रेन के इंजन में लगी आग

भोपाल। इटारसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 पर खड़ी 22146 रीवा-भोपाल सुपरफास्ट एक्सप्रेस के इंजन में अचानक धुआं उठने से हडकंप मच गया। इंजन के ड्राइवर कैब से धुआं उठने के बाद रेलकर्मियों ने आग भडकने से पहले इसे काबू कर लिया। बताया गया है कि रविवार सुबह 6 बजे जब ट्रेन स्टेशन पर खड़ी थी, तभी इंजन से धुंआ उठने लगा। आग कैसे लगी इसे लेकर अभी अधिकारी कुछ भी कहने से इंकार कर रहे हैं, इसकी जांच कराई जा रही है। घटना के बाद प्लेटफार्म पर मौजूद रेल कर्मचारियों ने यात्रियों को इंजन से दूर रहने को कहा। घटना स्थल पर पहुंचे रेलकर्मियों और सुरक्षा जवानों ने इंजन में लगी आग बुझाई।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में छोड़े गए 188 काले हिरण

भोपाल। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीता प्रोजेक्ट के तहत काले हिरणों की संख्या बढ़ाई गई है। दो खेपों में 188 हिरण बड़े घास के मैदानों में छोड़े गए। वन विभाग की टीमें लगातार उनकी निगरानी कर रही हैं ताकि शिकार या किसी अन्य समस्या से उन्हें नुकसान न पहुंचे। दरअसल, टाइगर रिजर्व में चीतों के शिफ्टिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। चीतों का पसंदीदा आहार काले हिरण माने जाते हैं। शाजापुर रेंज में काले हिरण आसपास के गांवों में फसलों को नुकसान पहुंचा रहे थे। किसानों की मांग पर सरकार ने काले हिरणों को रेस्क्यू करने का निर्णय लिया। हेलीकॉप्टर की मदद से शाजापुर के गांवों से हिरणों को पकडकर टाइगर रिजर्व में लाया गया। पहली खेप में 153 और दूसरी में 35 काले हिरण छोड़े गए।

बड़े घास के मैदान में भर रहे कुलांचे

टाइगर रिजर्व में दो अलग-अलग खेपों में 153 और 35 कुल 188 काले हिरण लाए गए हैं। इन काले हिरणों को टाइगर रिजर्व के बड़े घास के मैदानों में छोड़ा गया है। जहां वह कुलांचे मार रहे हैं। हिरणों के झुंड खुले मैदानों में विचरण करते नजर आ रहे हैं। इन हिरणों के साथ ही टाइगर रिजर्व में काले हिरणों की संख्या 2000 से अधिक हो गई है। इससे पहले भी टाइगर रिजर्व में काले हिरण देखे जाते रहे हैं। हालांकि समय के साथ यहां यह कम होते गए। लेकिन प्रदेश सरकार ने एक बार फिर इन्हें यहां बसाने का निर्णय लिया है।

टीमें कर रही हर मूवमेंट की निगरानी

टाइगर रिजर्व में छोड़े गए काले हिरण (ब्लैक बक) की निगरानी के लिए वन विभाग की टीमें तैनात की गई है। टीमें लगातार काले हिरणों के हर मूवमेंट पर नजर रख रही हैं। वह मैदानों में झुंडों में नजर आ रहे हैं जो रिजर्व के पारिस्थितिक संतुलन के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

यूथ कांग्रेस चुनाव में हुई वोट चोरी, युवाओं से पैसे भी वसूले

मप्र में वोट चोरी पर सियासत गर्म, सारंग बोले

भोपाल । मध्यप्रदेश में 'वोट चोरी' को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। भाजपा ने यूथ कांग्रेस के संगठनात्मक चुनावों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य के खेल और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि यूथ कांग्रेस में सदस्यता और मतदान प्रक्रिया के नाम पर करोड़ों रुपये की वसूली हुई है, और राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी ने वोट चोरी कर लोकतंत्र का मजाक बनाया है। सारंग ने कहा कि यूथ कांग्रेस में 18 से 35 वर्ष तक के युवाओं को शामिल किया गया था। 15 लाख युवाओं ने सदस्यता ली, जिनसे प्रति सदस्य 50 रुपये शुल्क लिया गया , यानी लगभग साढ़े 7 करोड़ रुपये जमा हुए। इसके अलावा, चुनाव लडने वालों से भी शुल्क लिया गया जिससे करीब 1 करोड़ रुपये और वसूले गए। मंत्री ने आरोप लगाया कि यूथ कांग्रेस के चुनाव में साढ़े 8 लाख वोट या तो होल्ड कर दिए गए

या रिजेक्ट कर दिए गए। यह वही वोट हैं जिन्हें कांग्रेस ने चोरी किया है। राहुल गांधी बताएं कि यह लोकतंत्र की हत्या नहीं तो क्या है?

सारंग ने यह भी कहा कि चुनावों में बड़े नेताओं के प्रभाव से निष्पक्षता खत्म कर दी गई। कांग्रेस ने मेहनती किसान के बेटे अभिषेक परमार को हराकर एक बड़े नेता के बेटे यश घनघोरिया को यूथ कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया। सारंग ने कहा कि कांग्रेस ने अपने अंदर ही वोट चोरी की है। विदिशा के संतोष सिंह की उम्र 44 साल और अंजुम खान की उम्र 36 साल है, फिर भी दोनों को सदस्यता दी गई। ये कांग्रेस की अंदरूनी हेराफेरी के उदाहरण हैं।

अपनी विफलता छिपाने वोट चोरी का जुमला उछाल रहे

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी बिना सबूत के देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। सारंग ने कहा कि राहुल गांधी जब से कांग्रेस के चेहरे बने हैं, पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। अब वे अपनी विफलता छिपाने के लिए 'वोट चोरी' का नया जुमला उछाल रहे हैं।

जनता का स्नेह बता रहा है, बिहार ने फिर एनडीए सरकार का निर्णय ले लिया है -मुख्यमंत्री

पटना/भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को बिहार के ढाका विधानसभा क्षेत्र में रोड-शो कर पूर्वी चंपारण जिले की चिरैया सहित नरकटिया एवं मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि रामराज की सच्ची ताकत अगर कहीं से आती है तो वह बिहार की भूमि से आती है। यह चुनाव धर्म और अधर्म के बीच है। कंस और श्री कृष्ण एक ही कुलवंश के थे, लेकिन बिहार की जनता जानती है किसे चुनना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। परिवारवादी पार्टियों को अगर मौका मिला तो वह अपने परिवार के अलावा किसी का विकास नहीं होने देती हैं। बिहार का भविष्य संवारने और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एनडीए प्रत्याशियों को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाएं। प्रधानमंत्री जी ने सदैव राष्ट्रहित के लिए कार्य किया और भारत का मान-सम्मान वैश्विक स्तर में बढ़ाने का कार्य किया है। आप सभी लोगों का स्नेह, प्यार, आशीर्वाद और समर्थन बता रहा है कि आप बिहार में एक बार फिर एनडीए सरकार बनाने का निर्णय ले चुके हैं। यह चुनाव गुंडों को ठिकाने लगाने और सज्जनों की शक्ति बढ़ाने के संकल्प का चुनाव है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनसभाओं के मंच से अपार जनसमूह के बीच पहुंचकर हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

अब अपराधी पाकिस्तान में भी सुरक्षित नहीं हैं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 2004 से 2014 के बीच यूपीए की सरकार थी। उस समय पाकिस्तानी आतंकी हमारे निर्दोष नागरिकों का खून बहाते थे। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कहते थे, क्या करें वो पाकिस्तान में भाग जाते हैं हम कुछ नहीं कर सकते। लेकिन आज हमारे सैनिक आतंकियों को देखते ही गोली चला देते हैं, उन्हें दिल्ली से पूछने की जरूरत भी नहीं पड़ती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के

नेतृत्व में अपराधी पाकिस्तान में भी सुरक्षित नहीं हैं तो यहां कहां से सुरक्षित रहेंगे। एनडीए की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में गरीब से गरीब आदमी के जीवन में बदलाव लाने के लिए काम कर रही है, क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री जी भी गरीब परिवार से आते हैं। कभी किसी ने सोचा नहीं होगा कि चाय बेचने वाले परिवार का कोई व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बन जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी साधारण परिवार से आते हैं और उनके नेतृत्व में बिहार लगातार विकास कर रहा है। आप अपना मत रूपी आशीर्वाद एनडीए को देकर प्रदेश के भविष्य को सुनिश्चित करें।

बिहार के विकास के लिए प्रदेश में एनडीए की सरकार होना आवश्यक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि माहौल बता रहा है मोतिहारी की चमक फैले हुए कीचड़ में कमल की तरह और तेजी से बढ़ने वाली है। देश और बिहार की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को उनके कामों के लिए जानती है। एक तरफ मोदी जी देश बदल रहे हैं, तो दूसरी तरफ नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में बिहार में बड़े बदलाव आए हैं। कुछ दिन पहले विधानसभा चुनाव का पहला चरण संपन्न हुआ। मतदान वाले दिन कहीं कोई गोली नहीं चली, कहीं पर भी दोबारा मतदान की नौबत नहीं आई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जब से देश की बागडोर संभाली है, भारत तेजी से विकास कर रहा है। भारत की शक्ति और सामर्थ्य तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी गुजरात एक गरीब सामान्य

कान्हा टाइगर रिजर्व में दिखेंगे जंगली भैंसे

असम से लाए जाएंगे 50 भैंसे, एनटीसीए ने बनाई पांच साल की योजना

भोपाल । कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बार फिर जंगली भैंसों की वापसी होगी। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ने कान्हा में जंगली भैंसों को फिर से बसाने की योजना तैयार की है। मध्य प्रदेश में कभी बड़ी संख्या में पाए जाने वाले जंगली भैंसे अब यहां विलुप्त हो चुके हैं।

योजना के अनुसार, असम से कुल 50 जंगली भैंसे कान्हा लाए जाएंगे। इसके लिए पांच साल की कार्ययोजना बनाई गई है, जिसके तहत हर साल 10-10 भैंसे लाए जाएंगे। इन भैंसों के लिए कान्हा में 150 हेक्टेयर का एक विशेष बाड़ा तैयार किया जा रहा है। शुरुआत में इन्हें इस बाड़े में रखा जाएगा ताकि वे नए वातावरण के अनुकूल हो सकें। संख्या बढने पर इन्हें जंगल में छोड़ा जाएगा और आवश्यकतानुसार बाड़े का विस्तार भी किया जाएगा।

जंगली भैंसों को असम से कान्हा तक सडक मार्ग से लाया जाएगा, जिसमें लगभग

दो से तीन दिन का समय लगेगा। कान्हा प्रबंधन इसे एक बड़ी चुनौती मान रहा है, लेकिन इसके लिए पूरी तैयारी की जा रही है। असम और रास्ते में पडने वाले राज्यों के वन विभागों से समन्वय स्थापित किया जा रहा है ताकि भैंसों का सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित हो सके।

वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की टीम ने कान्हा की प्राकृतिक परिस्थितियों का अध्ययन किया है। अध्ययन में पाया गया कि कान्हा के विस्तृत घास के मैदान और यहां की जलवायु जंगली भैंसों के लिए पूरी तरह उपयुक्त हैं। इसी कारण कान्हा को इन भैंसों के पुनर्वास के लिए चुना गया है। कान्हा टाइगर रिजर्व के उप संचालक पुनीत गोयल ने बताया कि एनटीसीए की स्वीकृति के बाद कान्हा में जंगली भैंसों को बसाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि अगले पांच सालों में असम से कुल 50 जंगली भैंसे कान्हा लाई जाएंगी। इसके लिए हालेन वैली में 150 हेक्टेयर का बाड़ा तैयार किया जा रहा है और परिवहन तथा सुरक्षा की सभी तैयारियां की जा रही हैं।

योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की मुहिम, हर विवाह का होगा पंजीयन

भोपाल । देव उठनी एकादशी के साथ ही विवाहों का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। विवाहों के शत-प्रतिशत पंजीयन के लिये प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किये गये हैं। यह योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की एक सराहनीय पहल है। इससे विवाहों का शत-प्रतिशत पंजीयन हो सकेगा, जिससे भविष्य में दंपत्ति को कानूनी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश विवाह रजिस्ट्रेशन नियम 2008 के अनुसार राज्य के भीतर भारत के नागरिकों के बीच किसी भी विधि या रुढ़ि के अधीन सत्यापित किये गये विवाह का पंजीयन किया जाता है। विवाहों का पंजीयन नहीं होने पर विशेष तौर पर महिलाओं को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पति की मृत्यु के बाद उनको मिलने वाले स्वत्वों के भुगतान आदि में परेशानी होती है।

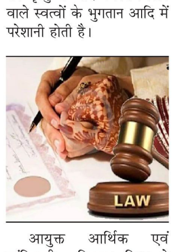

आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी विकास मिश्रा ने बताया है कि विवाह पंजीयन के लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करने हेतु प्रदेश के समस्त कलेक्टरों का ध्यान आकृष्ट किया गया है। जिलों में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री निकाह योजना एवं अन्य सामूहिक विवाहों में कार्यक्रम स्थल पर ही विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने का सुझाव दिया गया है।

आयुक्त श्री मिश्रा ने सामूहिक विवाह कराने वाली सभी संस्थाओं से जागरूकता बढ़ाने मुहिम में बढ़-चढकर हिस्सा लेने की अपील की है। स्थानीय निकायों, सार्वजनिक स्थलों, शादी हॉल और मैरिज गार्डन में अनिवार्य रूप से विवाह पंजीयन करवाने संबंधी होर्डिंग लगाने के निर्देश जारी किये गये हैं।

फेस आधारित उपस्थिति का विरोध करने वालों पर गिरी गाज

पूरे प्रदेश में पांच हजार से अधिक कर्मचारी बर्खास्त

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नगर निकायों में पारदर्शिता, दक्षता और आर्थिक बचत के उद्देश्य से फेस आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू की है, लेकिन कुछ जगह कर्मचारियों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। विभाग ने सख्ती दिखाते हुए ऐसे पांच हजार से अधिक कर्मचारियों का बर्खास्त किया है, जो आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली में गैरहाजिर मिले हैं। आयुक्त संकेत भोंडवे ने इसे पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। कहा कि फर्जी वेतन भुगतान और डीजल चोरी जैसी अनैतिक गतिविधियां रोकने में मदद मिल रही है। इससे विभाग के करोड़ों रुपए बचेंगे।

आयुक्त भोंडवे ने बताया कि बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली से कर्मचारियों की उपस्थिति, समयपालन और कार्यकुशलता की रियलटाइम मानिटरिंग के साथ उनमें अनुशासन और उत्तरदायित्व की भावना को बल मिल रहा है। कुछ जगह निगमकर्मी खासकर वाहन चालकों ने हड़ताल जैसे प्रयास किए हैं। हालांकि, अधिकांश सफाई कर्मी और अन्य कर्मचारी तकनीक आधारित नई व्यवस्था से संतुष्ट हैं। भारत सरकार भी इसकी प्रशंसा कर चुका है।

डीजल चोरी जैसी अनियमितताओं पर रोक लगी

संकेत भोंडवे ने बताया कि इस प्रणाली के लागू होने से फर्जी वेतन भुगतान की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। अब तक 5000 से अधिक गैरहाजिर या फर्जी नामों को ड्यूटी सूची से हटाया जा चुका है, जिससे आर्थिक बचत हो रही है। एईबीएएस (आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली) से शहरी विकास विभाग के प्रमुख व्यय मद वेतन, ऊर्जा और डीजल में व्यापक सुधार हो रहा है। डीजल चोरी पर भी रोक लग रही है। यह विभाग का तीसरा सबसे बड़ा व्यय मद रहा है।

मोबाइल नहीं होने पर सुपरवाइजर्स दर्ज करेंगे उपस्थिति

भोंडवे ने बताया कि यह पहल भविष्य में विकसित होने वाली ई-एचआरएमएस (इलेक्ट्रानिक ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम) प्रणाली की आधारशिला भी बनेगी, इससे संपूर्ण मानव संसाधन प्रबंधन को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाएगा। साथ ही समय की पाबंदी और कार्य कुशलता के अलावा फर्जी वेतन से करोड़ों रुपये बचाएंगे। जिनके पास आधुनिक क्षमतापूर्ण मोबाइल नहीं है ऐसे स्वच्छताकर्मी की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सुपरवाइजर्स को टैबलेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

विधायक अनुभा मुंजारे ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से की मुलाकात

बे-मौसम बारिश, अतिवृष्टि एवं कीट व्याधि से खराब हुई धान की फसल का जल्द सर्वे करवाकर मुआवजा दिलवाने सौंपा मांग पत्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट जिला सहित लालबर्रा क्षेत्र में विगत दिवस बे-मौसम बारिश होने के कारण किसानों की धान की फसल खराब हो गई। साथ ही धान की फसल में लगी बीमारी के कारण भी किसानों का काफी नुकसान हुआ है। जिससे किसान खासा परेशान है और कर्ज के बोझ में लगातार डूबता जा रहा है। इन्ही सभी चिंतन के आधार पर किसान भाईयों की जायज मांगों को लेकर बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने भोपाल पहुंचकर प्रदेश के मुखिया माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को मांग पत्र सौंपकर बे-मौसम बारिश एवं कीट व्याधि से खराब हुई फसलों का राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन से जल्द सर्वे करवाकर उचित एवं सम्माननक मुआवजा राशि किसानों को वितरण करने की मांग की है। साथ ही लालबर्रा में राजस्व अनुविभाग (एसडीएम) कार्यालय स्थापित करने की भी मुख्यमंत्री से मांग की है। जिस पर मुख्यमंत्री ने फसलों का सर्वे करवाने एवं राजस्व अनुविभाग कार्यालय स्थापित हेतु आश्वस्त किया है।

सुल्तान अजलान शाह कप हॉकी टूर्नामेंट में संजय की कप्तानी में उतरेगी भारतीय टीम

हरमनप्रीत सहित कई अनुभवी खिलाड़ियो को दिया गया आराम

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम डिफेंडर संजय कालीरावण की कप्तानी में मलेशिया में होने वाले 31वें सुल्तान अजलान शाह कप में उतरेगी। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को 23 से 30 नवंबर तक मलेशिया के इपोह में होने इस टूर्नामेंट के लिए आराम दिया गया है। ऐसे में कई युवाओं को टीम में अवसर मिला है। इस टूर्नामेंट के लिए गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा की जगह पर युवा पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार को शामिल किया गया है। वहीं हरमनप्रीत के अलावा अनुभवी मिडफील्डर हॉकी इंडिया ने मनप्रीत सिंह और स्ट्राइकर मनदीप सिंह को भी टूर्नामेंट के लिए शामिल न करते हुए उनकी जगह पर संजय, जुगराज सिंह और अमित रोहिदास को शामिल किया है।

उनके अलावा पूवन्ना चंदूरा बॉबी, नीलम संजीप जेस और यशदीप सिवाच भी रक्षापंक्ति में शामिल हैं। वहीं मध्य पंक्ति की कमान राजेंद्र सिंह, राजकुमार पाल, नीलकांत शर्मा, रविचंद्रन सिंह, विवेक सागर और मोहम्मद रहीम मोसीन के पास रहेगी। सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह और अभिषेक फारवर्ड की जिम्मेदारी संभालेंगे।

स्टैंडबाय में वरुण कुमार, विष्णु कांत सिंह, हार्दिक सिंह और अंगद बीर सिंह को रखा गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'सुल्तान अजलान शाह कप हमेशा से ही अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट रहा है जिसमें टीम अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। वहीं हमें टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।'

भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में 23 नवंबर को कोरिया के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद बेल्जियम के खिलाफ 24 नवंबर, मेजबान मलेशिया के खिलाफ 26 नवंबर, न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 नवंबर और कनाडा के खिलाफ 29 नवंबर को उतरेगी। ये टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें शीर्ष दो टीमें 30 नवंबर को होने वाले फाइनल में उतरेंगी। भारती टीम ने अंतिम बार साल 2010 में सुल्तान अजलान शाह कप का खिताब जीता था।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर - पवन, मोहित शशिकुमार

डिफेंडर - चंदूरा बॉबी, नीलम संजीप जेस, यशदीप सिवाच, संजय, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास

मिडफील्डर - राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, मोइरांगथेम सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोहम्मद राहील मौसीन

फॉरवर्ड - सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक।

ओलंपिक रजत विजेता यिंग ने बैडमिंटन को अलविदा कहा

करियर में जीते हैं 17 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब

नई दिल्ली। चीनी ताइपे की शीर्ष महिला बैडमिंटन की स्टार ताई जु यिंग ने खेल को अलविदा कह दिया है। इसी के साथ ही टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता यिंग के करियर का समापन हो गया। यिंग ने अपने करियर में 17 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीते हैं जबकि 12 टूर्नामेंटों में वह दूसरे स्थान पर रही हैं। इस खिलाड़ी का फिटनेस संबंधी कारणों से से पहले ही करियर समाप्त हो गया है। यिंग ने अपना अंतिम बीडब्ल्यूएफ खिताब साल 2024 में इंडिया ओपन में जीता था।

यिंग ने सोशल मीडिया में लिखा, 'संन्यास के साथ ही एक खूबसूरत सफर समाप्त हो गया है। बैडमिंटन के कारण ही वह यहां तक पहुंची हैं। उन्होंने कहा, 'लगातार आ रही फिटनेस समस्या के कारण उन्हें कोर्ट छोड़ना पड़ रहा है। साथ ही कहा कि मैं अपने करियर का अंत उस तरह नहीं कर पाई जैसा मैंने सोचा था और मुझे यह बात स्वीकार करने में थोड़ा समय लगा। वह पिछले साल से ही चोटिल होने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर वापसी नहीं कर पा रहीं थीं। विश्व चैंपियनशिप में दो बार की पदक विजेता ने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान कुछ समय शांति के साथ बिताने पर है। उन्होंने लिखा, 'मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मैं आगे क्या करुंगी, लेकिन फिलहाल मैं जीवन का आनंद लेने जा रही हूं। भारत की बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने ताई जु को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए एक कठिन प्रतिद्वंदी बताया।

अभिषेक ऑस्ट्रेलिया में सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

ब्रिस्बेन। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज बल्लेबाज़ अभिषेक शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। अभिषेक इस सीरीज़ में कुल 163 रन बनाए। इसी के साथ ही अब वह ऑस्ट्रेलिया में किसी एक टी20 अंतराष्ट्रीय सीरीज़ में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीयों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने यहां साल 2016 में 143 रन बनाये थे जबकि विराट कोहली ने 199 रन बनाये थे। अभिषेक ने तीसरे मुकाबले में 23 रन बनाये थे। बारिश के कारण ये मैच रद्द कर दिया गया था। अब अभिषेक का नाम विराट कोहली के बाद ऑस्ट्रेलिया में एक टी20 सीरीज़ में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ के तौर पर शामिल हो गय है। ऑस्ट्रेलिया में एक टी20 सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में विराट नंबर एक पर हैं।

सुंदर को मिला 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' अवार्ड

बीसीसीआई ने जारी किया वीडियो

ब्रिसबेन। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से स्पिन ऑलराउंड वाशिंगटन सुंदर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' का अवार्ड दिया गया है। भारतीय टीम की इस सीरीज में 2-1 से जीत में सुंदर की अहम भूमिका रही है।

बीसीसीआई ने एक वीडियो जारी किया है इसमें 'ड्रेसिंग रूम में सीओओ राहिल खाजा सुंदर को अवार्ड प्रदान करते दिखे। इससे सुंदर बेहद खुश दिखे, इस क्रिकेटर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में खेलना उनके लिए जबरदस्त अनुभव रहा। साथ ही कहा कि टीम की जीत में योगदान देना मेरे लिए गर्व की बात है।

सुंदर ने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की। तीसरे टी20 में उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा गया, जहां उन्होंने 23 गेंदों में ही चार छक्के और तीन चौके लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलाई थी। वहीं चौथे मैच में उन्होंने केवल 5 गेंदों में ही3 विकेट लिए और टीम को 48 रन से जीत दिलाई।

गाबा में खेला गया पांचवां मैच बारिश के कारण रद्द हो गया जिससे भारतीय टीम 2-1 से सीरीज जीत गयी।

पुरस्कार मिलने पर उत्साहित सुंदर ने टीम स्टाफ की मेहनत को भी याद किया और कहा, खाजा सर हमारी हर जरूरत को आसान बनाने के लिए पूरे प्रयास करते हैं।

सुंदर टी20 में काफी अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्होंने अब तक खेले 57 मैचों में 22 से कम औसत और सात से कम इकोनॉमी रेट के साथ गेंदबाजी की है, जबकि उनका बल्लेबाजी स्ट्राइक रेट 134 से अधिक का रहा है। 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' के जरिये टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों को प्रेरित करने उनका सम्मान किया जाता है।

रेणुका सिंह ठाकुर : लड़कों संग खेलकर सीखी खतरनाक गेंदबाजी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों से निकलकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने वो मुकाम हासिल किया है, जिस पर आज पूरा देश गर्व कर रहा है। हाल ही में वर्ल्ड कप जीतने के बाद जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई, तो पीएम मोदी ने रेणुका की मां सुनीता ठाकुर की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा, आपकी माता जी के लिए तो विशेष रूप से प्रणाम करूंगा। उन्होंने कठिन जीवन में आपके लिए इतना संघर्ष किया। एक मां इतनी मेहनत करें और बेटी के लिए करें, ये अपने आप में बड़ी बात है। यह सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि एक संघर्ष, उम्मीद और सफलता की कहानी है, जहां एक साधारण गांव की बेटी ने अपने पिता का सपना पूरा किया और पूरे देश को गौरवान्वित किया।

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रोहडू उपमंडल के पारसा गांव में 2 जनवरी 1996 को जन्मी रेणुका ठाकुर का बचपन संघर्षों से भरा रहा। जब वह मात्र तीन साल की थीं, तभी उनके पिता केहर सिंह ठाकुर का निधन हो गया। पिता सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थे और खुद क्रिकेट के बड़े प्रशंसक थे। वे चाहते थे कि उनके बच्चे खेल की दुनिया में आगे बढ़ें। पिता के जाने के बाद परिवार की सारी

जिम्मेदारी मां सुनीता ठाकुर पर आ गई। उन्होंने न सिर्फ घर संभाला, बल्कि रेणुका और उनके भाई विनोद ठाकुर को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया।

गांव की पाठशाला से शुरू हुई शिक्षा

रेणुका ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल (जी.एस.एस. स्कूल, धर्मशाला) से शुरू की। बचपन में वे अक्सर अपने भाई और गांव के लड़कों के साथ क्रिकेट खेला करती थीं। उनकी गेंदबाजी देखकर गांव के पीटी टीचर व रेणुका के चाचा भूपेंद्र ठाकुर इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने सुझाव दिया कि रेणुका को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) अकादमी, धर्मशाला में भेजा जाए। मां ने अपने जेठ की सलाह मानी और साल 2009 में रेणुका को एचपीसीए में दाखिला दिलाया। यही वह कदम था जिसने रेणुका की जिंदगी की दिशा बदल दी।

रेणुका ने अपनी मिडल और सीनियर सेकेंडरी शिक्षा जेएल्ही सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कांगड़ा से पूरी की। इसके बाद उन्होंने गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर और खालसा कॉलेज, अमृतसर से ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की। इसी दौरान रेणुका ने पूरी गंभीरता से क्रिकेट को अपना करियर बनाने का निर्णय लिया। एचपीसीए की ट्रेनिंग और शैक्षणिक अनुशासन ने उन्हें निखारा और एक प्रोफेशनल तेज गेंदबाज बनने की दिशा में आगे बढ़ाया।

अक्टूबर 2021 में रेणुका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 डेब्यू किया और फरवरी 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे डेब्यू किया। इसके बाद 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं और देश को सिल्वर मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें आईसीसी द्वारा 'इमर्जिंग वुमन क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2022' का सम्मान भी मिला।

वर्ल्ड कप में प्रदर्शन और पीएम की सराहना

हाल ही में वर्ल्ड कप में रेणुका ने 7 में से 5 मैच खेले और 3 विकेट हासिल किए। हालांकि आंकड़े सीमित रहे, लेकिन उनकी किफायती गेंदबाजी ने सभी को प्रभावित किया। फाइनल में उनके ओवर पर दो कैच ड्रॉप हुए, वरना आंकड़े और शानदार होते। वर्ल्ड कप जीतने के बाद जब पूरी टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली, तो पीएम ने विशेष रूप से रेणुका ठाकुर की मां की सराहना की। यह पल सिर्फ रेणुका नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल के लिए गर्व का विषय बन गया।

सूर्यकुमार ने शुभमन के कम स्ट्राइक रेट का बचाव किया बोले, वह हालातों के अनुसार खेलता है

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कम स्ट्राइक रेट को लेकर सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का बचाव किया है। शुभमन और अभिषेक ने ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज में भारतीय पारी की शुरुआत की थी पर जहां अभिषेक बेहद तेजी से खेलते हैं। वहीं शुभमन की बल्लेबाजी काफी धीमी रही। भारतीय टीम ने हालांकि ये सीरीज 2-1 से जीती। सूर्यकुमार ने शुभमन के स्ट्राइक रेट को लेकर कहा कि उनकी साजी जोड़ी अभिषेक शर्मा के साथ काफी अच्छी रही है। शुभमन हालातों र विकेट के अनुसार बल्लेबाजी करते हैं। गिल और अभिषेक दोनों ही एक-दूसरे के स्ट्राइक रेट की बराबरी करने का प्रयास करते हैं। दोनों की जोड़ी काफी अच्छी रही है। साथ ही कहा, मेरा मानना है कि अगर विकेट कठिन है, तो उस पर रुककर खेलना जरूरी है। ब्रिसबेन का विकेट अच्छा था, जिसपर शुभमन और अभिषेक ने पांच से कम ओवर में 50 से अधिक रन बनाए। पिछले मैच में, विकेट कठिन था और उसे समझना जरूरी था। वहीं पर अनुभवी खिलाड़ी की जरुरत होती है। अभिषेक और शुभमन दोनों के बीच अच्छी बातचीत रही है। दोनों विकेट और हालातों के अनुसार खेलना जानते हैं। सूर्या ही नहीं अभिषेक भी शुभमन के स्ट्राइक रेट को लेकर संतुष्ट हैं। अभिषेक ने कहा, वह सीरीज में जिस तरह से खेल रहा था, उसे देखिए। हम अंडर-12 के दिनों से साथ खेल रहे हैं, इसलिए हमारे बीच अच्छी समझ है। मुझे पता है कि वह कौन से शॉट खेलना चाहता है और किस गेंदबाज़ पर कब खेलना चाहता है।

जवागल श्रीनाथ की रफ्तार से कांपते थे बल्लेबाज - वेंकटपति राजू

नई दिल्ली। 90 के दशक में भारतीय क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाजी का चेहरा रहे जवागल श्रीनाथ को आज की युवा पीढ़ी भले ही उतना न जानती हो, लेकिन एक समय था जब उनकी रफ्तार से दुनिया के दिग्गज बल्लेबाज भी खौफ खाते थे। कपिल देव के संन्यास के बाद श्रीनाथ ने लंबे समय तक भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की अगुवाई की और कई मुकाबलों में भारत को यादगार जीत दिलाई। उन्होंने 348 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 551 विकेट लेकर अपने नाम सुनहरा अध्याय दर्ज किया।

श्रीनाथ ने 1991 में टीम इंडिया के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अपने शुरुआती दिनों में ही उन्होंने ऐसी तेज गेंदबाजी दिखाई कि सीनियर खिलाड़ी भी उनसे परेशान हो उठे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटपति राजू ने एक पॉडकास्ट में इस बात का खुलासा किया कि एक बार नेट्स पर दिलीप वेंगसरकर, श्रीनाथ की गति से इतने चकित हुए कि उन्होंने गुस्से में उन्हें गाली तक दे दी।

राजू ने बताया कि 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में भारत के पास मनोज प्रभाकर जैसे स्विंग गेंदबाज और चेतन शर्मा जैसे फुर्तीले गेंदबाज थे, लेकिन उनमें निरंतरता की कमी थी। ऐसे में जब जवागल श्रीनाथ आए, तो टीम को एक असली तेज गेंदबाज मिल गया। इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए बेंगलुरु में अभ्यास सत्र चल रहा था, जहां श्रीनाथ को टीम के बल्लेबाजों को नेट्स पर गेंदबाजी करने का मौका मिला। प्रैक्टिस के दौरान श्रीनाथ ने वेंगसरकर को एक तेज शॉर्ट पिच गेंद फेंकी। गेंद की रफ्तार इतनी थी कि वेंगसरकर का बल्ला हाथ से छूट गया। गुस्से में उन्होंने श्रीनाथ को डांटते हुए कहा, 'मैच में आकर दिखाना!' श्रीनाथ ने जवाब में कुछ नहीं कहा, बस मुस्करा दिए। कुछ समय बाद देवधर ट्रॉफी में दोनों आमने-सामने हुए। उस मैच में बोर्ड प्रेसिडेंट इलेवन की कप्तानी रवि शास्त्री कर रहे थे। उन्होंने श्रीनाथ को वेंगसरकर की वही बात याद दिलाई और कहा, पहली गेंद बाउंसर डालना। श्रीनाथ ने कप्तान की बात मानी और पहली ही गेंद पर वेंगसरकर को फिर से झटका दे दिया इस बार भी उनका बल्ला हाथ से छूट गया। वेंगसरकर ने बाद में कहा, बहुत तेज डालता है यह लड़का।

ईसीबी ने खत्म किया कूकाबुरा गेंद का प्रयोग

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 2026 सीजन से काउंटी चैंपियनशिप में कूकाबुरा गेंद के इस्तेमाल को समाप्त करने का फैसला किया है। यह निर्णय काउंटी क्रिकेट निदेशकों और पेशेवर खेल समिति से मिली प्रतिक्रिया के बाद लिया गया है। तीन साल पहले इस प्रयोग की शुरुआत खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की परिस्थितियों के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन यह उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। ईसीबी ने बताया कि कूकाबुरा गेंद के प्रयोग का परिणाम अपेक्षाकृत निष्प्रभावी रहा और अधिकांश मैचों में गेंदबाजों को कोई विशेष मदद नहीं मिली। इस सीजन में सरे और डरहम के बीच ओवल में खेला गया मुकाबला इसका सबसे बड़ा उदाहरण रहा, जहां मेजबान सरे ने 9 विकेट पर 820 रन बनाकर पारी घोषित की थी। कूकाबुरा गेंद का इस्तेमाल पहली बार 2023 सीजन में दो राउंड के मैचों में किया गया था। इसके बाद इसे 2024 और 2025 में चार-चार राउंड तक बढ़ाया गया। हालांकि, अक्टूबर में हुई बैठक के दौरान सभी 18 प्रथम श्रेणी काउंटियों के क्रिकेट निदेशकों ने इस प्रयोग को बंद करने की सिफारिश की। ईसीबी की पेशेवर खेल समिति ने इस सप्ताह की शुरुआत में औपचारिक रूप से निर्णय लिया कि 2026 से सभी 14 राउंड पारंपरिक ड्यूक्स गेंद से खेले जाएंगे। ड्यूक्स गेंद इंग्लैंड की घरेलू क्रिकेट की पहचान मानी जाती है, क्योंकि यह हाथ से सिली जाती है और स्विंग के लिए जानी जाती है। ईसीबी के इस फैसले के साथ काउंटी क्रिकेट एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में लौट आएगी, जहां गेंदबाजों को पारंपरिक स्विंग और सीम मूवमेंट का फायदा मिलेगा, और इंग्लिश परिस्थितियों में गेंदबाजों का दबदबा फिर से देखने को मिल सकता है।

भारत ए ने 382 रन बनाकर दूसरी पारी घोषित की, कुल बढ़त 416 रन हुई

बेंगलुरु। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने दक्षिण अफ्रीका 'ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच की दूसरी पारी में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए शतक लगाया है। जुरेल ने छठे विकेट के लिए हर्ष दुबे के साथ ही नाबाद 127 रन बनाये। इन दोनो के बीच 184 रनों की साझेदारी हुई। हर्ष ने 84 रन बनाये। इससे पहले ए टीम ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 382 रन बनाकर घोषित कर दी। इस प्रकार भारतीय टीम की कुल बढ़त 416 रन पहुंच गयी है। जुरेल ने पहली पारी में भी शतक लगाया था। वहीं दक्षिण अफ्रीका ए ने इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में 25 रन बना लिए थे। इस प्रकार उसे जीत के लिए और 392 रनों की और जरूरत है। दिन का खेल समाप्त होने के समय लेसेगो सेनोक्वेन 9 और जॉर्डन हरमन 15 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने पहली पारी में नाबाद 132 रन बनाये थे। जुरेल ने इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं कप्तान ऋषभ पंत पंत ने तेजी से खेलते हुए 54 गेंद में पांच चौके और चार छक्के लगाकर 65 रन बनाये। वह दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज मोराकी की गेंद पर चोटिल होने के बाद 'रिटायर्ड हर्ट हो गये और ऐसे में पारी घोषित कर दी गयी। दक्षिण अफ्रीका ए की ओर से तेज गेंदबाज ओकुहले सेले ने तीन विकेट लिए।

धोनी फैंस के लिए खुशखबरी : 2026 में भी खेलेंगे 'कैप्टन कूल'

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) काशी विश्वनाथन ने साफ तौर पर कह दिया है कि टीम को पूरा भरोसा है कि महेंद्र सिंह धोनी अगले सीजन यानी आईपीएल 2026 में भी मैदान पर उतरेंगे। लंबे समय से चल रही धोनी के संन्यास की अटकलों पर अब विराम लग गया है। विश्वनाथन ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, ध्यह सही है, एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।ध यह बयान ऐसे समय में आया है जब फैंस लगातार यह सवाल पूछ रहे थे कि क्या धोनी 2025 सीजन के बाद आईपीएल से विदाई लेंगे। फ्रेंचाइजी के सीईओ ने पहले भी एक युवा प्रशंसक से बातचीत में इसी बात की पुष्टि की थी।

2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना से जुड़े काशी विश्वनाथन, सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से हैं। उन्होंने कहा कि धोनी न केवल टीम के लिए बल्कि पूरी फ्रेंचाइजी की आत्मा बन चुके हैं। गौरतलब है कि धोनी (44) का आईपीएल में भविष्य पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में बना हुआ है, लेकिन अब 2026 तक उनके खेलने की संभावना लगभग तय हो रही है। पिछले सीजन में सीएसके का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था और टीम निचले पायदान पर रही थी। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अनुपस्थिति में धोनी ने खुद टीम की कमान संभाली थी। क्रिकेट जगत में माना जा रहा है कि वह अपनी शानदार कप्तानी और प्रदर्शन के साथ एक यादगार सीजन के बाद संन्यास लेना चाहेंगे।

धोनी ने अब तक 248 मैचों में सीएसके के लिए 4,865 रन बनाए हैं और टीम को पांच बार आईपीएल खिताब (2010, 2011, 2018, 2021 और 2023) जिताया है। अगर वह अगले सीजन में खेलते हैं, तो यह उनके लिए सीएसके का 17वां और आईपीएल करियर का 19वां सीजन होगा। धोनी की वापसी की इस खबर ने फैंस में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है।

हांगकांग सिक्सेस के सेमीफाइनल में पहुंची ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान

हांगकांग। कुवैत के खिलाफ 27 रनों से मिली हार के साथ ही भारतीय टीम हांगकांग सिक्सेस से बाहर हो गयी है। भारतीय टीम की ये पूल सी में लगातार तीसरी हार थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की टीमें अपने-अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची थी। वहीं कुवैत की टीम ग्रुप में शीर्ष पर रही जबकि पाकिस्तान की टीम को दूसरा स्थान मिला।

कुवैत के खिलाफ 107 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 79 रनों पर छह विकेट खो दिये। कुवैत की ओर से यासीन पटेल ने 23 रन देकर तीन विकेट लिए। इस जी के साथ ही पाक और कुवैत की टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। वहीं भारतीय टीम 'बाउल मैच में पहुंच गयी। दूसरी ओर पाक ने दक्षिण अफ्रीका को 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ 'बाउल चरण के मैच में भी भारत का संघर्ष जारी रहा। अभिमन्यु मिथुन (16 गेंद में 50 रन) और दिनेश कार्तिक (14 गेंद में 42 रन) की तेज पारियों के बाद भी भारतीय टीम के गेंदबाज 108 रनों का बचाव नहीं कर पाये। यूएई की ओर से खालिद शाह ने 14 गेंद में 50 रन की तेज पारी खेलकर अपनी टीम को चार विकेट से जीत दिला दी। नेपाल ने 'बाउल मैच में भारतीय टीम को 92 रन से हराया। नेपाल की टीम ने छह ओवर में बिना किसी नुकसान के 137 रन बनाये पर भारतीय टीम जवाब में 45 रन ही बना पायी। राशिद खान ने नेपाल की ओर से 17 गेंद में 55 रन बनाने के बाद तीन विकेट लिए। वहीं बेन मैकडरमोट ने 11 में 51 रन) और कप्तान एलेक्स रॉस ने 50 रन बनाये। इससे ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 54 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी। उसकी ओर से क्रिस ग्रीन ने 32 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया।

चंद्रयान-2 का नया कमाल :

इसरो ने खोले चंद्रमा के ध्रुवीय रहस्य, वॉटर-आईस की संभावना मजबूत!

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिले एडवांस्ड डेटा प्रोडक्ट्स की घोषणा की, जो चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों (पोलर रीजन) की गहरी समझ दे रहे हैं। इनमें सतह की भौतिक विशेषताएं (फिजिकल प्रॉपर्टीज), डाइलेक्ट्रिक गुण और वॉटर-आईस की संभावित मौजूदगी से जुड़े नए पैरामीटर्स शामिल हैं। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से प्राप्त एडवांस्ड डेटा प्रोडक्ट्स लूनर पोलर रीजन की गहन समझ के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह भारत का भविष्य के ग्लोबल चंद्र अन्वेषण में बड़ा योगदान होगा।

चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर 2019 से लूनर कक्षा में सक्रिय है। इसके डुअल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार (डीएफएसएआर) ने अब तक 1400 से अधिक हाई-क्वालिटी रडार डेटासेट उपलब्ध कराए हैं। यह दुनिया का पहला उपकरण है, जो 25 मीटर प्रति पिक्सल रेजोल्यूशन पर एल-बैंड में फुल-पोलरिमेट्रिक मोड से चंद्रमा की मैपिंग करता है। यह रडार वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल दोनों दिशाओं में सिग्नल भेजता और प्राप्त करता है, जिससे सतह की संरचना, खुरदरापन और घनत्व का सटीक विश्लेषण संभव हो पाता है।

अहमदाबाद के स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) के वैज्ञानिकों ने इन डेटासेट्स का उपयोग कर स्वदेशी एल्गोरिदम विकसित किए हैं। इनसे तीन प्रमुख एडवांस्ड प्रोडक्ट्स तैयार हुए हैं। वॉटर-आईस की संभावना, सतह का खुरदरापन और डाइलेक्ट्रिक कॉन्स्टेंट। डाइलेक्ट्रिक कॉन्स्टेंट चंद्रमा की मिट्टी की डेंसिटी, पोरसिटी और रासायनिक संरचना बताता है, जो भविष्य में लैंडिंग साइट चुनने और संसाधन उपयोग के लिए अहम है।

इसरो के मुताबिक, ये डेटा प्रोडक्ट्स चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों में पहली बार इतनी बारीकी से तैयार किए गए हैं। खासकर दक्षिणी ध्रुव पर, जहां भारत का चंद्रयान-3 लैंडिंग कर चुका है, इनकी उपयोगिता और बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि वॉटर-आईस की पुष्टि भविष्य के मानव मिशनों के लिए ईंधन (हाइड्रोजन-ऑक्सीजन) और पीने का पानी उपलब्ध करा सकती है। इसरो ने फुल-पोलरिमेट्रिक डेटा एनालिसिस के लिए पूरी तरह स्वदेशी तकनीक विकसित की है। ये प्रोडक्ट्स न सिर्फ भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को मजबूत करेंगे, बल्कि नासा, ईएसए जैसे वैश्विक एजेंसियों के साथ सहयोग में भी योगदान देंगे। चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर आज भी 100 किमी की कक्षा में सक्रिय है और 7 साल से अधिक डेटा भेज रहा है। यह मिशन की सफलता और इसरो की तकनीकी क्षमता का जीता-जागता प्रमाण है। भविष्य में गगनयान, चंद्रयान-4 और अंतरराष्ट्रीय चंद्र स्टेशन के लिए ये आंकड़े आधार बनेंगे। इसरो का यह कदम चंद्रमा को समझने और उस पर कब्जा जमाने की वैश्विक दौड़ में भारत को मजबूत स्थिति दे रहा है।

डेड हो चुकी महिला की रगों में फिर दौड़ा खून, यह एशिया का पहला मामला

एक प्रोसीजर से शरीर से लीवर और किडनी को सुरक्षित निकालकर ट्रांसप्लांट किया

नई दिल्ली। मरने के बाद वापस जिंदा होना किसी चमत्कार से कम नहीं होता। ऐसा ही चमत्कार दिल्ली के डॉक्टरों ने 55 साल की मर चुकी महिला की रगों में फिर से खून का प्रवाह यानी ब्लड सर्कुलेशन शुरू कर किया। ऐसा महिला के अंगों को दान करने के लिए किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मृत महिला के शरीर में फिर से खून का प्रवाह मणिपाल अस्पताल में किया गया। यह प्रोसीजर एशिया में अपनी तरह का पहला है, जहां अंगों को निकालने के लिए मौत के बाद ब्लड सर्कुलेशन फिर से शुरू किया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गीता चावला नामक महिला मोटर न्यूरॉन नामक बीमारी से पैरालाइज्ड थीं। इसलिए वह काफी समय से बैड पर थीं। उन्हें 5 नवंबर को सांस लेने में समस्या होने लगी, तो आनन-फानन में अस्पताल लाया गया। उनकी हालत बिगड़ी तो परिवार ने उन्हें लाइफ सपोर्ट पर न रखने का फैसला किया। अंततः उन्होंने 6 नवंबर की रात 8:43 बजे इस दुनिया को अलविदा कह दिया। गीता चावला की ख्वाहिश थी कि मरने के बाद उनके अंगों को दान किया जाए। उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए, मेडिकल टीम ने नॉर्मोथर्मिक रीजनल परफ्यूजन नामक एक दुर्लभ और जटिल प्रोसीजर किया। एक्स्ट्राकॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजिनेटर का इस्तेमाल करके डॉक्टरों ने उनके पेट के अंगों में ब्लड सर्कुलेशन को सफलतापूर्वक शुरू किया। ऐसा तब हुआ जब उनका दिल धड़कना बंद हो गया था और ईसीजी लाइन फ्लैट होने के पांच मिनट बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन के चेयरमैन ने कहा कि एशिया में यह पहली बार है कि दान के लिए अंगों को सुरक्षित रखने के लिए मौत के बाद ब्लड सर्कुलेशन फिर से शुरू किया गया हो। उन्होंने कहा कि भारत में अंग दान आमतौर पर ब्रेन डेथ के बाद होता है, जब दिल धड़क रहा होता है। सर्कुलेटरी डेथ के बाद दान में दिल धड़कना बंद हो जाता है, इसलिए समय बहुत अहम होता है। एनआरपी का इस्तेमाल करके लिवर और किडनी को सुरक्षित रूप से निकालने और अलॉट करने के लिए काफी देर तक जीवित रखा। प्रोसीजर के बाद नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन ने अंगों को तुरंत ट्रांसप्लांटेशन के लिए अलॉट कर दिया। गीता चावला का लिवर इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज में 48 साल के एक व्यक्ति को ट्रांसप्लांट किया, जबकि उनकी किडनी मैक्स हॉस्पिटल साकेत में 63 और 58 साल के दो अन्य पुरुष मरीजों को दी गईं। उनकी कॉर्निया और त्वचा भी दान की गई, जिससे कई मरीजों को फायदा हुआ।

भगोड़े मेहुल चौकसी की 13 संपत्तियों को नीलाम करने की कोर्ट ने दी इजाजत

नई दिल्ली। 23 हजार करोड़ के पीएनबी घोटाले के आरोपी मेहुल चौकसी की 13 संपत्तियों की नीलामी जल्द शुरू होगी। पीएमएलए कोर्ट ने 46 करोड़ रुपए की कंपनियों की नीलामी की इजाजत दे दी है। इनमें बोरीवली का एक फ्लैट जिसकी कीमत 2.6 करोड़ रुपए, बीकेसी में भारत डायमंड बोर्स और कार पार्किंग का स्पेस कीमत 19.7 करोड़, गोरेगांव की 6 फैक्ट्रियां कीमत 18.7 करोड़, चांदी की ईंटें, कीमती रत्न और कंपनी की कई मशीनें शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विशेष जज एवी गुजराती ने कहा कि अगर इन संपत्तियों के ऐसा ही पड़ा रहने दिया तो इनकी कीमत घटती जाएगी।

सुवेंदु का ममता पर तीखा हमला कहा- बंगाल में दुष्कर्म जैसी घटना को दबाती है पुलिस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की बदहाली पर नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को असफल करार दिया है। तारकेश्वर में चार वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि बच्ची की जिंदगी बर्बाद हो गई, लेकिन पुलिस एफआईआर दर्ज करने के बजाय अपराध दबाने में लगी है। परिवार पुलिस स्टेशन पहुंचा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं। बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, फिर चंदननगर रेफर कर दिया। सुवेंदु ने सवाल उठाया कि तारकेश्वर पुलिस कानून की रक्षा कर रही है या ममता के चाटुकार बनी हुई है? उन्होंने कहा कि यह ममता बनर्जी के बेलगाम शासन का असली चेहरा है। हर बार एक ही कहानी—बलात्कार, एफआईआर न होना या देरी, अस्पताल रेफर, मीडिया ब्लैकआउट और टीएमसी नेताओं का पर्दाफाश। ममता बनर्जी, आपके राजनीतिक अस्तित्व के लिए और कितनी मासूम बेटियों की जान कुर्बान करनी पड़ेगी? सुवेंदु ने ममता पर निशाना साधते हुए कहा कि आपके शासन में पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था चरमरा गई है। पुलिस सच्चाई दबाकर राज्य की नकली छवि बचा रही है। तारकेश्वर पुलिस ने अपनी शपथ भुला दी है। यह घटना सिर्फ एक उदाहरण है, जो राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं की पोल खोलती है। इससे पहले सुवेंदु ने कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केएमसी अवैध तरीके से जन्म प्रमाणपत्र जारी कर रहा है। इनका मकसद वास्तविक नागरिकों की मदद नहीं, बल्कि उन संदिग्ध व्यक्तियों को फायदा पहुंचाना है, जिनके नाम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। एक्स पर पोस्ट में सुवेंदु ने चुनाव आयोग से तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने लिखा कि यह मतदाता सूची में हेरफेर और लोकतंत्र को कमजोर करने का घोर प्रयास है। जन्म प्रमाणपत्र कानूनी दस्तावेज हैं, जो नवजात शिशुओं या दुर्लभ मामलों में देरी से पंजीकरण के लिए जारी होते हैं। ये राजनीतिक हथियार नहीं, जिनका इस्तेमाल वोट बैंक के लिए जनसांख्यिकी बदलने में हो। भाजपा नेता का कहना है कि टीएमसी सत्ता बचाने के लिए किसी भी हद तक जा रही है।

बीजिंग, शंघाई और हॉन्ग कॉन्ग को पीछे छोड़ मुंबई बन गया एशिया का सबसे खुशहाल शहर

नई दिल्ली। बीजिंग, शंघाई और हॉन्ग कॉन्ग को पीछे छोड़कर भारत की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई सबसे खुशहाल शहर बन गई है। हाल ही में आए एक सर्वे के मुताबिक लोगों से पूछा गया कि उनका शहर कितना मजेदार है, नाइटलाइफ कैसी है, खाना कितना लाजवाब, जिंदगी की क्वालिटी क्या है, और सबसे जरूरी - क्या ये शहर उन्हें खुश रखता है और यहां के लोग पॉजिटिव लगते हैं। नतीजा? एशिया की सबसे खुशहाल शहर की ताज मुंबई के सिर सजा, जिसने बीजिंग, शंघाई, चियांग माई और हनोई को पछाड़ दिया।

बीजिंग और शंघाई दूसरे-तीसरे नंबर पर हैं, जहां क्रमशः 93 फीसदी और 92 फीसदी लोग खुश हैं। ये दोनों मेगा शहर सेफ्टी, सुविधा, खर्च और कल्चर में टॉप पर हैं, और जेन जेड के लिए फ्यूचर वाली जीवंत जगहें बने हुए हैं। थाइलैंड का चियांग माई और वियतनाम का हनोई टॉप फाइव में हैं। दोनों में 88 फीसदी लोग कहते हैं कि उनका शहर उन्हें खुशी देता है। रोजमर्रा की खुशी में हनोई से थोड़ा आगे निकला। दोनों ही शहर हरे-भरे स्पेस, सुस्त रफ्तार और गहरे कम्युनिटी बॉन्ड के लिए मशहूर हैं - शांति और कनेक्शन ढूंढने वालों के लिए परफेक्ट। कुछ बड़े शहर क्यों पीछे रह गए? हर बड़ा शहर टॉप पर नहीं पहुंचा। सियोल, सिंगापुर और टोक्यो नीचे हैं, टोक्यो में तो सिर्फ 70 फीसदी लोग ही कहते हैं कि शहर उन्हें खुश रखता है। लंबे वर्किंग ऑवर्स और तेज रफ्तार जिंदगी थका देती है, जिससे साफ पता चलता है कि पार्क, बाथहाउस और नेचर ट्रिप्स कितने जरूरी हैं स्ट्रेस कम करने के लिए।94 फीसदी मुंबईकर कहते हैं कि ये शहर उन्हें खुशी देता है। आंकड़ों से परे बात करें तो यहां की कभी न रुकने वाली एनर्जी, धड़कता सोशल सीन और मौकों की भरमार ही लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाती है। 89 फीसदी को लगता है कि मुंबई में वो कहीं और से ज्यादा खुश हैं। 88 फीसदी मानते हैं कि शहर के लोग बेहद पॉजिटिव हैं। 87 फीसदी का कहना है कि मुंबई में खुशी हाल ही में और बढ़ी है। रिपोर्ट कहती है कि मुंबई का नंबर वन आना इसके धमाकेदार एंटरटेनमेंट, रौनक भरी सोशल लाइफ, ढेर सारे करियर ऑप्शंस और एशिया के बेस्ट स्ट्रीट फूड सिटी होने की वजह से हुआ है।

एशिया के टॉप 10 सबसे खुश शहर, 2025

मुंबई, भारत
बीजिंग, चीन
शंघाई, चीन
चियांग माई, थाइलैंड
हनोई, वियतनाम
जकार्ता, इंडोनेशिया
हॉन्ग कॉन्ग
बैंकॉक, थाइलैंड
सिंगापुर
सियोल, साउथ कोरिया

महाराष्ट्र में बड़ा सवाल : क्या निकाय चुनावों में टूट जाएगा उद्धव और शरद पवार के साथ कांग्रेस का गठबंधन?

मुंबई। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में महाराष्ट्र कांग्रेस अगले सप्ताह यह फैसला करेगी कि राज्य में चुनावों के लिए अन्य दलों के साथ गठबंधन किया जाए या नहीं। खबरों के मुताबिक यह निर्णय 12 नवंबर को होने वाली महाराष्ट्र कांग्रेस संसदीय बोर्ड की बैठक में लिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि सबसे पहले सभी जिला अध्यक्षों के साथ चर्चा की जाएगी, जिसके बाद राज्य के वरिष्ठ नेता विचार-विमर्श करेंगे और अंतिम फैसला लेंगे। बैठक में यह तय होने की उम्मीद है कि कांग्रेस को अपने महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों शिवसेना (उबाठा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के साथ गठबंधन करना चाहिए या नहीं।

सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ किसी भी तरह के गठबंधन को लेकर पार्टी के भीतर विरोध है। पिछले कुछ महीनों से, शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई एवं मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे आगामी स्थानीय निकाय चुनाव से पहले हाथ मिलाने के संकेत दे रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि उनके जिला संसदीय बोर्ड दो दिसंबर को होने वाले 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के साक्षात्कार पूरे करने और संभावित उम्मीदवारों की सूची बनाने की प्रक्रिया में हैं। सूत्रों ने बताया, 'ब्लॉक स्तर के नेता स्थानीय स्तर पर चुनाव रणनीति की देखरेख कर रहे हैं और जिला इकाई प्रमुख अपने-अपने क्षेत्रों का प्रबंधन कर रहे हैं, जबकि प्रमुख नेता संभाग स्तर पर गतिविधियों की देखरेख, रणनीति और प्रचार कर रहे हैं।' राज्य निर्वाचन आयोग ने अभी तक 29 नगर निगमों के लिए, चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया है, जिनमें मुंबई में बृहन्मुंबई महानगर पालिका, 32 जिला परिषद और 336 पंचायत समितियां शामिल हैं, जहां चुनाव 31 जनवरी, 2026 तक पूरे होने हैं। उन्होंने कहा, हमने अपने स्थानीय नेताओं से कहा है कि वे जमीनी स्तर पर राजनीतिक स्थिति के अनुसार केवल कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन दलों के साथ गठबंधन पर फैसला लें। सूत्रों ने कहा, 'हमें 6,859 सीट के लिए उम्मीदवारों से 35,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।' दो दिसंबर को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू होगी। कांग्रेस के सूत्रों ने दावा किया कि पार्टी के लिए चुनाव में अच्छी संभावना है क्योंकि ग्रामीण मतदाता बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए राहत पैकेज को लेकर सरकार से 'नाराज' हैं। सूत्रों ने कहा कि उनके अनुसार 'वोट चोरी' का उनका मुद्दा जमीनी स्तर पर पहुंच गया है।

पुणे जमीन विवाद पर बोले अजित पवार-

मुझे पता होता तो मैं सौदा नहीं होने देता

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष अजित पवार ने पुणे के मुंडवा-कोरेगांव पार्क में उनके बेटे पार्थ पवार से जुड़े विवादास्पद जमीन लेन-देन पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस सौदे की जानकारी होती, तो वे इसे होने ही नहीं देते। यह जमीन महार वतन (सरकारी संपत्ति) थी, जिसका बिक्री दस्तावेज नहीं बन सकता। फिर भी, यह लेन-देन कैसे हुआ, इसकी गहन जांच होगी। पवार ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार को इससे कोई नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे की अगुवाई वाली छह सदस्यीय समिति इसकी जांच करेगी। कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाई और दबाव डाला, लेकिन जांच से सच्चाई सामने आ जाएगी। क्या इसमें किसी का दबाव था? यह सवाल उठा है।

अब विवाद बढ़ने के बाद यह सौदा रद्द हो चुका है। अमेडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी—जिसमें पार्थ पवार पार्टनर हैं- ने 40 एकड़ जमीन 300 करोड़ रुपये में खरीदी थी, जबकि बाजार मूल्य 1600-1800 करोड़ रुपये था। स्टांप ड्यूटी में 21 करोड़ की छूट मिली, जो नियमों के खिलाफ था। पवार ने कहा कि पार्थ और उनके पार्टनर दिग्विजय पाटिल को पता नहीं था कि यह सरकारी जमीन है। कोई वित्तीय लेन-देन नहीं हुआ और कैंसिलेशन के लिए दस्तावेज जमा हो चुके हैं। लेकिन रद्द करने पर अब 42 करोड़ की डबल स्टांप ड्यूटी चुकानी पड़ेगी, जो डेटा सेंटर प्रोजेक्ट रद्द होने से जुड़ी है।

पुणे के बोपोडी इलाके में पार्थ से जुड़े एक अन्य सौदे पर पवार ने कहा कि हमारा परिवार इससे जुड़ा नहीं था, लेकिन नाम का इस्तेमाल हुआ। मुझे जानकारी नहीं थी, वरना रोक देते। समिति पूरी जांच करेगी और एक महीने में रिपोर्ट देगी। पार्थ के खिलाफ एफआईआर न दर्ज होने पर पवार ने राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले का हवाला दिया। बावनकुले ने कहा कि पंजीकरण कार्यालय में मौजूद लोगों—दिग्विजय पाटिल (अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता), शीतल तेजवानी (पावर ऑफ अटॉर्नी धारक) और उप-पंजीयक रवींद्र तारू के खिलाफ एफआईआर हुई है। पार्थ का नाम नहीं क्योंकि वे साइन करने नहीं गए। राजस्व विभाग ने तारू और तहसीलदार सूर्यकांत येवाले को निलंबित कर दिया। जांच में धोखाधड़ी, स्टांप ड्यूटी चोरी और गलत पंजीकरण के आरोप हैं।

इससे पहले, एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार—अजित के चाचा—ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे गंभीर बताकर जांच का आदेश दिया है। समाज के सामने सच्चाई आनी चाहिए। शरद पवार ने कहा, मैं कुछ नहीं कह सकता, लेकिन समिति की रिपोर्ट से मुद्दे स्पष्ट होंगे। फडणवीस ने इसे गंभीर करार दिया और हाई-लेवल प्रोब का आदेश दिया। विपक्ष ने न्यायिक जांच की मांग की।

गैंगस्टर वेंकटेश गर्ग और भानु राणा जॉर्जिया और अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली। सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता मिली है। विदेशी धरती पर गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन में भारत के दो मोस्ट वांटेड अपराधी वेंकटेश गर्ग और भानु राणा को जॉर्जिया और अमेरिका में हिरासत में ले लिया है। दोनों पर हरियाणा और पंजाब में कई संगीन मामले दर्ज हैं। सरकार की तरफ से विदेशों में छिपे गैंगस्टरों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

हरियाणा का कुख्यात गैंगस्टर वेंकटेश गर्ग जॉर्जिया में पकड़ा गया है। इसे भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक वेंकटेश गर्ग को बहुत जल्द जॉर्जिया से भारत लाया जाएगा। उसे भारत लाने के लिए हरियाणा एसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम जॉर्जिया पहुंच चुकी है।

इस्कॉन मंदिर विवाद : मुंबई बनाम बेंगलुरु गुट पर सुप्रीम कोर्ट बेंच में उभरा मतभेद

-मामला अब जाएगा सीजेआई के पास

नई दिल्ली। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के मुंबई और बेंगलुरु गुटों के बीच मंदिर के नियंत्रण को लेकर चल रहे लंबे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में नया मोड़ आ गया है। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और ए.जी. मसीह की दो सदस्यीय पीठ ने इस मामले पर विभाजित फैसला सुनाया है। ऐसे में अब यह मामला आगे की कार्यवाही के लिए मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा जाएगा।

इस्कॉन का यह विवाद मुंबई मुख्यालय और बेंगलुरु शाखा के बीच मंदिर के प्रबंधन और नियंत्रण अधिकारों को लेकर है। मुंबई शाखा का दावा है कि बेंगलुरु इस्कॉन उसी संस्था का हिस्सा है, जबकि बेंगलुरु गुट खुद को स्वतंत्र ट्रस्ट बताता है। इससे जुड़े विवाद की शुरुआत 2009 में हुई थी, जब बेंगलुरु ट्रायल कोर्ट ने मंदिर के स्वामित्व के मामले में

बेंगलुरु शाखा के पक्ष में फैसला दिया था। लेकिन कर्नाटक हाईकोर्ट ने अप्रैल 2011 में यह फैसला पलटते हुए मंदिर का नियंत्रण मुंबई शाखा को सौंप दिया।

बेंगलुरु गुट ने दी थी चुनौती

बेंगलुरु गुट ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और ए.जी. मसीह की पीठ ने मई 2024 में हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए बेंगलुरु शाखा के पक्ष में निर्णय सुनाया था।

समीक्षा याचिका पर मतभेद

मुंबई शाखा ने मई में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले की समीक्षा याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और ए.जी. मसीह के बीच मतभेद सामने आया। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी ने माना कि मुंबई शाखा ने समीक्षा के लिए पर्याप्त आधार प्रस्तुत किया है, और याचिका को खुली अदालत में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करना का आदेश दिया। वहीं जस्टिस ए.जी. मसीह ने कहा कि रिकॉर्ड में कोई स्पष्ट त्रुटि नहीं है और समीक्षा याचिकाओं में कोई मेरिट नहीं है, इसलिए उन्होंने याचिकाएं खारिज करने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि दोनों जजों के मतभेद के कारण यह मामला अब मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखा जाएगा, जो आगे की सुनवाई के लिए नई पीठ का गठन करेंगे।

लंबा खिंचा विवाद

14 साल पुराने इस विवाद में अब तक कई स्तरों पर सुनवाई हो चुकी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों के फैसलों के बाद भी अब पक्षकार लगभग शुरुआती स्थिति में लौट आए हैं। इस निर्णय से स्पष्ट है कि इस्कॉन मंदिर का यह कानूनी संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है और अंतिम फैसला आने में अभी और समय लग सकता है।

हाईकोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के जिला न्यायपालिका की सेवा शर्तों में दखल देने के प्रयासों पर आपत्ति

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट के जिला न्यायपालिका की सेवा शर्तों में दखल देने के प्रयासों पर आपत्ति जताई है। यह पहली बार नहीं है जब दोनों अदालतों के बीच इस मुद्दे पर मतभेद हुआ। 2022 में तत्कालीन अटॉर्नी जनरल के वेणुगोपाल ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की ओर से तर्क दिया था कि संविधान सुप्रीम कोर्ट को हाईकोर्ट को डकेट प्रबंधन यानी मामलों को सूचीबद्ध करने और निपटाने की प्रक्रिया पर प्रशासनिक निर्देश देने का अधिकार नहीं देता है।

यह मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक मध्यस्थता पुरस्कार को लागू करने में हो रही देरी से जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने केवल उस मामले तक सीमित रहने के बजाय, हाईकोर्ट को देरी को दूर करने के लिए रोडमैप बनाने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के क 'न्यायाधीशों' के नेतृत्व में ऐसे प्रयास सालों से चल रहे हैं, जिनमें चेक बाउंस मामलों, आपराधिक अपीलों की लंबितता, जिला न्यायपालिका में रिक्तियों और बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दे शामिल हैं। इन मामलों में सुप्रीम कोर्ट की सिफारिशें अक्सर हाईकोर्ट को अदालत की ओर से नियुक्त मित्र की ओर से तैयार किए गए प्रैक्टिस रूल्स अधिसूचित करने का आदेश देने या विशिष्ट कार्यों को पूरा करने या मामलों के एक विशेष समूह को प्राथमिकता के आधार पर तय करने के लिए मनमानी समय सीमाएं तय करने तक सीमित रही हैं। सुप्रीम कोर्ट अपने द्वारा जारी निर्देशों के कार्यान्वयन की निगरानी भी जारी रखता है।

न्यूज गैलरी

13 से 17 नवंबर तक बालाघाट में राज्य स्तरीय साइक्लिंग प्रतियोगिता का आयोजन

10 संभाग के 300 प्रतिभागी होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। राज्य स्तरीय शालेय साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 13 से 17 नवंबर 2025 तक बालाघाट में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर कलेक्टर मृणाल मीना ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं उनकी टीम को पुलिस, परिवहन, नगरपालिका बालाघाट एवं जनजाति कार्य विभाग से समन्वय कर इस प्रतियोगिता के लिए सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि राज्य स्तरीय साइक्लिंग प्रतियोगिता के लिए स्थल बालाघाट-गोंदिया नेशनल हाईवे पर ग्राम भमोड़ी से रेंगाटोला के बीच तय किया गया है। प्रतियोगिता का समय प्रात: 9ः00 बजे से दोपहर 2ः00 तक है। साइक्लिंग प्रतियोगिता 14, 17 एवं 19 वर्षीय बालक एवं बालिकाएं तीन वर्गों में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में राज्य के 10 संभागों के लगभग 250 खिलाड़ी एवं 50 ऑफिशियल सहभागी होंगे।

04 किलोमीटर लंबाई की इस साइक्लिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 13 नवंबर 2025 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में आयोजित होगा एवं मेडल सेरिमनी एवं समापन 17 नवंबर 2025 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में ही संपन्न होगा। राज्य स्तर से आने वाले खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था, नेशनल हाईवे पर यातायात व्यवस्था, आदि तैयारी कर ली गई है।

कुम्हारी शिविर में दी गई समाधान योजना की जानकारी

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। आज दिनांक 09 नवंबर 2025 को बालाघाट वृत्त अंतर्गत भरवेली विवरण केंद्र में अधीक्षण अभियंता अमित कुमार की उपस्थिति में ग्राम पंचायत कुम्हारी में समाधान योजना की जानकारी एवं लाभ के क्रियान्वयन हेतु शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव एवं लगभग 30 उपभोक्ताओं को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई समाधान योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में ग्राम पंचायत के 150 उपभोक्ताओं में से 05 उपभोक्ताओं द्वारा योजना का लाभ भी लिया गया। संबंधित क्षेत्र के सरपंच को लाभार्थियों की सूची भी उपलब्ध कराई गई। साथ ही अधीक्षण अभियंता अमित कुमार द्वारा सहायक अभियंता,कनिष्ठ अभियंता को निर्देशित किया गया कि वे इस योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु ग्रामीणों को योजना के बारे मे अधिक से अधिक जानकारी से अवगत कराएं।

बारिश का कहर; दोगुने बिजली बिल से किसानों की कमर टूटी!!

बालाघाट और परसवाड़ा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का अध्ययन, शिकायत के बावजूद भी नहीं हो रही सुनवाई , विधायक बोले करेंगे आंदोलन

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

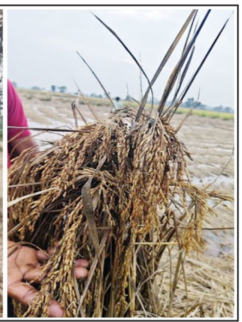

एक ओर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय को दोगुना करने और किसानों की हर संभव मदद किए जाने के कसीदे गढ़े जा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर केंद्र व राज्य सरकार सहित स्थानीय प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी किसानों को लगातार परेशान करने का काम कर रहे हैं।जिनका किसानों की विभिन्न समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं है।यह बात हम नही कह रहे है बल्कि ये दुखड़ा जिले के विभिन्न क्षेत्रो के किसानों द्वारा सुनाया जा रहा है।जहा खाद बीज की व्यवस्था, फसल बोने से लेकर उसे बढ़ा कर पकाने, फसलों की कटाई, गहानी,और फसलों की बिक्री कर उसका भुगतान प्राप्त करने में किसानों को पहले से हर मोड़ पर परेशानियों का सामना करना पड़ा है।तो अब वही किसान ,बेमौसम बारिश से खराब हुई फसलों और फसल पकाने के लिए की गई सिचाई के बिजली बिलों से परेशान है। दरअसल जिले की बालाघाट और परसवाड़ा विधानसभा के कुछ ग्रामों में बिजली विभाग ने किसानों को दोगुना बिजली बिल जारी कर दिया है। बिजली बिल देखकर किसानों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

फसल खराब होने से सदमे में है किसान, बढ़े हुए बिजली बिल से भी परेशान

इस वर्ष बेमौसम बारिश के चलते किसान फसल खराब होने से सदमे में है तो वही बढ़े हुए बिजली बिलों ने भी उन्हें परेशान कर रखा है दरअसल कर्ज चुकाने से लेकर लेनदेन, शादी विवाह, बच्चों की पढ़ाई लिखाई जैसी जिम्मेदारी के निर्वहन को लेकर भारी तनाव में भी है। ऐसे में किसानों को शासन प्रशासन से राहत की उम्मीद है। लेकिन पीड़ित किसानों के बीच तनाव की इस घड़ी में बिजली विभाग भी बढ़े हुए बिल भेजकर उनके माथे पर चिंता की लकीरें बढाने का काम कर रहा है। दो से ढाई गुना बिजली बिल जारी कर किसानों को और तनाव में लाने का काम किया जा रहा है। किसान वर्ग स्वयं को पूरी तरह से असहाय महसूस कर रहा है। वहीं किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही है

थमाया जा रहा दोगुना बिजली बिल

उधर क्षेत्र के किसान लगातार बढ़कर आ रहे बिजली बिल सिर्फ काफी परेशान है किसानों के अनुसार उन्होंने एक एचपी मोटर के लिए कनेक्शन लिया है। लेकिन उन्हें दो एचपी मोटर का बिल देकर बिल जमा करने दवाब बनाया जा रहा है। इस तरह के मामले बालाघाट विस के कुम्हारी, समनापुर और परसवाड़ा विस क्षेत्र के खुरसोड़ा, खर्रापोला, बुढिया़ गांव, मुरझड़ सहित अन्य गांव से सामने आए हैं।जहा के किसानों का आरोप है कि उन्हें पहले की अपेक्षा दोगुना बिजली बिल थमाया गया है।

किसानों को 10 हजार तक के जारी किए गए बिल

बे मौसम बारिश से खराब हुई फसलों से नुकसान की मार झेल रहे किसान को 10 हजार तक के बिजली बिल थमाए गए हैं।किसानों के अनुसार इस बार बिजली विभाग ने पांच से दस हजार रुपए तक के बिजली बिल जारी किए हैं। इनमें प्रमुख रूप से मुरझड़ के किसान को 6970 रुपए, फेंकनलाल पटले को 7547 रुपए का और बुढिया़ गांव के किसान राजेश मेश्राम जिसने अपनी पत्नी के नाम से कनेक्शन लिया हुआ है उसे 10247 रुपए का बिजली बिल जारी किया गया है। किसानों का कहना है कि उनके खेतों में उतना वॉटर लेवल ही नहीं है कि दो हार्स पॉवर की मोटर पानी खींच पाए। एक हार्स पॉवर की मोटर का उपयोग उन्होंने किया है। उसमें भी पकी फसल पूरी तरह से प्रभावित हो गई है। उनके पास साल भर के राशन पानी तक की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में वे इतनी बड़ी राशि कैसे जमा कर पाएंगे। उन्होंने शासन प्रशासन की रियायत की उम्मींद जताई है। लेकिन आवेदन निवेदन की बावजूद भी उन्हें कहीं से भी राहत नहीं मिल रही है

सिंगल फेस का कनेक्शन है, 2 एचपी का जारी किया गया बिल-ईशनलाल लिल्हारे

परसवाड़ा विस के किसान ईशनलाल लिल्हारे सहित अन्य ने बताया कि पिछले कई वर्षो से उन्होंने खेत में फसल की सिंचाई के लिए टीसी कनेक्शन के माध्यम से सिंगल फेस का कनेक्शन लिया हुआ है। इस कनेक्शन से एक हार्स पॉवर की मोटर ही चल पाती है। अब तक सब कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन अक्टूबर माह से बिजली विभाग जो बिल जारी कर रहा है वह दो एचपी और उससे अधिक की मोटर के हिसाब से यानि दो से ढाई गुना बिजली बिल भेज रहा है। इस राशि को जमा करने दबाव भी बनाया जा रहा है। इस तरह की मनमानी कर किसानों का शोषण किया जा रहा है।

फसल बीमा का भी नही मिल रहा लाभ-फेंकनलाल पटले

ग्राम मुरझड़ के किसान फेंकनलाल पटले ने बताया कि हमने फसल बीमा करवाए हैं। लेकिन आज तक कोई क्षतिग्रस्त फसलो का सर्वे करने नहीं आया है। फसल बीमा से लाभ ही नहीं हो रहा है, तो हम क्यों फसल बीमा करवाएं। अभी तक कोई राशि नहीं मिली है। यह सब किसानों को परेशान करने का तरीका है। मेरा 7547 रुपए का बिल जारी किया गया है। इतना पैसा कहां से लाएंगे।

इतना पैसा कहा से लाए समझ नही आ रहा है-भुनेश्वर आंबिलकर

ग्राम खुरसुड़ा के किसान भुनेश्वर आंबिलकर ने बताया कि हमारे घर में दो कनेक्शन है। पिछले 10 सालों से एक एचपी का ही बिल आ रहा था। लेकिन इस बार बिजली वालों ने दो एचपी का बिल दे दिए हैं। हमारे यहां एक एचपी की मोटर चल रही है, तो दो एचपी का कैसे बिल जमा करने कहा जा रहा है। उपर से ही आदेश होने की बात कहकर दवाब बनाया जा रहा है।हम इतना पैसा कहा से लाए ये समझ नही आ रहा है

किसानों का हर तरफ से मरना हो रहा है-ईशनलाल लिल्हारे

ग्राम खुरसुड़ा के किसान ईशनलाल लिल्हारे,ने बताया कि किसान पहले से ही सदमें में है, उस पर बिजली विभाग की मनमानी किसानों को आत्म हत्या करने प्रेरित कर रही है। हमने उतनी बिजली ही उपयोग नहीं की है तो विभाग कैसे अपनी मर्जी से मनमानी बिल जारी कर रहा है। किसानों का कहर तरफ से मरना हो रहा है।

मुद्दा सदन में उठाएंगे,जरूरत पड़ी तो करेंगे आंदोलन-मधु भगत

परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र विधायक मधु भगत ने बताया कि मप्र बिजली विभाग की नीतिया गलत है। इसका हर्जाना किसानों को भुगतना पड़ता है। टीसी कनेक्शन के माध्यम से सिंगल फेस का कनेक्शन लेने पर किसानों को दो से तीन फेस का बिल लिया जाना तानाशाही है। इसको लेकर हम बिजली विभाग के खिलाफ सदन में आवाज उठाएंगे। जरूरत पड़ी तो आंदोलन भी किया जाएगा।

धुर नक्लवाद प्रभावित ग्रामों की तस्वीर बदलेगी

नक्सल प्रभावित ग्रामों के विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के प्रथम चरण में चयनित 100 ग्रामों के विकास कार्यों को लेकर पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार की अध्यक्षता में 09 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई और प्रस्तावित कार्यों पर चर्चा की गई। बैठक में दूसरे चरण के 100 ग्रामों के लिए भी शीघ्रता से डेवलपमेंट प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श कांत शुक्ला, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, अपर कलेक्टर डी पी बर्मन और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार ने अधिकारियों से कहा कि जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के प्रथम चरण में चयनित 100 ग्रामों के विकास कार्यों के प्रस्तावों को अंतिम रूप देकर शीघ्र प्रस्तुत किया जाये। जिससे इन प्रस्तांवों को मंजूरी के लिए केन्द्र सरकार को समय सीमा में भेजा जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सड़कों के सुधार, चौड़ीकरण एवं उन्नयन, पुल-पुलियों का निर्माण, स्कूल, कृषि व उद्यानिकी के विस्तार, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, आंगनवाड़ी केन्द्र व उचित मूल्य दुकानों के भवन, बिजली की सुविधा, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, पानी में फ्लोराईड एवं आयरन की समस्या वाले ग्रामों में ट्रीटमेंट प्लांट का प्रस्ताव दिया जाये। इसके साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों के भीतर की मुख्य गलियों की सड़कों का निर्माण भी इनमें शामिल किया जाये। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संचार सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान देकर प्राथमिकता से कार्य करना है।

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों के विकास के लिए प्रस्ताव तैयार करते समय इस बात का ध्यान रखा जाये कि जो कार्य विभागीय मद से कराये जा सकते हैं उन्हें इनमें शामिल ना किया जाये। इन प्रस्तावों में ऐसे कार्य शामिल किये जायें, जो विभागीय मद एवं योजनाओं से नहीं कराये जा सकते हैं। उन्होंने प्रथम चरण के 100 ग्रामों के बाद अगले चरण 100 अन्य ग्रामों के विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा नक्सल प्रभावित ग्रामों में बिजली की सुविधाओं के विस्तार एवं वोल्टेंज की समस्या के निराकरण के लिए 13 करोड़ रुपये के प्रस्ताव तैयार किये गये है। सिंचाई विभाग द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्र के किसानों की सिंचाई सुविधा के लिए स्टापडेम निर्माण के प्रस्ताव तैयार किये गये है। पशु पालन विभाग द्वारा पशु शेड निर्माण के प्रस्ताव तैयार किये गये है। मतस्य उद्योग विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतगर्त तालाब निर्माण एवं बायो फ्लाक के प्रस्ताव तैयार किये गये हैं। उद्यानिकी विभाग द्वारा नक्स्ल क्षेत्र के ग्रामों के लिए सब्जी व मसाला उत्पादन के लिए ड्रिप सिंचाई व स्प्रिंकलर सेट के प्रस्ताव तैयार किये गये हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा रजेगांव से लांजी चार लेन सड़क, डाबरी से चौरिया सड़क एवं अन्य सड़कों के प्रस्ताव तैयार किये गये हैं।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

चौखंडी में सागौन वन के पास हुआ भीषण सड़क हादसा
दो बच्चों के पिता की मौत, युवक गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज।कटंगी। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम चौखंडी में भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस सड़क हादसे में दो बच्चों के पिता की दर्दनाक मौत हो गई जबकि एक 26 वर्षीय युवक गंभीर रुप से घायल हुआ है जिसका महाराष्ट्र के तुमसर तहसील में उपचार जारी होने की जानकारी मिली है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार शनिवार की शाम करीब 06 बजे चौखंडी में सागौन वन के पास दो बाइक की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। इस हादसे में राजू पिता सोहदू पंचेश्वर उम्र 37 वर्ष निवासी चिकमारा की मौत हो गई। वहीं चौखंडी निवासी देवानंद पिता रामचंद ढुमरउके उम्र 26 वर्ष गंभीर रुप से घायल हुआ है। सड़क हादसे के बाद दोनों को संजीवनी 108 से सरकारी अस्पताल कटंगी लाकर भर्ती करवाया गया था। जहां चिकित्सक ने राजू को मृत घोषित किया। रविवार की सुबह 11 बजे राजू के शव का पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। राजू दो बच्चों का पिता है जिसकी मौत के बाद परिवार और गांव में मातम पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि राजू शाम को अपने घर से धनकोषा जाने के लिए निकला था और चौखंडी में सड़क हादसे का शिकार हो गया।

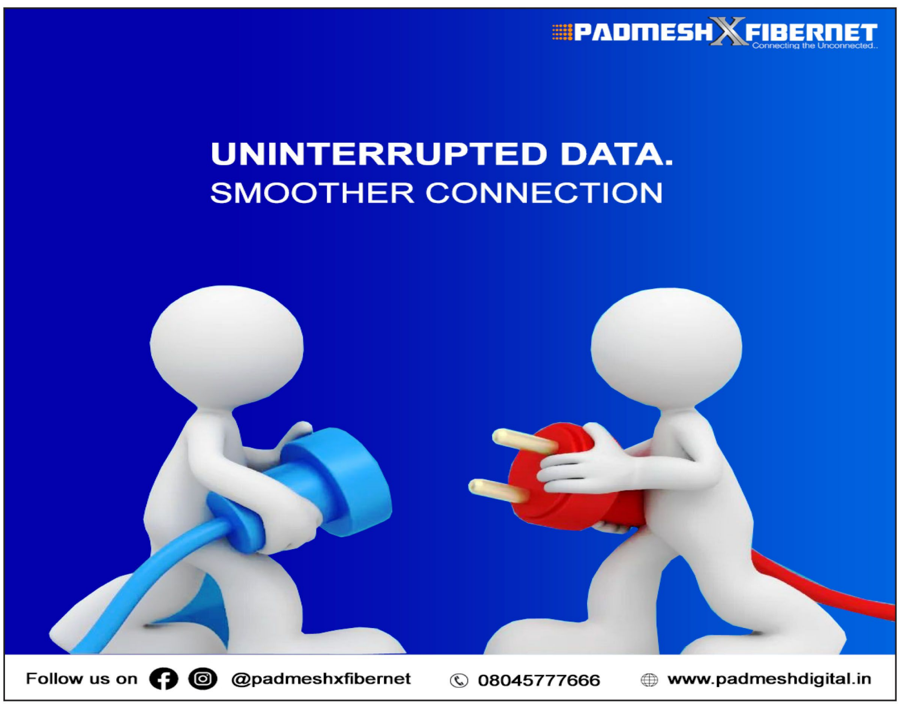

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट